● वर्ष : 17 ● अंक : 139 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

मंगलवार 10 मार्च 2026

मिडिल ईस्ट संकट पर राज्यसभा में बोले जयशंकर, सरकार हालात पर रख रही नजर और अर्मेनिया के रास्ते भारतीयों की वापसी

ऊर्जा सुरक्षा और सप्लाई चेन पर असर की आशंका

विपक्ष का जोरदार हंगामा और नारेबाजी के साथ सदन से किया वाकआउट

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और ईरान पर इजरायल तथा अमेरिका के हमलों के बाद उत्पन्न गंभीर हालात को लेकर सोमवार को संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले दिन राज्यसभा में हंगामें के बीच विदेश मंत्री जयशंकर ने अपनी बात रखी। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने नियम 176 के तहत इस मुद्दे पर चर्चा की मांग उठाई और भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर इसके संभावित प्रभावों को लेकर चिंता जताई।

विपक्ष ने उच्च सदन में मांग ठुकराए जाने को लेकर जोरदार हंगामा किया और विदेश मंत्री के बयान के बीच सदन से वाकआउट किया। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और वर्तमान स्थिति पर स्वतः संज्ञान लेते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सदन में कहा कि मिडिल ईस्ट में हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं, लेकिन भारत सरकार वहां मौजूद भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों से भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए अर्मेनिया के रास्ते निकासी की व्यवस्था की जा रही है। क्षेत्र में स्थित भारतीय दूतावास लगातार लोगों को आवश्यक सहायता उपलब्ध करा रहे हैं।

राज्यसभा में विपक्षी सदस्यों के हंगामे और नारेबाजी के बीच भी विदेश मंत्री जयशंकर ने अपना बयान जारी रखा। उन्होंने सदन को बताया, कि भारत सरकार ने एक आधिकारिक बयान जारी कर रखा है मौजूदा स्थिति पर गहरी चिंता भी व्यक्त की थी। उन्होंने सभी पक्षों से संयम बरतने तथा तनाव कम करने के लिए संवाद और कूटनीति का रास्ता अपनाने की अपील की थी। जयशंकर ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में ईरान के शीर्ष नेतृत्व से संपर्क करना कठिन है, हालांकि उन्होंने ईरान के विदेश मंत्री से बातचीत कर स्थिति पर चर्चा की है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने यह भी कहा, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम एशिया की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और संबंधित मंत्रालय प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए आपसी समन्वय कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया भारत का पड़ोसी क्षेत्र है और वहां की स्थिरता भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

जयशंकर ने सदन को जानकारी दी कि खाड़ी देशों में लगभग एक करोड़ भारतीय रहते और काम करते हैं, जबकि ईरान में भी पढ़ाई या रोजगार के लिए कुछ हजार भारतीय मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बेहद अहम है, क्योंकि यहां से तेल और गैस की बड़ी आपूर्ति होती है। मौजूदा संघर्ष के कारण सप्लाई चेन में व्यवधान और अस्थिरता जैसी चुनौतियां सामने आ सकती हैं, हालांकि सरकार स्थिति पर लगातार नजर रख रही है।

उन्होंने बताया कि संघर्ष के चलते क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति में गिरावट आई है और सामान्य जीवन प्रभावित हुआ है। इस दौरान भारत के दो व्यापारिक जहाजों के नाविकों की मौत हो चुकी है, जबकि एक अभी भी लापता है। विदेश मंत्री के अनुसार अब तक करीब 67 हजार भारतीय अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंच चुके हैं और सरकार बाकी नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

अमेरिका बताए वह क्या करना चाहता है? पुतिन

राजनीति में एक नई बहस को जन्म दे दिया है। पुतिन के इस बयान से अमेरिका की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। पुतिन ने स्पष्ट शब्दों में कहा, रूस वर्तमान स्थिति मे जो संघर्ष दुनिया के कई देशों के बीच में चल रहे हैं, उसमें वह तटस्थ नहीं है। इजरायल और अमेरिका द्वारा ईरान पर जो हमला किया गया है उसमें रूस ईरान के साथ खड़ा है। यह बयान ऐसे समय पर आया है। जब अमेरिका और इज़रायल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ रहा है।

सारी दुनिया आर्थिक मंदी की चपेट में आ रही है। पुतिन का यह रुख मात्र एक बयान नहीं है बल्कि इसे पश्चिमी देशों की नीतियों एवं दादागिरी पर सीधी चुनौती के रूप में माना जा रहा है। रूस का आरोप है, अमेरिका और उसके सहयोगी देश अंतर्राष्ट्रीय कानून की अनदेखी कर मनमानी कर रहे हैं। इसी संदर्भ में पुतिन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों जिसमे अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन (पी5) देशों की बैठक बुलाने का प्रस्ताव दिया है। पुतिन का कहना है, दुनिया की महाशक्तियों को यह तय करना होगा, अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था "कानून के शासन" (रुल ऑफ लॉ) से चलेगी या फिर ताकत के आधार पर एक देश दूसरे देशों के साथ व्यवहार करेंगे। रूस का कहना है, आज की स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय कानून केवल कागजों तक सीमित रह गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ, सुरक्षा परिषद एवं अन्य अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की कोई भूमिका देखने को नहीं मिल रही है। पुतिन ने चेतावनी देते हुए कहा, वास्तविकता में शक्तिशाली देश अपने हितों के अनुसार निर्णय लेते हुए कार्रवाई कर रहे हैं। जिसमें अंतर्राष्ट्रीय कानूनो का पालन नहीं हो रहा है। यदि यही स्थिति जारी रही तो, अन्य देश भी उसी रास्ते पर चलने के लिए मजबूर होंगे। जिसके कारण सारी दुनिया एक बार फिर संघर्ष की स्थिति में जाकर खड़ी हो जाएगी।

इससे वैश्विक व्यवस्था को नियंत्रित कर पाना असंभव होगा। पुतिन के इस बयान का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है, रूस ने सीधे तौर पर ईरान के प्रति अपना खुला समर्थन जताया है। पश्चिमी देशों के द्वारा जिस तरह से मनमाने तरीके से कार्यवाही की जा रही है, उसको पूरी तरह से अस्वीकार करते हुए चेतावनी दी है। पश्चिमी और कुछ अरब देशों द्वारा ईरान को इस संघर्ष का मुख्य जिम्मेदार बताया जा रहा है। पुतिन ने इसके लिए उन्हें ही जिम्मेदार ठहरा दिया है। रूस का कहना है, ईरान केवल हमलों का जवाब दे रहा है। अमेरिका और इजरायल ने उस पर जो हमला किया था ईरान को अपना बचाव करने का पूरा अधिकार है। जबकि पश्चिम के देश इसे ईरान की आक्रामक कार्रवाई के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER**786**@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

तेल की कीमतों में उछाल से शेयर बाजार में भारी गिरावट

एजेंसी, मुंबई । भारतीय शेयर बाजार में सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को जोरदार गिरावट देखने को मिली। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई, जिसका सीधा असर घरेलू बाजार पर पड़ा। बाजार खुलते ही निवेशकों में सतर्कता का माहौल बन गया और भारी बिकवाली देखने को मिली। कारोबार की शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स करीब 2,347 अंकों की गिरावट के साथ लगभग 76,571 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। वहीं निफ्टी 50 भी लगभग 713 अंकों की गिरावट के साथ 23,736 के आसपास ट्रेड करता दिखा। सेंसेक्स के सभी 30 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आए। गिरावट के बीच सबसे ज्यादा नुकसान इंटरग्लोब एविएशन के शेयर में दर्ज किया गया, जिसमें करीब 7.5 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई। इसके अलावा टाटा स्टील, लार्सन एंड टर्बो, स्टेट बैंक आफ इंडिया और मारुति सुजुकी के शेयरों में भी तेज गिरावट रही। वहीं एशियन पेंट, अडाणी पोर्ट एंड स्पेशल इकानामी जोन, आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंड लिमिटेड और बजाज फाइनेंस भी नुकसान में कारोबार करते दिखे। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो लगभग सभी सेक्टर दबाव में रहे। सबसे ज्यादा गिरावट निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स में देखने को मिली, जो करीब 5.5 प्रतिशत तक फिसल गया। इसके बाद निफ्टी आटो इंडेक्स में लगभग 4.14 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वहीं पिछले शुक्रवार शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स 1,097 अंक गिरकर 78,918 पर और निफ्टी 315 अंक फिसलकर 24,450 पर बंद हुआ।

मैनचेस्टर जा रही इंडिगो की फ्लाइट को इथियोपिया बॉर्डर से वापस दिल्ली लौटना पड़ा

एजेंसी, नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और हवाई क्षेत्र (एयरस्पेस) पर पाबंदियों की वजह से दिल्ली से मैनचेस्टर जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई033 को बीच रास्ते से वापस दिल्ली लौटना पड़ा। फ्लाइटराडार24 की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली से मैनचेस्टर के लिए सोमवार को सुबह उड़ान भरने वाली इंडिगो की फ्लाइट (संख्या 6ई033) को पश्चिम एशिया एयरस्पेस में पाबंदियों के बीच इथियोपिया सीमा के पास पहुंचकर हवा से ही वापस मुड़ना पड़ा, जिससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। हालांकि, विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। इंडिगो एयरलाइन ने पिछले साल मुंबई और मैनचेस्टर को जोड़ने वाली अपनी पहली लंबी दूरी की उड़ान शुरू की थी। इसके बाद नवंबर में दिल्ली और मैनचेस्टर के बीच सीधी उड़ानें शुरू की गई थीं। यह 26 फरवरी के बाद इंडिगो की पहली दिल्ली से मैनचेस्टर की उड़ान थी। दिल्ली-मैनचेस्टर की ग्रेट सर्कल दूरी 6,829 किमी है और औसत उड़ान समय लगभग 11 घंटे है। इस विमान ने अदन की खाड़ी और अफ्रीका होते हुए एक असामान्य दक्षिणी मार्ग अपनाया था।

ईरान में फंसे जम्मू-कश्मीर के सैकड़ों छात्र, अभिभावकों ने लगाई सरकार से गुहार

एजेंसी, श्रीनगर । ईरान में जारी जंग के बीच वहां कश्मीर के सैकड़ों छात्रों की सुरक्षा को लेकर उनके परिवार चिंतित हैं। हालात बिगड़ने की खबरों के बीच अभिभावकों और फंसे हुए छात्रों ने केंद्र सरकार से उन्हें जल्द वापस लाने की मांग की है। उन्होंने सुझाव दिया है कि छात्रों को आर्मेनिया सीमा के रास्ते सुरक्षित बाहर निकाला जाए। अभिभावकों के प्रतिनिधिमंडल ने कश्मीर के मंडलायुक्त से भी मुलाकात कर ईरान के कई विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं से अवगत कराया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अभिभावकों ने प्रशासन से अनुरोध किया कि वह इस मामले को तुरंत विदेश मंत्रालय के सामने उठाएं और छात्रों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करे। मंडलायुक्त ने आश्वासन दिया कि प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और संबंधित अधिकारियों के संपर्क में है। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों के कारण सुरक्षित वापसी में कुछ समय लग सकता है, लेकिन प्रयास किए जा रहे हैं। एक अभिभावक ने कहा कि ईरान की स्थिति बेहद गंभीर है और यहां परिवारों पर भारी मानसिक दबाव है। छात्रों के माता-पिता न तो ठीक से सो पा रहे हैं और न ही किसी काम पर ध्यान दे पा रहे हैं। हम सरकार से अपील करते हैं कि जल्द से जल्द हमारे बच्चों को वापस लाया जाए।

दिल्ली शराब घोटाला पर ट्रायल कोर्ट के आदेश को सीबीआई ने हाई कोर्ट में दी चुनौती

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत 23 आरोपितों को बरी करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए केजरीवाल समेत सभी आरोपितों को नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई 16 मार्च को होगी। उच्च न्यायालय ने सोमवार को ट्रायल कोर्ट की ओर से केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) पर की गई प्रतिकूल टिप्पणियों पर रोक लगा दी है। उच्च न्यायालय ने ट्रायल कोर्ट को आदेश दिया है कि वो दिल्ली आबकारी घोटाला मामले से जुड़े मनी लांड्रिंग के मामले की आगे सुनवाई नहीं करें। सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने कहा कि ये दिल्ली के इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला है। उन्होंने ट्रायल कोर्ट के आदेश को कानूनों के मुताबिक गलत बताते हुए इस पर रोक लगाने की मांग की। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 27 फरवरी को सभी आरोपितों को बरी करने का आदेश दिया था। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने कहा था कि चार्जशीट में काफी विरोधाभास हैं। कोर्ट ने कहा कि हजारों पेजों के चार्जशीट में जो तथ्य पेश किए गए हैं, वे गवाहों के बयानों से मेल नहीं खाते। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने कहा था कि इस मामले में मनीष सिसोदिया करीब 530 दिन जेल में रहे। अरविंद केजरीवाल दो बार के अंतराल में 156 दिन जेल में रहे। अरविंद केजरीवाल 13 सितंबर, 2024 को तब रिहा हुए जब सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई के मामले में जमानत दी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 21 मार्च, 2024 को अरविंद केजरीवाल को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। 10 मई को उच्चतम न्यायालय ने केजरीवाल को एक जून तक की अंतरिम जमानत दी थी जिसके बाद केजरीवाल ने 2 जून, 2024 को सरेंडर किया था। केजरीवाल को 26 जून, 2024 को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। ईडी ने 10 मई, 2024 को छठी पूरक चार्जशीट दाखिल किया था जिसमें बीआरएस नेता के कविता, चनप्रीत सिंह, दामोदर शर्मा, प्रिंस कुमार, अरविंद सिंह को आरोपित बनाया गया है। कोर्ट ने 29 मई को छठे पूरक चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। उच्चतम न्यायालय ने 27 अगस्त को के. कविता को सीबीआई और ईडी के मामले में जमानत दी थी।

टी 20 विश्वकप जीतने पर राज्यसभा में भारतीय टीम को दी गई बधाई

एजेंसी, नई दिल्ली । टी20 विश्व कप में मिली खिताबी जीत पर सोमवार को राज्यसभा में भारतीय टीम को बधाई दी गयी। सभापति सीपी राधाकृष्णन ने राज्यसभा सदस्यों की तरफ से विजेता भारतीय टीम को बधाई देते हुए जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह देश के लिए गर्व की बात है कि भारतीय टीम ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का खिताब जीत लिया है। टीम ने अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। यह तीसरी बार है जब भारत ने टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है। दिलचस्प बात है कि लगातार दूसरी बार टीम ने ऐसा किया है क्योंकि भारत ने इससे पहले संस्करण में भी ट्रॉफी अपने नाम की थी। राधाकृष्णन ने कहा कि यह जीत इसलिए भी विशेष है क्योंकि भारत पहला देश है जो अपनी मेजबानी में टी20 विश्व कप का विजेता बना है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान टीम के शानदार प्रदर्शन ने देशभर के करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों को अपार खुशी और गर्व का अनुभव कराया है। सदन की ओर से भारतीय टीम के खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ और भारतीय क्रिकेट से जुड़े सभी लोगों को इस शानदार उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई।यह सदन उनकी आने वाले वर्षों में निरंतर सफलता की कामना करता है।

जंग में ना तो अमेरिका-इजराइल और ना ही ईरान पीछे हटने को तैयार, अब तक 1700 की मौत

एजेंसी, तेहरान

अमेरिका और इजराइल ने तेहरान में भीषण हमले किए। इस हमले में सुप्रीम लीडर खामनेई की मौत हो गई। मिडिल ईस्ट में जारी जंग के बीच अब तक 1700 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं, जबकि हजारों घायल हैं। ईरान और इजराइल लगातार एक दूसरे के सैन्य ठिकानों के साथ नागरिकों की आबादी वाले इलाकों को भी निशाना बना रहे हैं। बता दें 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इजराइल ने तेहरान में हमला किया था। हमले का मुख्य उद्देश्य ईरानी सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकना बताया। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने सोमवार को कतर की राजधानी दोहा और इजराइल की ओर मिसाइलें दागी हैं। नुकसान की जानकारी नहीं लगी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरा पर किए हमले के पहले दिन ही ईरान के सुप्रीम लीडर खामनेई उनके परिवार के सदस्य और कई शीर्ष अधिकारी की मौत हो गई थी। वहीं, अब मोजतबा खामेनेई को ईरान का नया सुप्रीम लीडर बनाया गया है। मिडिल ईस्ट में पिछले 10 दिनों से जारी जंग के बीच के सदस्य और कई शीर्ष अधिकारी भी मारे गए हैं। अकेले ईरान में मरने वालों का आंकड़ा 1,230 के पार कर चुका है।

कोलकाता पहुंचे मुख्य चुनाव आयुक्त को दिखाए गए काले झंडे, मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप

एजेंसी, कोलकाता

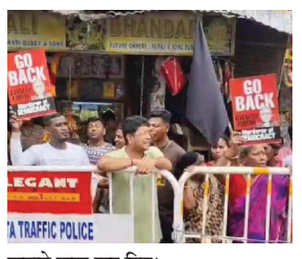

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा करने पहुंची निर्वाचन आयोग की फुल बेंच को सोमवार सुबह भारी विरोध का सामना करना पड़ा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल के साथ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के गृह क्षेत्र कालीघाट स्थित प्रसिद्ध मंदिर में पूजा-अर्चना करने पहुंचे थे। उनके मंदिर पहुंचने से पहले ही वहां प्रदर्शनकारियों का एक बड़ा समूह एकत्र हो गया था। जैसे ही मुख्य चुनाव आयुक्त दर्शन करके मंदिर से बाहर निकले, प्रदर्शनकारियों ने उन्हें काले झंडे दिखाए और गो बैक (वापस जाओ) के नारे लगाने शुरू कर दिए।

प्रदर्शन कर रहे लोगों का मुख्य आक्रोश मतदाता सूची में कथित धांधली को लेकर था। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि एसआईआर प्रक्रिया की आड़ में मतदाता सूची से जानबूझकर कई वैध मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। उन्होंने आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए जमकर नारेबाजी की। इस अचानक हुए विरोध प्रदर्शन और हंगामे के कारण मौके पर काफी तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई। हालांकि, इस पूरी असहज स्थिति के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ने संयम बनाए रखा। उन्होंने प्रदर्शन को लेकर किसी भी प्रकार की टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और शांतिपूर्वक वहां से रवाना हो गए। राज्य में चुनाव आयोग की टीम आज से ही प्रशासन और विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें शुरू करने वाली है। बैठकों के दौर से ठीक पहले कालीघाट जैसे संवेदनशील इलाके में हुए इस विरोध प्रदर्शन ने राज्य के सियासी पारे को और बढ़ा दिया है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि आयोग मतदाता सूची को लेकर उठ रहे इन सवालों का समाधान किस प्रकार करता है।

तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरे भारत के 'पुष्पक' और 'परिमल' जहाज

- ईरानी उप विदेश मंत्री सईद खातिबजादेह और जयशंकर की मुलाकात का असर

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिका-इजराइल के खिलाफ ईरान की जंग लगातार जारी है। वह भी पूरी तरह से हमले कर रहा है। इस युद्ध के चलते खाड़ी में इस बढ़ते तनाव के बीच भारत के दो मालवाहक जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरते देखे गए। समुद्री ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक 'पुष्पक' और 'परिमल' नाम के ये दोनों जहाज हाल ही में समुद्री मार्ग से होकर गुजरे। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आई है जब क्षेत्र में सुरक्षा जोखिम बढ़ने के कारण कई वैश्विक शिपिंग कंपनियां इस मार्ग का इस्तेमाल करने को लेकर सतर्क रुख अपना रही हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक होर्मुज जलडमरू मध्य दुनिया के सबसे अहम समुद्री मार्गों में से एक है। यह जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है और ग्लोबल ऑयल सप्लाई का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। समुद्री ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक भारतीय जहाज पुष्पक और परिमल इस जलडमरूमध्य से तेज़ी से गुजरते हुए देखे गए। क्षेत्र में बढ़े सुरक्षा जोखिमों के कारण इन जहाजों की आवाजाही पर खास ध्यान दिया जा रहा है। कई रिपोर्टों में विशेषज्ञों के हवाले से कहा गया है कि ईरान की ओर से संकेत मिले हैं कि मौजूदा तनाव में भारतीय ध्वज वाले जहाजों को निशाना नहीं बनाया जाएगा। माना जा रहा है कि यह भारत और ईरान के बीच जारी कूटनीतिक संपर्कों का परिणाम है। इन घटनाक्रमों के बीच भारत और ईरान के बीच हाल ही में उच्च स्तर पर बातचीत हुई है। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से टेलीफोन पर बातचीत की थी।

तकनीकी खराबी के कारण एक घंटे विमान में फंसे रहे यूपी के दोनों उपमुख्यमंत्री

एजेंसी, लखनऊ । लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर इंडिगो फ्लाइड में तकनीकी खराबी आ गई। इस कारण उत्तर प्रदेश के सरकार के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत सभी पैसेंजर एक घंटे तक विमान में फंसे रहे। एयरपोर्ट के प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार अमौसी एयरपोर्ट पर इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6ई505 को आज सुबह कोलकाता जाना था, लेकिन तकनीकी खराबी आने की वजह से करीब एक घंटे फ्लाइट लेट हो गई। इस फ्लाइट राज्य सरकार के दोनों उपमुख्यमंत्री समेत सभी पैसेंजर फंसे रहे। दोनों मुख्यमंत्री पार्टी की बैठक में शामिल होने के लिए कोलकाता जा रहे थे। हालांकि विमान ठीक होने के बाद उसे 8:59 पर रवाना किया गया।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

ख़ास ख़बर

उत्तम नगर हत्याकांड में पुलिस ने 7 और आरोपियों को किया गिरफ्तार, एक नाबालिग भी पकड़ा गया

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। द्वारका जिले के उत्तम नगर इलाके में दो समुदायों के बीच हुए विवाद और हत्या के मामले में पुलिस ने फरार चल रहे सात और आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। इसके अलावा एक 14 वर्षीय नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया है। इस कार्रवाई के बाद अब तक इस मामले में कुल 14 आरोपितों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि दो नाबालिगों को भी पकड़ा जा चुका है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान सायरा उर्फ काली (40), सरिफन (50), सलमा (36), सुहैल उर्फ साहिल (21), समीर चौहान (20), फिरोज (22) और इस्माइल (50) के रूप में हुई है। सभी आरोपित उत्तम नगर क्षेत्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं। इनके अलावा पुलिस ने एक 14 वर्षीय नाबालिग को भी हिरासत में लिया है। द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने सोमवार को बताया कि यह सभी आरोपित उत्तम नगर में दर्ज हत्या के मामले में वांछित थे और घटना के बाद से फरार चल रहे थे। पुलिस ने लगातार छापेमारी और तकनीकी जांच के आधार पर इन आरोपितों की पहचान की और उन्हें गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। उन्होंने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की विशेष टीमों का गठन किया गया था। इन टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर फरार आरोपितों को पकड़ने की कार्रवाई की। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ कर रही है, ताकि मामले से जुड़े अन्य तथ्यों और संभावित रूप से शामिल लोगों के बारे में जानकारी मिल सके। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है और जरूरत पड़ने पर अन्य संदिग्धों की गिरफ्तारी भी की जा सकती है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की हर पहलू से जांच कर रही है, ताकि घटना के पीछे की पूरी सच्चाई सामने लाई जा सके।

राज्यसभा से विपक्ष के बहिर्गमन को नड्डा ने बताया गैरजिम्मेदाराना

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। पश्चिम एशिया के हालात पर विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान के दौरान राज्यसभा में विपक्ष के बहिर्गमन को नेता सदन जेपी नड्डा ने गैरजिम्मेदाराना बताया है। नड्डा ने कहा कि मंत्री के बयान के दौरान विपक्ष ने सदन की कार्यवाही में व्यवधान डाला, जो निंदनीय और गैरजिम्मेदाराना है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष का उद्देश्य रचनात्मक चर्चा में भाग लेना नहीं बल्कि सदन में "अराजकता और हंगामा" पैदा करना था। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकाअर्जुन खरगे के नेतृत्व में विपक्षी सदस्यों ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर भारत की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के संभावित प्रभाव पर अल्पकालिक चर्चा की मांग की थी। जब यह मांग तुरंत स्वीकार नहीं की गई और विदेश मंत्री ने अपना बयान देना शुरू किया तो विपक्षी सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन किया और बाद में सदन से बहिर्गमन किया। नड्डा ने कहा कि विपक्ष अक्सर महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श में भाग लेने के बजाय व्यवधान और बहिर्गमन का सहारा लेता है। पूर्व की घटनाओं का उल्लेख करते हुए नड्डा ने कहा कि इससे पहले भी विपक्ष ने कई मुद्दों पर चर्चा के दौरान सदन से बहिर्गमन किया था, जिनमें दिसंबर 2025 में चुनावी सुधारों पर चर्चा, अंतरिक्ष कार्यक्रम से जुड़े मुद्दे, ऑपरेशन सिंदूर, पहलगाम आतंकी हमला, वक्फ विधेयक शामिल है। इस प्रकार का व्यवहार संसदीय लोकतंत्र की भावना को कमजोर करता है। विपक्ष की रुचि अपनी ओछी राजनीति को आगे बढ़ाना है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ये कभी भी संभव नहीं होगा। ये विपक्ष में बैठकर और कम होते चले जाएंगे और समाप्त हो जाएंगे।

राज्यसभा में पर्यावरण मंत्रालय के कामकाज पर हुई चर्चा, भूपेन्द्र यादव कल देंगे जवाब

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। सोमवार को दोपहर दो बजे के बाद राज्यसभा की कार्यवाही फिर शुरू होते ही पर्यावरण मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा शुरू हुई। कार्यवाही की अध्यक्षता उपसभापति हरिवंश ने की। चर्चा की शुरुआत भाजपा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने की। उन्होंने अपने भाषण में पर्यावरण मंत्रालय के कार्यों और नीतियों पर बात रखी। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि विपक्ष के सदस्य इस चर्चा में मौजूद नहीं दिख रहे हैं। इस महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा के समय विपक्ष का अनुपस्थित रहना दुखद है। घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि भारत की संस्कृति प्रकृति से जुड़ी रही है और उन्होंने वन क्षेत्र बढ़ाने के प्रयासों की सराहना की। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पर्यावरण प्रदूषण के साथ राजनीतिक प्रदूषण को भी दूर करने की आवश्यकता है। उन्होंने रामसर वेटलैंड्स के विकास की विस्तार से बात की जिसके तहत इंदौर, उदयपुर जैसे शहरों को रामसर शहर घोषित करने का काम सरकार ने किया। इस चर्चा में मध्यप्रदेश से सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी, सांसद बृज लाल, मेधा कुलकर्णी सहित कई भाजपा सांसदों ने भाग लिया। विपक्ष ने पहले ही सदन से वॉक आउट कर दिया था।

एयर इंडिया फ्लाइट क्रैश की जांच रिपोर्ट जल्द आएगी : राममोहन नायडू

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने सोमवार को राज्यसभा में बताया कि पिछले साल जून में एयर इंडिया की फ्लाइट ए आई 171 के क्रैश की जांच तेजी से आगे बढ़ रही है। इसकी रिपोर्ट साल पूरा होने से पहले ही जारी कर दी जाएगी। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार जांच कर रही एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो को हर तरह की जरूरी मदद दे रही है।नायडू ने बताया कि जांच में तकनीकी पहलुओं, फ्लाइट डेटा और अन्य सबूतों का गहन विश्लेषण किया जा रहा है ताकि हादसे की असली वजह सामने लाई जा सके। उन्होंने भरोसा दिलाया कि रिपोर्ट तैयार होते ही उसे सार्वजनिक किया जाएगा। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण उड़ानों पर पड़ने वाले असर से जुड़े सवालों के जवाब में नायडू ने कहा कि नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने तुरंत एयरलाइंस से संपर्क किया और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए। उन्होंने बताया कि नियामक संस्था ने एयरलाइन अधिकारियों के साथ कई बैठकें की हैं, ताकि क्षेत्र के हवाईअड्डों के लिए उड़ानें तभी संचालित हों जब "100 प्रतिशत सुरक्षा" सुनिश्चित हो सके। इसके अलावा यात्रियों में किसी तरह की भ्रम की स्थिति से बचने के लिए यात्रा परामर्श (ट्रैवल एडवाइजरी) भी जारी की गई हैं। मंत्री के अनुसार, संकट के कारण उत्पन्न बाधाओं के बावजूद एयरलाइंस ने अपने संचालन में बदलाव किए और अतिरिक्त फ्लाइट स्लॉट हासिल किए, जिसके चलते पिछले एक सप्ताह में करीब 90,000 यात्रियों ने भारत की यात्रा की है। मंत्री ने जेवर एयरपोर्ट को लेकर एक सवाल के जवाब में सदन को यह भी बताया कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को डीजीसीए से एयरोड्रोम लाइसेंस मिल गया है। नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण सहित विभिन्न एजेंसियों से परामर्श के बाद यह एयरपोर्ट करीब 45 दिनों में चालू हो जाएगा।उल्लेखनीय है कि बोइंग 787-8 विमान, जो एयर इंडिया फ्लाइट AI171 के रूप में संचालित हो रहा था, अहमदाबाद से लंदन गैटविक जा रही थी। 12 जून 2025 को उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में विमान में सवार 241 यात्रियों और क्रू सदस्यों समेत कुल 260 लोगों की मौत हो गई थी।

कमला पावर वुमन द्वारा प्रस्तुत 'लोकमाता अहिल्याबाई होलकर महिला सम्मान 2026' में देशभर की प्रेरणादायक महिलाओं को किया जाएगा सम्मानित

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली : समाज में अपनी अलग पहचान बनाने वाली और बाधाओं को तोड़कर बदलाव लाने वाली महिलाओं को सम्मानित करने के उद्देश्य से निदर्शना गोवानी की पहल 'लोकमाता अहिल्याबाई होलकर महिला सम्मान 2026' का आयोजन 10 मार्च को नई दिल्ली में किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित सम्मान कमला पावर वुमन द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है। लगभग 5 वर्ष पूर्व शुरू किए गए इस सम्मान का उद्देश्य समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं को पहचान देना है। इन पुरस्कारों के माध्यम से देश के अलग-अलग राज्यों, छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाली महिलाओं के साथ-साथ आर्थिक रूप से कमजोर और दिव्यांग महिलाओं की उपलब्धियों को भी सम्मानित किया जाता है। इस वर्ष लोकमाता अहिल्याबाई होलकर महिला सम्मान के पांचवें संस्करण में कई प्रतिष्ठित हस्तियां मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। इनमें केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, भारत के कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, लोकसभा सांसद मनोज तिवारी सहित कई अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे।

असम में कांग्रेस को बड़ी सफलता, असम गण परिषद के बड़े नेता जयंत खाउंद समेत कई नेताओं ने थामा हाथ

लोकतंत्र की शान, संवाददाता जीशान अली

नई दिल्लीः असम विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में कांग्रेस को बड़ी सफलता मिली है। सोमवार को असम गण परिषद के पूर्व राष्ट्रीय वित्त सचिव जयंत खाउंद ने दर्जनों नेताओं के साथ कांग्रेस का दामन थाम लिया। नई दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय में उन्हें पार्टी में शामिल कराया गया। इस अवसर पर असम के प्रभारी महासचिव जितेंद्र सिंह अलवर, असम के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ पर्यवेक्षक और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई और राष्ट्रीय सचिव मनोज चौहान मुख्य रूप से उपस्थित रहे। गौरव गोगोई ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि जयंत खाउंद जैसे जमीन से जुड़े नेता का कांग्रेस में आना असम में बह रही परिवर्तन की लहर का संकेत है। उन्होंने कहा कि असम की जनता के मन में मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के खिलाफ गुस्सा है और वह उनकी मनमानी से तंग आ चुकी है। गोगोई ने आगे कहा कि सत्ता पक्ष के कई लोगों को भी वर्तमान नेतृत्व में घुटन महसूस हो रही है। मुख्यमंत्री सक्रिय कार्यकर्ताओं को किनारे कर अयोग्य और भ्रष्ट लोगों को बढ़ावा दे रहे हैं।

वहीं कांग्रेस के असम प्रभारी जितेंद्र सिंह ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा का एकमात्र लक्ष्य क्षेत्रीय पहचान और क्षेत्रीय दलों को समाप्त करना है। उन्होंने ओडिशा एवं बिहार का उदाहरण देते हुए कहा कि भाजपा पहले क्षेत्रीय पार्टियों के साथ गठबंधन करती है और बाद में उनका अस्तित्व मिटा देती है। उन्होंने आगे कहा कि असम में भी जब से हिमंता सरकार आई है, तब से असम गण परिषद को धीरे-धीरे खत्म करने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने जयंत खाउंद का कांग्रेस पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि वे हमेशा अपने मूल्यों पर कायम रहे हैं; उनके आने से असम की संस्कृति और मूल्यों को बचाने की लड़ाई को मजबूती मिलेगी।

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग की सदस्य मुनव्वरी बेगम ने अपना कार्यभार संभाला

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग में भारत सरकार द्वारा मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय की मुनव्वरी बेगम को सदस्य मनोनीत किया गया। मुनव्वरी बेगम ने 9 मार्च 2025 को आयोग के कार्यालय में संयुक्त सचिव अत्यानंद द्वारा पद ग्रहण किया। इस अवसर पर संयुक्त सचिव अत्यानंद, उप-सचिव हरीष कुमार ने सदस्यता पत्र दिया। मुनव्वरी बेगम ने अपना कार्यभार संभालते हुए वहां उपस्थित सभी लोगों का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मुझे राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग का सदस्य बना कर अल्पसंख्यकों की सुरक्षा, अधिकार और उत्थान के लिए कार्य करने का जो अवसर दिया है मैं पूरी ईमानदारी से अपना कार्य करूंगी। आयोग की सचिव अलका उपाध्याय ने मुनव्वरी बेगम को आयोग का सदस्य बनने पर फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया। इस अवसर पर सचिव अलका उपाध्याय ने बधाई देते हुए कहा मुनव्वरी बेगम का अनुभव और जनसेवा के प्रति समर्पण देशभर में अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारों और कल्याण की रक्षा के लिए आयोग के प्रयासों को और अधिक सशक्त करेगा। ज्ञात हो कि दिसम्बर 2024 से आयोग में कोई भी सदस्य नहीं था। मुनव्वरी बेगम और बर्जिस देसाई को आयोग का सदस्य मनोनीत किया गया। मुनव्वरी बेगम जो मुस्लिम समुदाय से हैं और बर्जिस देसाई पारसी समुदाय से हैं अन्य समुदाय के भी सदस्य बहुत जल्द मनोनीत किये जाएंगे ताकि आयोग में सभी समुदाय के सदस्य आपस मे मिलकर अल्पसंख्यकों के उत्थान कि लिए कार्य करें। मुनव्वरी बेगम इससे पूर्व केन्द्रीय हज कमेटी, वक्फ परिषद में भी सदस्य रह चुकी हैं उन्हें कार्य करने का एक लम्बा अनुभव है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर किसान ट्रस्ट ने 'अपराजिता सम्मान' से महिलाओं को किया सम्मानित

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में किसान ट्रस्ट ने 'अपराजिता सम्मान समारोह' में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। अन्नपूर्णा देवी ने सम्मानित महिलाओं को बधाई देते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह द्वारा स्थापित किसान ट्रस्ट का महिलाओं, विशेष रूप से एसिड हमले के पीड़ितों को आर्थिक सहयोग और हौसला देना प्रेरणादायक पहल है। उन्होंने इस अवसर पर केंद्र सरकार की महिला सशक्तीकरण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी। कार्यक्रम की आयोजक और किसान ट्रस्ट की ट्रस्टी चारू चौधरी ने कहा कि यह आयोजन उन महिलाओं को सम्मान देने का प्रयास है, जो चुनौतियों के बावजूद अपने सपनों को साकार करने और समाज के लिए नई राह बनाने में जुटी हैं। महिलाओं को सम्मान, अवसर और संसाधन मिलने से समाज और देश का भविष्य मजबूत होता है। समारोह के दौरान 'रोजगार के माध्यम से सशक्तीकरण' विषय पर पैनल चर्चा भी आयोजित की गई। इसमें नीति आयोग की प्रिंसिपल इकोनॉमिक एडवाइज़र एना रॉय, यूएन विमेन इंडिया की कांता सिंह, बैंकिंग और फिनटेक विशेषज्ञ शिंजिनी कुमार तथा पूर्व दूरदर्शन समाचार एंकर सलमा सुल्तान ने भाग लिया। चर्चा का संचालन यूपी राज्य महिला आयोग की सदस्य मनीषा अहलावत ने किया। वक्ताओं ने महिला शिक्षा, रोजगार के अवसर और परिवार की जिम्मेदारियों के बीच संतुलन जैसे विषयों पर विचार रखे। कार्यक्रम में 'मिलेट मॉम' के नाम से प्रसिद्ध उद्यमी पूजा शर्मा ने महिला उद्यमिता और पोषण के क्षेत्र में अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर शास्त्रीय गायिका और हाल ही में पद्मश्री से सम्मानित प्रो. मंगला कपूर को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उन्होंने तेजाब हमले के बाद संघर्ष करते हुए संगीत के क्षेत्र में सफलता हासिल करने की अपनी प्रेरक कहानी सुनाई। उल्लेखनीय है कि किसान ट्रस्ट की स्थापना पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने की थी। यह संगठन लंबे समय से किसानों और महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए कार्य कर रहा है तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत एसिड अटैक सर्वाइवर्स के पुनर्वास में भी सहयोग देता रहा है।

लोकसभा की कार्यवाही में बाधा डाल रहे विपक्ष को जगदंबिका पाल ने आड़े हाथों लिया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले दिन सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही विपक्ष के हंगामा के चलते कल (मंगलवार) तक के लिए स्थगित की गई है। पीठासीन अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने लोकसभा की कार्यवाही में बाधा डाल रहे विपक्षी दल के सदस्यों को समझाया और विपक्षी दलों के सांसदों को आड़े हाथों लिया। विपक्ष दलों के सांसदों ने अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग पर आज जमकर हंगामा किया। विपक्ष ने जंग के बाद पश्चिम एशिया में बने हालातों का भारत पर असर पर चर्चा की मांग करता रहा। सरकार ने कहा कि विपक्ष लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर लाई है, हम इस पर चर्चा करने पर तैयार हैं। लेकिन विपक्ष पश्चिम एशिया में बने हालातों पर चर्चा की मांग कर रहा था, जिस पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सदन में विस्तार से जबाव दिया। पीठासीन अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने विपक्ष के इस व्यवहार से नराजगी जताते हुए कहा कि सदन चलाने में डेढ़ करोड़ रुपये प्रति घंटा खर्च होता है। एक-एक मिनट का ढाई लाख रुपया खर्च होता है। एक दिन में 9 करोड़ रुपये खर्च होता है। अपने गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार के कारण विपक्ष एक दिन का 9 करोड़ रुपये बर्बाद कर रहा है, ये जनता का पैसा है। जगदंबिका पाल ने कहा कि देश देख रहा है कि सरकार सदन चलाना चाहती है, लेकिन आप नहीं चलाना चाहते। ये गैर-जिम्मेदाराना आचरण है, अपरिपक्व व्यवहार है। पीठासीन अध्यक्ष पाल ने इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही में बाधा डाल रहे सदस्यों को समझाया, लेकिन व्यवधान जारी रहने के बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी।

सार्वजनिक जीवन का उद्देश्य सिर्फ राजनीति नहीं, बल्कि लोगों के हित में नीतियां बनाना है: विजेंद्र गुप्ता

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सोमवार को कहा कि एक सशक्त लोकतंत्र का सार केवल राजनीतिक बहस तक सीमित नहीं है, बल्कि उसे सार्थक और प्रभावी नीति-क्रियान्वयन तक पहुंचाना आवश्यक है। लोकतंत्र में विभिन्न मत और असहमति स्वाभाविक है, किंतु शासन की वास्तविक सफलता इस बात से मापी जाती है कि कानून और नीतियां आम नागरिक के जीवन पर कितना सकारात्मक प्रभाव डालती हैं। विजेंद्र गुप्ता ने श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के मानव संसाधन विकास प्रकोष्ठ के कार्यक्रम "माइन्ड्यूक्टर 14.0" को संबोधित करते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन का वास्तविक उद्देश्य केवल राजनीति नहीं, बल्कि ऐसी नीतियां बनाना है जो लोगों की सेवा करें। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी विधायी संस्थाओं के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि विधानसभाएं और संसद ऐसे मंच हैं जहां सार्वजनिक मुद्दों पर गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ विचार-विमर्श किया जाता है तथा समाज के हित में नीतिगत निर्णय लिए जाते हैं। छात्रों, प्राध्यापकों और युवा नेतृत्वकर्ताओं की सभा में गुप्ता ने अपने छात्र जीवन की स्मृतियों को साझा किया तथा नेतृत्व, सुशासन, राष्ट्र-निर्माण और सार्वजनिक नीति के भविष्य को आकार देने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि एक विकसित भारत की पहचान उन संस्थानों से होती है जो ईमानदारी, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व के साथ कार्य करते हैं तथा उन कानूनों से जो प्रत्येक नागरिक की गरिमा और अधिकारों की रक्षा करते हैं। श्रीराम कॉलेज की शैक्षणिक उत्कृष्टता को 'विकसित भारत' के राष्ट्रीय लक्ष्य से जोड़ते हुए गुप्ता ने कहा कि किसी भी विकसित राष्ट्र की पहचान केवल आर्थिक प्रगति से नहीं होती। वास्तविक विकास संस्थागत मजबूती, अवसरों के विस्तार और ऐसी संवाद संस्कृति से उत्पन्न होता है जो लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करती है। जब विभिन्न विचारों को सम्मान और शालीनता के साथ सुना और उन पर विमर्श किया जाता है तो सार्वजनिक नीतियां अधिक संतुलित और स्थायी बनती हैं। भारत के आर्थिक और प्रशासनिक भविष्य के निर्माता के रूप में छात्रों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की जिम्मेदारी आज के युवाओं के कंधों पर है। उन्होंने एसआरसीसी के प्रतिभाशाली और विचारशील छात्रों, भविष्य के अर्थशास्त्रियों, प्रशासकों और उद्यमियों को अपनी पेशेवर भूमिकाओं को सामाजिक और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व के दृष्टिकोण से देखने के लिए प्रेरित किया। संबोधन के अंत में विधानसभा अध्यक्ष ने विश्वास व्यक्त किया कि यदि युवाओं के विचार और प्रयास व्यापक राष्ट्रीय हित और समाज की सेवा के उद्देश्य से प्रेरित होंगे, तो एक ऐसे विकसित भारत का सपना साकार होगा जहां शासन उद्देश्यपूर्ण हो और कानून वास्तव में जनता की सेवा करें।

विदेश राज्यमंत्री ने कॉमनवेल्थ विदेश मंत्रियों की बैठक में लिया हिस्सा

लोकतंत्र की शान

लंदन। विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने लंदन में आयोजित 26वीं कॉमनवेल्थ विदेश मंत्रियों की बैठक (सीएफएएमएम) में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। इस दौरान उन्होंने डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, एआई और आपदा लचीलापन में सहयोग पर जोर दिया। राज्यमंत्री ने ग्लोबल साउथ की जरूरतों और एक भविष्य के लिए तैयार कॉमनवेल्थ का आह्वान भी किया। इस दौरान उन्होंने भविष्य के लिए सुधार के साथ तैयार ऐसे कॉमनवेल्थ की मांग की, जो सदस्य देशों को वास्तविक लाभ दे। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा सीएफएएमएम 26 के पहले दिन की व्यस्त मीटिंग के आखिर में, कॉमनवेल्थ की सेक्रेटरी-जनरल शर्ली बोट्चवे से मुलाकात हुई। बातचीत में डेवलपमेंट, ट्रेड और ज़िम्मेदार एआई में कॉमनवेल्थ की भूमिका को मज़बूत करने, सीएचओजीएम और मेंबरशिप से जुड़े सुधारों को आगे बढ़ाने और मेंबर देशों में गवर्नेंस तथा इनक्लूजन को बढ़ाने के लिए भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर का फ़ायदा उठाने पर फ़ोकस रहा। कीर्तिवर्धन सिंह और अन्य नेताओं ने कॉमनवेल्थ विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान एक फैमिली फोटो भी खिंचवाई। इस तस्वीर को सोशल मीडिया मंच पर साझा करते हुए उन्होंने कहा कि यह एकता और साझा उद्देश्य का प्रतीक है और कॉमनवेल्थ देशों के बीच सहयोग एवं संवाद को मजबूत करने की प्रतिबद्धता को दिखाता है। कॉमनवेल्थ 56 देशों का एक संगठन है, जो विकास, लोकतंत्र और शांति के लिए मिलकर काम करता है। यह कॉमनवेल्थ मेंबर्स, खासकर स्मॉल स्टेट्स और स्मॉल आइलैंड डेवलपिंग स्टेट्स (एसआईडीएस) के साथ भारत के जुड़ाव को गहरा करने के लिए एक जरूरी प्लेटफॉर्म के तौर पर काम करता है। अपनी इस यात्रा के दौरान कीर्तिवर्धन सिंह कॉमनवेल्थ डे समारोह में भी शामिल हुए। इसके अलावा उन्होंने बैठक में शामिल होने आए विभिन्न देशों के अपने समकक्षों और अन्य प्रतिनिधियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी की। ब्रिटेन की यात्रा के बाद राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह 10 से 12 मार्च तक चली का दौरा करेंगे। वहां वे भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जोस एंटोनियो कास्ट के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे।

संक्षिप्त समाचार

सर्किट हाउस की ऑनलाइन बुकिंग शुरू प्रक्रिया की गई आसान और पारदर्शी

- पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर सामान्य व्यक्ति भी बुक कर सकेंगे सर्किट हाउस और गेस्ट हाउस में कमरे
- ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से रियल टाइम रूम अवेलेबिलिटी डैशबोर्ड और लाइव रूम स्टेटस की मिल सकेगी जानकारी

लखनऊ। पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर सामान्य व्यक्ति को भी कमरा-सर्किट हाउस के कुछ कमरे वीआईपी दौरे और आपातकालीन सरकारी उपयोग के लिए आरक्षित रहेंगे, जबकि शेष कमरे सामान्य व्यक्ति के लिए पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर उपलब्ध होंगे। लोग सर्किट हाउस सूचना प्रणाली की ओर से जारी की गई वेबसाईट- https://www.guesthouse.uppwd.gov.in पर जा कर आसानी से कमरे बुक कर सकेंगे। साथ ही विशेष परिस्थितियों में जिला प्रशासन की अनुमति से ऑन-द-स्पॉट बुकिंग भी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से की जा सकेगी। हालांकि वीआईपी दौरे या प्रशासनिक आवश्यकता की स्थिति में पहले से हुई किसी बुकिंग को रद्द करने का भी अधिकार जिला मजिस्ट्रेट को है।

बारातीयो द्वारा डीजे पर हुड़दंग, विरोध करना वधू पक्ष को पड़ा भारी, दो घायल

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा: हसनपुर: कोतवाली क्षेत्र के गांव मंगरौली में रविवार रात एक बारात के दौरान डीजे पर हुए हुड़दंग का विरोध करने पर बधु पक्ष के दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, बारातियों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया जिसमें गांव में हड़कंप मच गया, यह घटना 8 मार्च की रात करीब 9 बजे की बताई जा रही है, जब मंगरौली निवासी नौसिंह की पुत्री की बारात उनके घर पहुंची थी बारात चड़त के दौरान नशे में धुत बाराती डीजे पर अभद्रता और हुड़दंग कर रहे थे, वधू के पिता नौसिंह ने उन्हें शांत रहने और डीजे बंद करने को कहा जिस पर बाराती भड़क गए और धक्का मुक्की शुरू हो गई, बीच बचाव करने पहुंचे नौसिंह के भतीजे गुलमीत पर आरोपियों ने धारदार हथियारों से हमला कर दिया जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए, जब घायल गुरमीत पास के गांव में एक निजी चिकित्सक के पास उपचार के लिए पहुंचा तो बारातियों ने उसे वहां भी घेर लिया, इस दौरान आरोपियों ने पास खड़े हत्थयाखेड़ा निवासी संजय के साथ भी मारपीट की और तोड़फोड़ कर मौके से फरार हो गए, घटना की सूचना मिलते ही कोतवाल राजेश कुमार तिवारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाल, पुलिस की निगरानी में ही शादी की आगे की रस में पूरी कराई गई, कोतवाल राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि पीड़ितों की तहरीर के आधार पर घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है, उन्होंने आश्वासन दिया है कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने जन सनुवाई मे सुनी 78. शिकायतें

लोकतंत्र की शान : हरदोई : आज कलेक्ट्रेट में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याओं को सुना। जन सुनवाई मे आज कुल 78 शिकायते प्राप्त हुई, जिसके त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए। जन सुनवाई मे आज एक निराश्रित महिला पेंशन तथा 02 बच्चों को मुख्यमत्री बालसेवा योजना का लाभ दिलाने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्व और गुणवत्तापूर्ण पूर्ण हो। जनसुनवाई मे प्राप्त कुछ शिकायतों का जिलाधिकारी ने मौके पर ही समाधान किया। इस अवसर पर अतिरिक्त मजिस्ट्रेट पूनम भाष्कर, अन्य सम्बन्धित विभाग के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहें।

आईजी के आदेशों को ठेंगा! बस अड्डा चौकी के पास फिर बन गया अवैध टैक्सी स्टैंड

लोकतंत्र की शान : गोंडा। देवीपाटन रेंज के आईजी अमित पाठक द्वारा अवैध टैक्सी स्टैंडों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए जाने के बावजूद गोंडा शहर में बस अड्डा चौकी के पास एक बार फिर अवैध टैक्सी स्टैंड संचालित होने लगा है। चौकी के ठीक सामने खुलेआम चल रहा यह अवैध स्टैंड न केवल यातायात व्यवस्था को प्रभावित कर रहा है, बल्कि जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यशैली पर भी गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार कुछ समय पहले प्रशासन ने शहर में अवैध टैक्सी स्टैंडों के खिलाफ अभियान चलाकर इन्हें हटाने की कार्रवाई की थी। उस दौरान बस अड्डा क्षेत्र से भी टैक्सियों को हटाया गया था, लेकिन कार्रवाई ठंडी पड़ते ही टैक्सी संचालकों ने फिर से उसी स्थान पर अपना अवैध स्टैंड जमा लिया। दिनभर यहां टैक्सियों की लंबी कतार लगी रहती है, जिससे सड़क संकरी हो जाती है और अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है। बस अड्डे के आसपास आने-जाने वाले यात्रियों, दुकानदारों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। सबसे हैरानी की बात यह है कि यह अवैध टैक्सी स्टैंड बस अड्डा चौकी के बिल्कुल नजदीक संचालित हो रहा है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर जिम्मेदारों की नजर इस पर क्यों नहीं पड़ रही, या फिर सब कुछ जानते हुए भी अनदेखा किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर पुलिस और प्रशासन सख्ती दिखाए तो अवैध टैक्सी स्टैंड दोबारा संचालित होना संभव ही नहीं है। लेकिन मौजूदा हालात से यही प्रतीत होता है कि कार्रवाई केवल औपचारिकता बनकर रह गई है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि अवैध टैक्सी स्टैंड को तत्काल हटाकर यातायात व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए और इस मामले में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जाए।

पहली बार पूरे प्रदेश में एक ही दिन हुई अटल आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। श्रमिक परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में चल रही अटल आवासीय विद्यालय योजना के तहत शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 6 और कक्षा 9 में प्रवेश हेतु परीक्षा पहली बार पूरे प्रदेश में एक ही दिन आयोजित की गई। यह परीक्षा प्रदेश के सभी जनपदों में बनाए गए 89 केंद्रों पर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लेकर योजना के प्रति बढ़ते विश्वास को दर्शाया।

21 हजार विद्यार्थियों ने लिया प्रवेश परीक्षा में हिस्सा–कक्षा 6 में प्रवेश के लिए निर्धारित 2880 सीटों के सापेक्ष 12,018 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जबकि कक्षा 9 की 1140 सीटों के लिए 9,054 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रकार दोनों कक्षाओं को मिलाकर कुल 21,072 विद्यार्थियों ने प्रवेश परीक्षा में हिस्सा लिया।

योगी सरकार का सुरक्षा, गोपनीयता और अनुशासन पर फोकस–इस बार परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए प्रश्नपत्र प्रदेश स्तर पर विशेषज्ञों द्वारा तैयार कराए गए, जिससे सभी परीक्षा केंद्रों पर समान मानकों के अनुसार परीक्षा आयोजित की जा सकी। योगी सरकार ने परीक्षा के सफल संचालन के लिए जिला प्रशासन, श्रम विभाग, नामित नोडल अधिकारियों और केंद्र अधीक्षकों के माध्यम से समुचित व्यवस्थाएं कराईं।सुरक्षा, गोपनीयता और अनुशासन बनाए रखने के लिए भी विशेष प्रबंध किए, जिसके परिणामस्वरूप परीक्षा शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुई।

ईद नजदीक आते ही बाजारों में बढ़ी रौनक, खरीदारी करने उमड़ रहे लोग

लोकतंत्र की शान, (खिज़्र अहमद)

नजीबाबाद : नजीबाबाद ईद का त्योहार नजदीक आते ही शहर के बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। बाजारों में कपड़े, जूते, इत्र, टोपी और सेवइयों की दुकानों पर लोगों की भीड़ दिखाई दे रही है। लोग अपने परिवार के साथ बाजार पहुंचकर जमकर खरीदारी कर रहे हैं। दुकानदारों का कहना है कि जैसे-जैसे ईद का त्योहार करीब आ रहा है, वैसे-वैसे ग्राहकों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। खासतौर पर कपड़ों और बच्चों के सामान की दुकानों पर ज्यादा भीड़ देखी जा रही है। वहीं बाजारों में सजावट भी शुरू हो गई है, जिससे माहौल पूरी तरह से ईद के रंग में रंगा नजर आ रहा है। लोगों में त्योहार को लेकर खासा उत्साह दिखाई दे रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ईद आपसी भाईचारे और खुशियों का त्योहार है। ऐसे में सभी लोग नए कपड़े और जरूरी सामान खरीदकर त्योहार की तैयारियों में जुट गए हैं।

जनता दर्शन : समय सीमा के अंदर समस्याओं का निस्तारण करे प्रशासन : मुख्यमंत्री

लोकतंत्र की शान

लखनऊ, 9 मार्च। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान प्रदेश भर से आए पीड़ितों के पास मुख्यमंत्री स्वयं चलकर पहुंचे। उनका प्रार्थना पत्र लिया और आश्वस्त किया कि सरकार सभी की उचित समस्याओं के निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध है। निश्चिंत होकर घर जाइए, आपकी समस्याओं का निस्तारण होगा। मुख्यमंत्री ने जनपदों के प्रशासनिक व पुलिस अफसरों को निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण समय सीमा के अंदर सुनिश्चित किया जाए।

निवेश और उद्योग विकास में देरी या लापरवाही स्वीकार नहीं -'जनता दर्शन' में मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान दो उद्यमियों ने अपनी समस्याएं रखीं। मुख्यमंत्री ने प्रार्थना पत्र को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों, विशेषकर उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) व जिला प्रशासन को समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि प्रदेश में निवेश का बेहतरीन इकोसिस्टम तैयार किया गया है। सरकार ने सिंगल विंडो सिस्टम सहित कई पारदर्शी व्यवस्थाएं लागू की हैं। उद्यमियों की परेशानी को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए। उन्होंने दो टूक कहा कि निवेश और उद्योग विकास में किसी भी प्रकार की देरी या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

दुआ फाउंडेशन के रोज़ा इफ्तार में उमड़ी भीड़, हिन्दू-मुस्लिम एकता का दिया संदेश

वसीम कुरैशी की दुआ फाउंडेशन ऐसे कार्य लगातार करा कर चर्चा का विषय बनी रहती है गरीब मजलूमों की तमाम दुआएं हमेशा साथ है

लोकतंत्र की शान, (खिज़्र अहमद)

नजीबाबाद (बिजनौर)। दुआ फाउंडेशन नजीबाबाद की ओर से सोमवार की शाम पालोमल कॉलोनी में रोज़ा इफ्तार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर आपसी भाईचारे और सौहार्द का परिचय दिया। इफ्तार कार्यक्रम में स्थानीय पत्रकारों, समाजसेवियों तथा विभिन्न समुदायों के गणमान्य लोगों की विशेष उपस्थिति रही। सभी ने एक साथ रोज़ा इफ्तार कर देश में अमन-चैन, खुशहाली और तरक्की की दुआ मांगी। इस अवसर पर आयोजकों ने कहा कि पवित्र रमज़ान का महीना इंसानियत, भाईचारे और आपसी सहयोग का संदेश देता है। ऐसे कार्यक्रम समाज में हिन्दू-मुस्लिम एकता को मजबूत करने के साथ-साथ लोगों के बीच प्रेम और सौहार्द को बढ़ाने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोगों ने दुआ फाउंडेशन की पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में आपसी मेल-मिलाप और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देते है। चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी ,शमीम कुरैशी ,इरफान कुरैशी ,सलीम कुरैशी ,अजीम इकबाल ,गुलज़ार कुरैशी ,आसिफ मुक्तवी ,डॉ मकसूद चौधरी ,अशरफ अली ,पूर्व चेयरमैन शमशाद अंसारी हाजी फैसला जमील अंसारी ने भारी संख्या में इफ्तार कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

जीवन के ठहराव को दूर करेगी मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल : डीएम

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

गजरौला: सोमवार को गजरौला में जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन के सहयोग से प्रशासन ने कराया पंजीकृत पात्रों को वितरण, जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल दिव्यांगजनों के जीवन में आए ठहराव को दूर करेगी और अब वह भी आसानी से घूम-फिर सकेंगे। इससे न केवल उनकी जीवनशैली बदलेगी बल्कि वह स्वरोजगार को बढ़ावो भी दे सकेंगे। उन्होंने इस पुनीत कार्य में सहयोग करने के लिए जुबिलेंट प्रबंधन की काफी प्रशंसा भी की। सोमवार को जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड के आफीसर्स क्लब में मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल योजना के तहत जिला दिव्यागजन कार्यालय में पंजीकृत एक महिला समेत पांच पात्रों को डीएम निधि गुप्ता वत्स ने जुबिलेंट के यूनिट हेड विनोद झा के संग इनका वितरण किया। इन्हें पाकर पात्रों के चेहरे खिल उठे। डीएम ने सभी से बातचीत भी की। उनका कहना था कि वे सभी कामगार हैं और अब उनके जीवन में बदलाव भी आएगा। डीएम ने हरी झंडी दिखाकर उन्हें रवाना किया। इससे पूर्व जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने मुख्य अतिथि डीएम निधि गुप्ता वत्स एवं अन्य अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि जुबिलेंट शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार, पर्यावरण एवं जल संरक्षण आदि सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाती है। जेबीएफ में कार्यक्रम अधिकारी विशाल गौरव ने बताया कि प्रशासन ने कुल दस मोटराइज्ड ट्राईसाईकिलें खरीदी थीं। इनका भुगतान जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन ने किया था। इनमें से पांच का वितरण हाल ही में प्रभारी मंत्री केपी मलिक ने अमरोहा में किया था। इस मौके पर मंडी धनौरा की एसडीएम विभा श्रीवास्तव, जिला दिव्याजन सशक्तिकरण अधिकारी शिखा शर्मा, समाजसेविका हितेष चौधरी, जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित, डा. सुजिंदर फोगाट, डा. मधु चतुर्वेदी, ऋषिपाल सिंह, राम सिंह बौद्ध, कृपाल सिंह, सुमेधा शर्मा, चंदन सिंह, नवनीत सिंह, जॉनी, बूंदी सिंह, राहुल, आशु आदि भी मौजूद रहे।

डॉ मुशाहिद खान बने भारतीय किसान यूनियन भारत भूमि के विधानसभा अध्यक्ष

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर: सोमवार को हसनपुर विधानसभा क्षेत्र में उस समय खुशी की लहर दौड़ गई जब लोगों को ज्ञात हुआ कि नगर निवासी डॉक्टर मुशाहिद खान को भारतीय किसान यूनियन भारत भूमि का हसनपुर विधानसभा अध्यक्ष मनोनीत किया गया है, खबर मिलते ही समर्थकों ने डॉक्टर मुशाहिद खान के प्रतिष्ठान पर पहुंचकर उन्हें मुबारकबाद दी, बताते चले की भारतीय किसान यूनियन भारत भूमि के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुड्डू गुर्जर की संतूति पर भारतीय किसान यूनियन भारत भूमि के अमरोहा जिला अध्यक्ष शमशेर सैफी द्वारा डॉ मुशाहिद खान को हसनपुर विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस संबंध में डॉक्टर मुशाहिद खान ने बताया कि भारतीय किसान यूनियन भारत भूमि द्वारा दी गई इस अहम जिम्मेदारी को वह पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ निभाएंगे तथा संगठन के हर कार्य में बड़ चड़ कर भाग लेंगे और संगठन की उम्मीदो पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे, इस मौके पर जिला अध्यक्ष शमशेर सैफी ने नव मनोनीत विधानसभा अध्यक्ष डॉक्टर मुशाहिद खान के उज्जवल भविष्य की कामना की, वही सोमवार को भी डॉक्टर मुजाहिद खान को बधाई देने वालों का ताता लगा हुआ था।

विधायक ने किया पुल निर्माण एवं सड़क चौड़ीकरण कार्य का फीता काटकर शुभारंभ

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर : सोमवार को विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी ने क्षेत्र के ग्राम करनखाल में 3.5 करोड़ की लागत से बना रहे पुल निर्माण कार्य एवं 26 करोड़ की लागत से हसनपुर विधानसभा के ग्राम ख्यालीपुर से प्रारंभ होकर मोहम्मदपुर, अगरौला कला, नवाबपुरा, सोहरका, हसनपुर चामुंडा रोड होते हुए करनखाल तक चौड़ीकरण व शुद्धिकरण के काम का फीता काटकर शिलान्यास किया, यह मार्ग 14 किलोमीटर लंबा बनेगा जिसमें सीसी व डामर रोड होगी इसकी अनुमानित लागत 26 करोड रुपए बताई जा रही है, इसमें मौके पर जनमानस को संबोधित करते हुए विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी ने कहा कि विधानसभा का कोई भी क्षेत्र विकास कार्य से अछूता नहीं रहेगा उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दिल खोलकर विकास कार्य कराए जा रहे हैं इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री योगी जी का आभार व्यक्त किया, वही शिलान्यास कार्यक्रम के बाद विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी अमरोहा में मुख्यमंत्री जी की वर्चुअल बैठक में सम्मिलित हुए, इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष मयंक अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष राजू राणा, संजय शर्मा, क्षेत्र पंचायत सदस्य देवेंद्र खड़कवंशी, पवन राज जाटव, संजय राणा, ग्राम प्रधान गजराज सिंह, पूर्व प्रधान खूबचंद काकाठैर, फतेहपुर प्रधान महीपाल सिंह, बिजोरा प्रधान नदीम,ओमकार ठेकेदार, जिला पंचायत सदस्य धर्मपाल सिंह, पूर्व प्रधान मिठठन सिंह, हरिओम खड़कवंशी, कौशल राणा, डॉक्टर महावीर सिंह, राजू खड़कवंशी, श्री गंगा दास, बॉबी, कमल, नरेंद्र, चेतराम, संजय, योगेश, गजराज, धर्मपाल, पवन, सतवीर, भूपेंद्र, अजय ,अर्जुन, बॉबी, अनुज, छत्रपाल,सुरेश, अमित, दीपक, अनुज, संदीप, जोगिंदर ,राहुल, हरीश, गजराज, व सम्मानित ग्रामवासी मौजूद रहे।

मौला अली (अ.स.) की शहादत पर दरगाह ए आलिया नजफ़-ए-हिंद जोगीपुरा में तैयारियां तेज, प्रशासक मौलाना शबाब नक़वी की निगरानी में हो रही व्यवस्थाएं

» 10 मार्च 2026 की रात 10 बजे बरामद होगा ताबूत, देशभर से आएंगे हजारों ज़ायरीन

लोक तंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

बिजनौर : बिजनौर के जोगीपुरा स्थित विश्व विख्यात दरगाह ए आलिया नजफ़-ए-हिंद में हज़रत मौला अली (अ.स.) की शहादत के अवसर पर बड़े पैमाने पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। 10 मार्च 2026 को रात 10 बजे ताबूत बरामद किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंद और ज़ायरीन शामिल होंगे। इस मौके पर आयोजित मजलिस को विश्व विख्यात धर्मगुरु और दरगाह के प्रशासक मौलाना शबाब नक़वी खिताब फरमाएंगे। क्षेत्र में उनकी पहचान एक दूरदर्शी और समर्पित प्रशासक के रूप में है, जो हर साल इस अज़ीम मजलिस की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए विशेष प्रयास करते हैं। उनके मार्गदर्शन में दरगाह में आने वाले हजारों ज़ायरीन के लिए बेहतर इंतजाम किए जा रहे हैं। वहीं समाजसेवी चौधरी सीरत उरूज भी इस आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। लोगों का कहना है कि चौधरी सीरत उरूज हमेशा मजहबी और सामाजिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं और ज़ायरीन की सेवा को अपनी जिम्मेदारी समझते हैं। कार्यक्रम को लेकर पुलिस प्रशासन ने दरगाह पहुंचकर प्रशासक मौलाना शबाब नक़वी से मुलाकात की और तैयारियों व सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान मौलाना शबाब नक़वी ने पार्किंग, बिजली, पानी और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुचारु रखने के लिए अपने कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, ताकि आने वाले ज़ायरीन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस अवसर पर प्रशासक मौलाना शबाब नक़वी के साथ दरगाह प्रबंधक हुसैन मेहंदी, मौलाना फिरोज हैदर, चौधरी सीरत उरूज, मोमिन रज़ा, सईद भाई और अब्बास नक़वी बुकनाला सहित कई जिम्मेदार लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

पटना हाईकोर्ट में वकील दंपति को दी गई श्रद्धांजलि

पटना। पटना हाई कोर्ट के सीनियर लॉयर अजय ठाकुर के बेटे ऋतिक ठाकुर, वैष्णवी सिंह और अवध बिहारी ओझा को पटना हाई कोर्ट में श्रद्धांजलि दी गई। ऋतिक और वैष्णवी को याद करते हुए सीनियर और जूनियर लॉयर भावुक हो गए। पटना हाई कोर्ट और सिविल कोर्ट के लॉयर ने श्रद्धांजलि देने के साथ आज खुद को न्यायिक कार्यों से दूर कर लिया है। वकील कोर्ट आ रहे हैं, लेकिन न्यायिक कार्यों में हिस्सा नहीं ले रहे हैं। सीनियर अधिवक्ता अरविंद कुमार ने शोक संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि, 'ऋत्विक और बहु वैष्णवी दोनों पटना उच्च न्यायालय में उभरते हुए अधिवक्ता थे। सिलीगुड़ी से अपनी गाड़ी से छुट्टियां मना कर पटना लौट रहे थे। इस दौरान सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। उच्च स्तर की मेधा को तराशना कितना कठिन होता है। वैष्णवी का तो आर्गुमेंट,कॉन्फिडेंस और टैलेंट देखकर लगता था कि आने वाला समय में वो देश की नामचीन वकीलों में एक होगी। लेकिन भगवान ने क्या कर दिया। उन्होंने बताया कि, 'कल सारा दिन परिजनों के साथ रहा। उन्हें सांत्वना देता रहा और रामनामी-फूलों से लिपटी दोनों के पार्थिव शरीर देख कर कुछ समझ नहीं पा रहा था। आज बहुत ही दुखी मन से श्रद्धांजलि दे रहा हूं।' वैष्णवी सिंह की दोस्त नाजिया सबा ने याद करते हुए कहा कि, मृत्यु संपूर्ण अधिवक्ता समाज और हाई कोर्ट के लिए दुख और क्षति का विषय है। पटना हाई कोर्ट ने एक प्रतिभावान, मेहनती, अधिवक्ता वैष्णवी सिंह को खो दिया। उनके साथ काम करने के बाद मैंने उन्हें करीब से जाना। काफी सिंपल, वकालत के प्रति जुनून उनके अंदर भरा हुआ था। उन्होंने बताया कि, वैष्णवी ने लाइम लाइट से काफी दूर रहकर सिर्फ अपने काम पर फोकस किया। अपने ससुर अजय कुमार ठाकुर सर के लिए वो एक बैकबोन थी। एक प्रसिद्ध अधिवक्ता की बहू होते हुए भी उन्हें कभी वकालत को हल्के में नहीं लिया। उनके हर कदम पर उनके लिए पिलर की तरह खड़ी रही। ऋतिक के परिजन अमित ने दुख जताते हुए कहा कि, 'बिहार के जाने माने उद्योगपति कंचन जी की भांजी और बिहार के प्रसिद्ध ट्रांसपोर्टर के मालिक रानू जी की बेटी वैष्णवी और उनके पति ऋतिक की सड़क दुर्घटना में असामयिक निधन का दुःखद समाचार मिला। दिवंगत आत्माओं को ईश्वर अपने श्रीचरणों में स्थान दें, साथ ही इस अपार दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें। वे दोनों पटना उच्च न्यायालय के सीनियर अधिवक्ता अजय कुमार ठाकुर जी के बेटे एवं बहु थे।' ठाकुर परिवार मधुबनी के हरलाखी से ताल्लुक रखता है। अजय ठाकुर पूर्व में हरलाखी विधानसभा सीट से चुनाव लड़े थे, लेकिन शिकस्त मिली। अजय ठाकुर के पिता स्वर्गीय रामनरेश ठाकुर पटना हाई कोर्ट के जज थे। फिलहाल, पूरा परिवार पटना की भूतनाथ रोड में पानी टंकी के पास रहता है।

टी-20 वर्ल्डकपः ईशान के गले लगकर गर्लफ्रेंड ने दी बधाई, क्रिकेटर ने अपनी जीत पर बहन को किया याद

पटना। भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर तीसरी बार टी-20 वर्ल्डकप जीता है। इस जीत के साथ बिहार की राजधानी पटना समेत पूरे प्रदेश में जमकर आतिशबाजी की गई। पटना की सड़कों पर उतरकर लोगों ने जमकर पटाखे फोड़े। ट्रक के हॉर्न पर खड़े होकर जीत का जश्न मनाया। आकाश पटाखों की आवाज से गूंज उठा। रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर बॉलिंग का फैसला लिया था। पहले बैटिंग करने उतरी टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्डकप फाइनल में रिकॉर्ड 255 रन बनाए। बिहार के ईशान किशन 24 बॉल पर 54 रन बनाकर पेवेलियन लौट गए। ईशान ने 4 चौके और 4 छक्के लगाए। 16वें ओवर की पांचवीं बॉल पर ईशान किशन आउट हो गए। टीम इंडिया की जीत के बाद ईशान और उनकी गर्लफ्रेंड अदिति हुंडिया की तस्वीर सामने आई है। इसमें वो ईशान को निहारती दिख रही हैं। फाइनल से एक दिन पहले ईशान किशन की चचेरी बहन और जीजा की सड़क हादसे में मौत हो गई। इस सदमे के बावजूद ईशान ने बेहतर प्रदर्शन किया और 24 बॉल पर 54 रन बनाए। टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद ईशान ने कहा, 'फाइनल से ठीक पहले एक कार दुर्घटना में मैंने अपनी चचेरी बहन को खो दिया। वो चाहती थी मैं बड़े स्कोर बनाऊं। मैं उनके लिए खेला। मैं यह जीत उन्हें समर्पित करता हूं।' बता दें शनिवार को ईशान की चचेरी बहन और जीजा शादी में शामिल होने के लिए जा रहे थे तभी सिलीगुड़ी में सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए। दोनों की मौत हो गई, लेकिन दो बच्चे बच गए। इनमें से एक केवल छह महीने का है और दूसरे की उम्र 3 साल है। भतीजी और दामाद की मौत के कारण ईशान के पिता प्रणव पांडे फाइनल देखने अहमदाबाद नहीं पहुंच पाए।

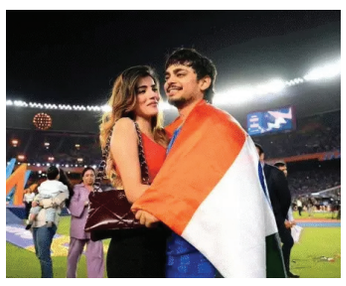

पटना में बन रहा बिहार का दूसरा अंतरराष्ट्रीय हॉकी ग्राउंड

पटना। पटना के पहले अंतरराष्ट्रीय हॉकी ग्राउंड का निर्माण अंतिम चरण में है। इसमें नीदरलैंड से मंगाई गई पॉलीटेन ब्लू एस्ट्रोटर्फ लगाई जाएगी। पॉलीटेन ब्लू एस्ट्रोटर्फ अंतरराष्ट्रीय स्तर की सबसे लेटेस्ट टर्फ है। राजगीर के बाद अब राजधानी के हॉकी ग्राउंड में भी एस्ट्रोटर्फ लगाया जाएगा। इस पूरे ग्राउंड को 8.44 करोड़ की लागत से तैयार किया जा रहा है। यह बिहार का दूसरा इंटरनेशनल स्टैंडर्ड का हॉकी मैदान होगा। इसका काम मार्च अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। बुडको द्वारा इस अंतरराष्ट्रीय हॉकी ग्राउंड का निर्माण किया जा रहा है। इसका निर्माण राजेंद्र नगर फिजिकल कॉलेज की खाली जमीन पर हो रहा है। यह ग्राउंड 99 मीटर लंबी और 60 मीटर चौड़ी है। अभी स्प्रिंकलर सिस्टम लगना बाकी है। इसमें फ्लडलाइट्स, खिलाड़ियों के लिए छात्रावास, चेंजिंग रूम, वार्म-अप क्षेत्र, और दर्शकों के बैठने के लिए स्टैंड होंगे। इसके बनने से खिलाड़ियों का नियमित अभ्यास शुरू हो सकेगा। हालांकि, अभी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के आयोजन में एक साल से अधिक का समय लग सकता है। इस ग्राउंड तक पहुंचने के लिए फिलहाल सीधी सड़क नहीं है। जिस जमीन पर अंतरराष्ट्रीय हॉकी ग्राउंड बवननाया जा रहा है, पहले दलदली जमीन हुआ करती थी। यह लगभग 2 मीटर तक पानी में डूबा दलदली एरिया हुआ करता था। चारों ओर से लगातार पानी रिसाव, 3 मीटर तक ऊंची घास और दलदल की कई परतों के कारण यह मैदान वर्षों तक किसी भी खेल गतिविधि के लायक नहीं था। मैदान को खेलने योग्य बनाने के लिए हजारों ट्रॉली विशेष मिट्टी मंगाई गई है। दलदली पॉकेट्स को हटाने के लिए मशीनों से खुदाई कर रबल भरकर मैदान को स्थिर किया गया है।

'पार्टी के सक्रिय सदस्य के रूप में भूमिका निभाएंगे निशांत'

हाजीपुर। जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने घोषणा की है कि निशांत कुमार ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली है। यह घोषणा वैशाली के हाजीपुर में की गई। कुशवाहा ने बताया कि पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं की मांग थी कि निशांत पार्टी में शामिल होकर सक्रिय भूमिका निभाएं और उसे मजबूत करें। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की अटकलों के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच मतभेद की खबरें सामने आई थीं। इस दौरान पार्टी कार्यालय में तोड़फोड़ की घटना भी हुई थी। कई नेताओं ने निशांत कुमार से पार्टी में सक्रिय भूमिका निभाने की मांग की थी। लंबे समय के बाद अब निशांत कुमार ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। कुशवाहा ने आगे कहा कि निशांत कुमार ने लाखों कार्यकर्ताओं और नेताओं से मुलाकात कर उनसे बातचीत की है। अब वे पार्टी के सक्रिय सदस्य के रूप में अपनी भूमिका निभाएंगे, कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें करेंगे और उनसे सीधा संवाद स्थापित करेंगे। कुशवाहा ने पटना में पार्टी कार्यालय में हुई तोड़फोड़ और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राज्यसभा भेजने की अटकलों को लेकर कार्यकर्ताओं में नाराजगी की खबरों को खारिज कर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी का कोई भी कार्यकर्ता नाराज नहीं है। जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा दो दिवसीय महनार महोत्सव में शामिल होने के लिए अपने निर्वाचन क्षेत्र पहुंचे थे, जहां उन्होंने यह बयान दिया।

हड़ताल पर गए सीओ-आरओ को विजय सिन्हा की चेतावनी

पटना में बोले डिप्टी सीएम-काम पर लौटें, नहीं तो सेवा समाप्ति

एजेंसी, पटना

बिहार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अंचलाधिकारी (CO) और राजस्व अधिकारी (RO) कई दिनों से हड़ताल पर हैं। इस बीच विभाग के मंत्री और डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने उन्हें चेतावनी दी है। पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर डिप्टी सीएम विजय ने चेतावनी देते हुए कहा कि, 'यदि कर्मचारी जल्द काम पर नहीं लौटे तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।' साथ ही उन्होंने बताया कि विभाग के 100 दिन पूरे होने के मौके पर यह प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई, जिसमें विभाग के कामकाज और योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

हड़ताल के दिनों की गिनती कर रही सरकार- विजय सिन्हाः डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने हड़ताली कर्मचारियों को सख्त संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि, 'जो लोग हड़ताल पर गए हैं, वो जल्द काम पर लौटें। नौकरी सेवा के भाव से करें। नहीं तो सरकार ने कामकाज प्रभावित न हो, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था भी तैयार कर ली है।'

सहानुभूति को कमजोरी न समझें- विजय सिन्हाः विजय कुमार सिन्हा ने कर्मचारियों से अपील करते हुए कहा कि, 'कामकाज की वैकल्पिक व्यवस्था भी हम लोग बना लिए हैं। समय रहते सभी कर्मचारियों से अनुरोध कर रहा हूं।' हमारी भी उनके साथ सहानुभूति है, क्योंकि वह हमारे विभाग के हैं। लेकिन सहानुभूति को कमजोरी समझेंगे तो सरकार पूरी सख्ती के साथ कार्रवाई करेगी।'

भू-माफियाओं की साजिश का आरोपः प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने हड़ताल के पीछे साजिश की भी आशंका जताई। उन्होंने कहा कु, 'साजिश करने वाले जो भू माफिया हैं, वैसे लोगों को आने वाले दिनों में अफसोस होगा, क्योंकि इससे हम प्रभावित नहीं होने वाले हैं। जो संकल्प NDA सरकार को इतने बड़े जनादेश के साथ मिला है, उसे जनादेश का सम्मान करने के लिए जो भी कीमत अदा करने पड़ेगा, उसे हम करेंगे।'

काम पर नहीं लौटे तो निलंबन की चेतावनीः डिप्टी सीएम ने स्पष्ट किया कि यदि कर्मचारी जल्द काम पर नहीं लौटते हैं तो सरकार सख्त कदम उठाएगी। उन्होंने कहा, 'अगर तमाम कर्मचारी काम पर नहीं लौटेंगे तो हम अस्थाई बहाली का भी रास्ता खुला रखेंगे। इंतजार की घड़ी अब समाप्त हो रही है।'

100 दिनों के कामकाज का भी दिया ब्यौराः विभाग के 100 दिन पूरे होने पर मंत्री ने बताया कि इस दौरान कई अहम पहल की गईं। उन्होंने कहा कि, 'बिहार से जुड़ी सभी जमीनों के लिए बिहार भूमि पोर्टल की शुरुआत की गई है।' उन्होंने बताया कि, '12 दिसंबर से संवाद की शुरुआत की गई थी और 31 दिसंबर को भी वह सहरसा में बैठकर काम कर रहे थे। उस दिन जब लोग नए साल का जश्न मना रहे थे, तब भी विभाग काम कर रहा था।' मंत्री के मुताबिक, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी उनके द्वारा किए गए कामों की सराहना की है।

पटना-बाढ़ सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

एजेंसी, पटना

पटना सिविल कोर्ट को एक अज्ञात मेल के जरिए बम से उड़ने की धमकी मिली है। एहतियातन सिविल कोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मेन गेट पर मौजूद पुलिसकर्मी अंदर जाने वाले लोगों की बारीकी से तलाशी ले रहे हैं। मास्क और हेलमेट पहनकर जाने वाले लोगों को रोक दिया जा रहा है। पहले मास्क और हेलमेट उतरवाया जा रहा है, फिर एंट्री दी जा रही है। पीरबहोर पुलिस के मुताबिक, 'सुबह मेल के जरिए धमकी आई है। हालांकि, अभी तक जांच के दौरान वैसा कुछ भी नहीं मिला है।' पटना सिविल कोर्ट खुला है। वकील सामान्य दिनों की तरह आ जा रहे हैं। इसका असर परिसर के अंदर नहीं दिख रहा है। पीरबहोर थानेदार सज्जाद गद्दी ने बताया कि, धमकी मिलते ही सुबह में रूटीन वर्क के दौरान कोर्ट को सेनीटाइज किया गया, ताकि काम प्रभावित नहीं हो।'

कोर्ट परिसर की सुरक्षा हर तरह से चाक चौबंधः पुलिस के मुताबिक, पटना सिविल कोर्ट परिसर की सुरक्षा हर तरह से चाक चौबंध कर दी गई है। सुबह के वक्त पुलिस की मौजूदगी में पूरे परिसर को सेनिटाइज किया गया। कोर्ट परिसर की सुरक्षा में तैनात कर्मियों को प्रॉपर जांच करने के लिए सख्त हिदायत दी गई है। वहीं, बाढ़ सिविल कोर्ट को भी बम से उड़ने की धमकी मिली है, सुरक्षा की दृष्टि कोण से बाढ सिविल कोर्ट में भी चौकसी बढ़ा दी गई है। कोर्ट के अंदर जाने आने वाले लोगों की पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। हालांकि सिविल कोर्ट को आज बंद नहीं किया गया है, लेकिन जांच का दायरा बढ़ा दिया गया है। बम से उड़ाने की धमकी पर सिविल कोर्ट के वकील का कहना है कि हर महीने बार-बार इस तरह की धमकी कोर्ट को दी जाती है।

सुबह मिला ईमेल, एंट्री प्वाइंट पर सुरक्षा बढ़ाई, लगातार धमकी मिलने पर भी नहीं पकड़ाए आरोपी

मुर्गे को लेकर दुकानदार और डीलर में विवाद

एजेंसी, पटना

पटना के चित्रगुप्त नगर इलाके के राजेंद्र नगर हरियाली सब्जी मंडी के पास सोमवार को बर्ड फ्लू से ग्रसित मुर्गे की आशंका में दुकानदार और डीलर के बीच विवाद हो गया। दुकानदार मोहम्मद अरमान का आरोप है कि सुबह के वक्त डीलर ने मुर्गे लाकर दिए थे। देने के महज आधे घंटे के भीतर एक एक कर के मुर्गे मरने लगे। जिस वक्त डीलर ने मुर्गी दिए थे, उसे वक्त दुकान पर मेरे कर्मी मौजूद थे। कर्मियों ने मुझे फोन करके इसके बारे में बताया। मैं दुकान पर पहुंचा और देखा तो मुर्गे मर रहे थे। फिर इसके बाद मैं डीलर को कॉल किया। डीलर से मैंने बोला कि बर्ड फ्लू वाले मुर्गे हमें नहीं चाहिए। आपने जो मुर्गे दिए हैं, सभी बर्ड फ्लू से ग्रसित हैं। इस बात से डीलर नाराज हो गया। दो बाइक से चार-पांच की संख्या में डीलर और उसके जाने वाले मेरी दुकान पर आए और मेरे पॉकेट से जबरन 5700 लेकर चले गए। मैं इस बात का विरोध किया तो मेरे साथ मारपीट की गई। सिर पर चाकू जैसे नुकीले आर्बिट्स से हमले कर दिए। जिसमें मेरा सिर फट गया। दुकान पर हो हल्ला सुनकर आसपास के दुकानदार आने लगे तो सभी भाग गए।

डीलर पर चाकू मारने और पैसे लूटने का आरोप, कहा- बर्ड फ्लू वाले मुर्गे दे दिए

चिराग को बिहार का सीएम बनाने की मांग

एजेंसी, पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल करने के बाद सबसे बड़ा सवाल है कि बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। इसी बीच NDA के भीतर से ही एक नई मांग सामने आई है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के कार्यकर्ताओं की ओर से चिराग पासवान को बिहार का अगला मुख्यमंत्री बनाने की मांग उठाई गई है। इसे लेकर पटना में बीजेपी कार्यालय के बाहर एक पोस्टर भी लगाया गया, जिससे राजनीतिक चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। पोस्टर में लिखा है- 'ना दंगा ना फसाद हो, बिहार का CM सिर्फ चिराग हो।'

चिराग को मोदी का हनुमान भी बतायाः बीजेपी कार्यालय के बाहर लगाए गए इस पोस्टर में साफ तौर पर चिराग पासवान को मुख्यमंत्री बनाने की मांग की गई है। पोस्टर में लिखा है- 'ना दंगा हो, ना फसाद हो, बिहार का CM सिर्फ चिराग हो। सजाओ इनके सर पर ताज, तभी आएगा बिहार में स्वर्ण काल।' इसके साथ ही पोस्टर में यह भी लिखा गया है कि 'मोदी जी का मिला अपने हनुमान को आशीर्वाद, चिराग होंगे बिहार के नए सरताज।' पोस्टर के जरिए यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि अगर एनडीए की सरकार बनती है तो मुख्यमंत्री का चेहरा चिराग पासवान होना चाहिए। पोस्टर में यह भी लिखा गया है कि 'बिहार मांगे चिराग, वक्त अब आ गया है युवा मुख्यमंत्री बनाने का। NDA की होगी सरकार, CM होगा सिर्फ चिराग।'

LJP (रामविलास) के जिला अध्यक्ष ने लगाए पोस्टरः ये पोस्टर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के पटना जिला अध्यक्ष इमाम गजाली की ओर से लगवाए हैं। पोस्टर लगने के बाद बिहार की राजनीति में यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या NDA में चिराग पासवान को मुख्यमंत्री पद के लिए आगे बढ़ाया जा सकता है या नहीं।

सांसद अरुण भारती ने भी जताई थी इच्छाः इससे पहले लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के सांसद अरुण भारती ने भी चिराग पासवान को मुख्यमंत्री के रूप में देखने की इच्छा जताई थी। कुछ दिन पहले पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा था कि, 'मुख्यमंत्री को लेकर अंतिम फैसला एनडीए के बड़े नेता मिलकर करेंगे।' हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि व्यक्तिगत तौर पर वह अपने नेता चिराग पासवान को बिहार के बड़े नेता और राज्य के मुखिया के रूप में देखना चाहते हैं।

चिराग को देश के भविष्य के रूप में देखती जनताः भारती ने कहा कि, 'जनता चिराग को बिहार के भविष्य के रूप में देखती है। प्रभारी के तौर पर जिन जिलों का दौरा किया, वहां कार्यकर्ताओं की मांग है कि चिराग आने वाले समय में बड़ी भूमिका निभाएं।'

बीजेपी ऑफिस के बाहर लगे पोस्टर, लिखा- 'ना दंगा, ना फसाद हो, बिहार का सीएम सिर्फ चिराग हो'

मोकामा थाना पुलिस ने 390 किलो गांजा बरामद किया, 3 तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना जिले के मोकामा थाना पुलिस ने सोमवार को मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर 390 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। इस मामले में तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। मोकामा थाना प्रभारी कुणाल कुमार ने बताया कि पुलिस को क्षेत्र में मादक पदार्थों की एक बड़ी खेप आने की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घेराबंदी की और तलाशी अभियान चलाया।

तस्करों से पूछताछ जारीः तलाशी के दौरान पुलिस ने मौके से 390 किलोग्राम गांजा बरामद किया। बरामद किए गए गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लाखों रुपए आंकी जा रही है। थाना प्रभारी ने पुष्टि की है कि इस अवैध कारोबार में संलिप्त तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस फिलहाल इन तस्करों से पूछताछ कर रही है ताकि गांजे की यह खेप कहाँ से लाई गई थी और इसे कहाँ पहुँचाया जाना था, इसका पता लगाया जा सके।

मुख्य सरगना की तलाश में जुटीः पुलिस इस गिरोह के अन्य सदस्यों और मुख्य सरगना की तलाश में जुट गई है। इस पूरे मामले को लेकर प्राथमिकी (FIR) दर्ज कर ली गई है। बरामदगी की गंभीरता को देखते हुए, पटना ग्रामीण एसपी (SP Rural) द्वारा एक आधिकारिक प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इस ऑपरेशन का विस्तृत विवरण और तस्करों के नेटवर्क का खुलासा किया जाएगा।

पुलिस को बड़ी खेप आने की सूचना मिली थी

प्रिंस राज बने राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष

एजेंसी, पटना

राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (RLJP) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक सोमवार को पटना स्थित प्रदेश कार्यालय, विधायक कॉलोनी कौटिल्य नगर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने की। बैठक में सर्वसम्मति से पूर्व सांसद प्रिंस राज पासवान को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष चुना गया। इस फैसले की घोषणा खुद पशुपति पारस ने की। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी नेताओं और सदस्यों की सहमति से प्रिंस राज को यह जिम्मेदारी दी गई है।

दो महीने बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकते प्रिंसः पारस ने बताया कि अभी प्रिंस राज को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। करीब दो महीने बाद उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब पार्टी से जुड़े सभी संगठनात्मक फैसले, बिहार का दौरा, बैठकों का आयोजन और पार्टी को आगे बढ़ाने की रणनीति तय करने की जिम्मेदारी प्रिंस राज पासवान की होगी। पशुपति पारस ने भरोसा जताते हुए कहा कि प्रिंस राज के नेतृत्व में पार्टी और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जब भी पार्टी लोकसभा और राज्यसभा चुनाव लड़ेगी, तब बेहतर प्रदर्शन करेगी और अच्छा स्कोर करेगी।

पारस बोले- मेरी राय मुख्यमंत्री बनें नीतीश के बेटेः वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार की एंट्री को लेकर भी पशुपति पारस ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राजनीति में आने वाले सभी युवाओं का स्वागत है। निशांत कुमार भी अगर राजनीति में आ रहे हैं तो यह अच्छी बात है। निशांत कुमार को मुख्यमंत्री बनाने की मांग पर पारस ने कहा कि यह फैसला विधायक दल की बैठक में तय होगा। हालांकि उन्होंने अपनी राय रखते हुए कहा कि उनके अनुसार निशांत कुमार को मुख्यमंत्री बनना चाहिए।

पटना में जलवायु अनुकूल बकरीपालन पर कार्यशाला

एजेंसी, पटना

पटना के एक निजी होटल में सोमवार को 'जलवायु अनुकूल बकरीपालन एवं प्रबंधन' विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। इसका उद्देश्य ग्रामीण आजीविका को मजबूत करना और किसानों की आय बढ़ाना है। इस कार्यक्रम में किसानों, पशुपालकों और विशेषज्ञों ने भाग लिया, जहाँ बकरी पालन को आधुनिक और वैज्ञानिक तरीकों से अपनाने पर जोर दिया गया। राज्य सरकार ने बकरी पालकों को अनुदान देने की भी घोषणा की है। कार्यशाला के वक्ताओं ने जलवायु परिवर्तन को एक वैश्विक चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि बढ़ते तापमान, अनियमित वर्षा, बाढ़ और सूखे जैसी स्थितियाँ कृषि तथा पशुपालन दोनों को प्रभावित कर रही हैं। ऐसे में जलवायु के अनुकूल बकरी पालन और बेहतर प्रबंधन तकनीकों को अपनाना आवश्यक है। विशेषज्ञों ने इस कार्यशाला को ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, किसानों की आय बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का समाधान खोजने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। बिहार जैसे कृषि प्रधान राज्य में, जहाँ बड़ी आबादी कृषि और पशुपालन पर निर्भर है, बकरी पालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने का एक प्रभावी माध्यम बन गया है। छोटे और सीमांत किसान, भूमिहीन परिवार तथा महिलाएँ बड़ी संख्या में इस व्यवसाय से जुड़ रहे हैं।

बकरी पालन को अक्सर 'गरीब परिवारों का एटीएम' कहा जाता है, क्योंकि आवश्यकता पड़ने पर किसान आसानी से बकरी बेचकर तत्काल आर्थिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं। देश में बकरियों की कुल संख्या लगभग 12 करोड़ है, जो विश्व की कुल बकरियों का लगभग 20 प्रतिशत है। बिहार में बकरियों की संख्या लगभग 1.28 करोड़ है, जिससे यह राज्य संख्या के आधार पर देश में चौथे स्थान पर है। राज्य में बकरी पालन स्वरोजगार का एक प्रभावी माध्यम बन रहा है।

सरकार दे रही अनुदानः बकरी पालन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा समेकित बकरी एवं भेड़ विकास कार्यक्रम के तहत विभिन्न क्षमता के बकरी फार्म की स्थापना पर 50 से 60 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। इस योजना के तहत 20 बकरी + 1 बकरा, 40 बकरी + 2 बकरा, 100 बकरी + 5 बकरा तथा 500 बकरी + 25 बकरा क्षमता के फार्म स्थापित किए जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2016-17 से 2025-26 तक कुल 3639 परिवारों को विभिन्न क्षमता के बकरी फार्म स्थापित करने में सहायता दी जा चुकी है। बीपीएल परिवारों को बकरियों का वितरण बीपीएल परिवारों के बीच तीन प्रजनन योग्य बकरियों का वितरण भी अनुदानित दर पर किया जा रहा है। इस योजना में सामान्य वर्ग को 80 प्रतिशत और अनुसूचित जाति एवं जनजाति के परिवारों को 90 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाता है। अब तक 34,218 परिवारों को कुल 1,02,654 बकरियों का वितरण किया जा चुका है, जिससे उनकी आय में वृद्धि के साथ-साथ मांस की उपलब्धता भी बढ़ी है। राज्य में बढ़ा मांस उत्पादन बिहार में वर्ष 2004-05 में जहां 176 हजार टन मांस का उत्पादन होता था, वहीं 2023-24 में यह बढ़कर 404.30 हजार टन हो गया है। राज्य में प्रति व्यक्ति मांस की उपलब्धता भी बढ़कर 3.19 किलोग्राम हो चुकी है। गोट सिमेन बैंक की स्थापना होगी बकरियों की नस्ल सुधार और उत्पादन बढ़ाने के लिए राज्य में गोट सिमेन बैंक की स्थापना की योजना को भी मंजूरी दी गई है। इसके माध्यम से बकरियों में कृत्रिम गर्भाधान को बढ़ावा मिलेगा, जिससे नस्ल में सुधार, मेमनों की मृत्यु दर में कमी और उत्पादन में वृद्धि होगी। वैज्ञानिक तरीके अपनाने पर जोर कार्यशाला में किसानों से अपील की गई कि वे बकरी पालन को केवल पारंपरिक तरीके से नहीं बल्कि वैज्ञानिक और आधुनिक तकनीकों के साथ अपनाएँ।

सही प्रबंधन, बेहतर नस्ल और संतुलित पोषण के माध्यम से बकरी पालन ग्रामीण आजीविका का मजबूत स्तंभ बन सकता है। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि आने वाले वर्षों में बकरी पालन को एक सशक्त ग्रामीण उद्योग के रूप में विकसित किया जाए।

किसानों को वैज्ञानिक तरीके अपनाने की सलाह, सरकार देगी अनुदान

संक्षिप्त समाचार

यमुनानगर : पितरों के स्थान पर जा रहे किसान पर हमला, गंडासी के वार से घायल

लोकतंत्र की शान : यमुनानगर। यमुनानगर में एक किसान पर रास्ते में घात लगाकर किए गए हमले का मामला सामने आया है। गांव बागवाली के निकट चार कारों में पहुंचे हमलावरों ने किसान पर गंडासी से वार कर उसे घायल कर दिया। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर कई आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में गांव बागवाली निवासी राकेश ने बताया कि वह खेती का कार्य करता है। वह गांव के खेड़ा मंदिर में पूजा करने के बाद गांव के बाहरी हिस्से में स्थित अपने पितरों के स्थान पर जा रहा था। इसी दौरान गांव के बाहर पहुंचते ही जठलाना की ओर से चार सफेद रंग की गाड़ियां वहां आकर रुकीं। उन्होंने बताया कि आगे चल रही गाड़ी में सवार लोगों ने उसकी पहचान की और तुरंत उस पर हमला कर दिया। आरोप है कि गाड़ी से उतरे एक व्यक्ति ने लोहे की गंडासी से उसकी गर्दन की ओर वार किया। राकेश ने बचाव करते हुए अपना हाथ आगे कर दिया, जिससे वार उसकी बांह पर लगा और वह घायल हो गया। घटना के दौरान अन्य गाड़ियों में मौजूद कई लोगों ने भी उसे घेरने का प्रयास किया और जान से मारने की धमकी दी। घायल राकेश के अनुसार, हमले के बाद उसने शोर मचाया, जिस पर आसपास मौजूद उसके परिजन मौके की ओर दौड़े। परिजनों को आते देख हमलावर वहां से कारों में बैठकर फरार हो गए। पीड़ित का कहना है कि पूरी घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई है। उसने आरोप लगाया कि हमलावरों ने बिना किसी उकसावे के उस पर जानलेवा हमला किया। थाना जठलाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर नावेद, जुनैद, सकील और अब्दुल खान के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सोनीपत में युवक पर गर्म सरियों से हमला कर नकदी,मोबाइल व जेवर छीने

लोकतंत्र की शान : सोनीपत। सोनीपत में एक युवक पर गर्म लोहे की सरियों से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल करने और उसके पास मौजूद नकद व सामान छीनने का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत सोमवार को मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गुरुग्राम निवासी वीरेंद्र कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका छोटा भाई अनिल रात के समय मटिंडू रोड स्थित बिस्मिल्लाह होटल के पास मौजूद था। उसी दौरान होटल से जुड़े कुछ कर्मचारियों और अन्य युवकों ने अनिल के साथ झगड़ा कर हमला कर दिया। होटल से जुड़े अवेश अंसारी सहित कुछ अन्य युवक झगड़ में शामिल हैं, जिनकी पहचान पुलिस कर सकती है। परिजनों के अनुसार आरोपियों ने अनिल के साथ मारपीट की। गर्म लोहे की सरियों से कई वार किए गए। हमले में उसके दोनों पैरों रक्त रंजित हो गए। आरोप लगाया गया है कि मारपीट के दौरान आरोपियों ने अनिल के पास मौजूद सामान भी छीन लिया। इनमें नकदी, एक मोबाइल फोन तथा उसकी पत्नी सोने का आभूषण शामिल है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों ने 112 नम्बर पर कॉल कर पुलिस को जानकारी दी। घायल अनिल को पहले नागरिक अस्पताल खरखौदा ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। हालत गंभीर देखते हुए उसे ट्रॉमा सेंटर पीजीआईएमएस रोहतक रेफर कर दिया, जहां आर्थोपेडिक और सर्जरी विभाग के चिकित्सकों ने उसका उपचार किया। अस्पताल में पुलिस टीम भी पहुंची और घायल अनिल तथा उसके भाई के बयान कैमरे पर दर्ज किए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। प्रारंभिक कार्रवाई के बाद केस एसीपी राजदीप मोर को भेजा गया है।

अपहरण और दुष्कर्म का फरार आरोपित गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : हरिद्वार। नाबालिग लड़की का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में फरार चल रहे आरोपित को सिडकुल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर दबोचते हुए उसके खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, 20 फरवरी को उत्तर प्रदेश के पांडुवा बसंत खेड़ा निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि उसकी नाबालिग पुत्री को एक अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया है। शिकायत के आधार पर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया और मामले की जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने 27 फरवरी को अपहृत नाबालिग को सकुशल बरामद कर लिया। पूछताछ और साक्ष्यों के आधार पर मामले में रोहित की संलिप्तता सामने आई, जिसके बाद से आरोपित फरार चल रहा था। पुलिस टीम ने तकनीकी और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से आरोपित की लोकेशन ट्रेस की। इसके बाद आज आरोपित को पाल मार्केट के पास स्थित खाली मैदान, रावली महदूद क्षेत्र से आरोपी रोहित को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान रोहित पुत्र वेद प्रकाश निवासी ग्राम नकटी नारायणपुर गुराडिया, जिला बरेली (उत्तर प्रदेश) हाल निवासी रोशनाबाद थाना सिडकुल, जनपद हरिद्वार के रूप में हुई है। पुलिस ने विधिक कार्यवाही करते हुए आरोपित का चालान कर दिया है।

"प्लास्टिक कचरा मुक्त अभियान-2026" को मिला जनसमर्थन, 18 लाख लोगों ने लिया हिस्सा

लोकतंत्र की शान : जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में राज्य सरकार द्वारा चलाए गए "प्लास्टिक कचरा मुक्त अभियान-2026" को प्रदेशभर में व्यापक जनसमर्थन मिला। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत 16 फरवरी से 28 फरवरी तक चलाए गए इस अभियान में 18 लाख 61 हजार से अधिक लोगों ने भागीदारी निभाई और लगभग 39 हजार किलोग्राम प्लास्टिक कचरा एकत्रित किया गया। अभियान के दौरान एकत्रित प्लास्टिक कचरे के पुनर्चक्रण और वैज्ञानिक निस्तारण से करीब 2 लाख रुपये का राजस्व भी प्राप्त हुआ। राज्य सरकार के अनुसार यह अभियान पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। अभियान में ग्राम पंचायतों, विद्यालयों, स्वयंसेवी संगठनों, महिला समूहों और आम नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों को स्वच्छ और प्लास्टिक कचरा मुक्त बनाना तथा आमजन में सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। राज्यभर की ग्राम पंचायतों में इस दौरान कई गतिविधियां आयोजित की गईं। विद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों, जल स्रोतों, धार्मिक स्थलों और बाजार क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाए गए। इसके साथ ही स्वच्छता रैलियां, श्रमदान, चौपाल, पोस्टर व निबंध प्रतियोगिताएं, दुकानदारों के साथ संवाद, महिलाओं को कचरा पृथक्करण के लिए जागरूक करने के कार्यक्रम तथा बर्तन बैंक को बढ़ावा देने जैसी गतिविधियां भी आयोजित की गईं। अभियान के दौरान कई स्थानों पर सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को रोकने के लिए जागरूकता के साथ-साथ जुर्माने की कार्रवाई भी की गई। बड़ी संख्या में लोगों ने प्लास्टिक कचरा मुक्त वातावरण बनाए रखने और कचरा पृथक्करण अपनाने की शपथ ली। राज्य सरकार का मानना है कि ऐसे जनहितकारी अभियानों से प्रदेश में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता को मजबूती मिल रही है और राजस्थान स्वच्छ व हरित भविष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मानव तस्करी की उड़ी अफवाह पुलिस और जनता होती रही परेशान

- सेमरिया थाना क्षेत्र के कठौतहा स्कूल के पास की घटना
- कंटेनर ट्रक को घेरकर लोगों ने किया हंगामा

लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के सेमरिया क्षेत्र में बच्चा चोरी की अफवाह ने अचानक माहौल को गरमा दिया। बढ़ौरा से लेकर सेमरिया थाना तक अफरा- तफरी का माहौल बन गया। एक कंटेनर ट्रक को लेकर फैली अफवाह के बाद हजारों की संख्या में लोग इकट्ठा हो गए और पुलिस से कंटेनर खुलवाने की मांग करने लगे। दरअसल नेशनल हाईवे-39 पर बढ़ौरा इलाके में खड़े एक कंटेनर ट्रक को लेकर यह अफवाह फैल गई कि उसमें बच्चों को भरकर ले जाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि ट्रक का चालक कुछ बच्चियों को पैसे दे रहा था और खाने- पीने का सामान दे रहा था, जिसे बच्चियों ने लेने से इनकार कर दिया। बच्चियां रोते हुए गांव के ही एक व्यक्ति के पास पहुंचीं और पूरी बात बताई। इसके बाद उस व्यक्ति ने ट्रक चालक से सवाल किया कि वह अनजान जगह पर बच्चियों को पैसे क्यों दे रहा है। इसी दौरान कुछ लोगों ने बच्चा चोरी की आशंका जताई और देखते ही देखते भीड़ जमा हो गई। मामले की सूचना डायल 112 को दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। लेकिन तब तक अफवाह इतनी फैल चुकी थी कि हजारों की संख्या में लोग सेमरिया थाना पहुंच गए और कंटेनर को खोलकर जांच करने की मांग पर अड़ गए। पुलिस ने लोगों को शांत कराते हुए कंटेनर खुलवाया। जांच के दौरान कंटेनर में 15 से 20 लीटर के प्लास्टिक के कई ड्रम मिले, जिनमें लकड़ी का बुरादा भरा हुआ था। फिलहाल पुलिस ट्रक चालक सहित मौजूद लोगों से पूछताछ कर रही है और पूरे मामले की जांच जारी है।

गुरुग्राम अस्पताल में इलाज करवाने आई महिला पर फेंका ज्वलनशील पदार्थ, आरोपी काबू

लोकतंत्र की शान

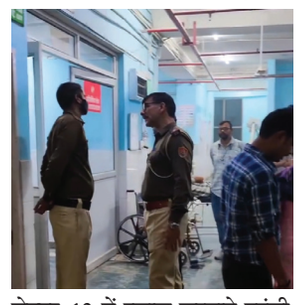

गुरुग्राम। लिव इन रिलेशनशिप में रह रही महिला पर रविवार देर रात उसी के साथी ने ज्वलनशील पदार्थ फेंककर घायल कर दिया। महिला को सेक्टर 10 नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया। सोमवार को गुरुग्राम पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार रविवार देर रात एक महिला इलाज के लिए नागरिक अस्पताल सेक्टर 10 में पहुंची थी। इस दौरान एक युवक ने अस्पताल के आपातकालीन विभाग में घुसकर उस पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर हमला कर दिया। यह सूचना पाकर थाना सेक्टर-10ए पुलिस अस्पताल पहुंची। डॉक्टर द्वारा महिला को बयान देने के लिए फिट घोषित करने के बाद महिला का बयान दर्ज किया गया।घायल महिला ने अपने बयान में बताया कि वह करीब चार वर्ष पहले काम की तलाश में गुरुग्राम आई थी। यहां पवन नामक व्यक्ति के साथ सेक्टर-72 गुरुग्राम में एक फ्लैट में रह रही थी। रविवार आठ मार्च 2026 को पवन ने उसके साथ मारपीट की। जब वह सिविल अस्पताल सेक्टर-10 में इलाज करवाने पहुंची, इस दौरान पवन ने उस पर एसिड फेंक दिया। जिससे उसके कपड़े जल गए। इस शिकायत के आधार पर एसिड अटैक के संबंध में थाना सेक्टर-10ए गुरुग्राम में एक केस तथा मार पीट करने से संबंधित एक केस बादशाहपुर थाना में दर्ज किया गया। पीड़ित महिला को प्राथमिक उपचार देने के बाद इलाज के लिए पीजीआई रोहतक रेफर किया गया। अपराध शाखा सेक्टर-10 गुरुग्राम की टीम ने इस मामले में आरोपी को गुरुग्राम से काबू किया है। आरोपी की पहचान जैनाबाद जिला रेवाड़ी निवासी पवन के रूप में हुई। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि आरोपी से एसिड की घटना के बारे में भी विस्तार से पूछताछ की जा रही है।

मंगलवार को नगर निगम में सुबह 11 बजे से आयोजित होगी महापौर जनसुनवाई

नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए महापौर श्रीमती सूरी की पहल जारी

लोकतंत्र की शान

कटनी: नगर निगम से जुड़ी नागरिकों की समस्याओं और शिकायतों के निराकरण के उद्देश्य से महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी द्वारा शुरू की गई जनसुनवाई की पहल निरंतर जारी है। इसी क्रम में मंगलवार 10 मार्च को नगर निगम के मेयर इन काउंसिल सभागार में प्रातः 11 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक महापौर जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। इस दौरान शहर के नागरिक अपनी समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन लेकर सीधे महापौर श्रीमती सूरी के समक्ष उपस्थित हो सकते हैं और अपनी बात रख सकते हैं। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं को सुनकर उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। इस पहल से प्रशासन और नागरिकों के बीच संवाद और विश्वास को भी मजबूती मिल रही है। नगर निगम प्रशासन लगातार प्रयास कर रहा है कि नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली इस जनसुनवाई में स्वच्छता, पेयजल, सड़क, स्ट्रीट लाइट, अतिक्रमण सहित नगर निगम से संबंधित विभिन्न समस्याओं पर आवेदन प्राप्त किए जाते हैं। जनसुनवाई के दौरान महापौर द्वारा संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जाते हैं और शिकायतों के निराकरण की नियमित समीक्षा भी की जाती है।

शिवपुरी धाम के महंत सनातनपुरी महाराज का निधन, आश्रम परिसर में दी गई समाधि

लोकतंत्र की शान

कोटा। कोटा के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल शिवपुरी धाम के महंत सनातनपुरी महाराज का निधन हो गया। सोमवार सुबह उनकी अंतिम दर्शन यात्रा मंदिर से निकाली गई, जो जय श्री विहार और कंचन रिसॉर्ट थेकड़ा होते हुए शिवपुरी धाम पहुंची। कई साधु-संत और श्रद्धालु इस दौरान मौजूद रहे। संतों की उपस्थिति में आश्रम परिसर में ही महंत सनातनपुरी महाराज को समाधि दी गई। महंत सनातनपुरी महाराज पिछले करीब दस दिनों से जयपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती थे, जहां गंभीर स्थिति के चलते उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। रविवार देर रात उन्हें वापस कोटा लाया गया, जहां आश्रम पहुंचने के बाद उन्होंने अंतिम सांस ली। आश्रम के सेवादार आकाश के अनुसार महाराज कुछ समय से अस्वस्थ थे और उन्हें लिवर व किडनी संबंधी समस्याएं थीं। इसी कारण जयपुर के निजी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। हालत अधिक बिगड़ने पर उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया, बाद में डॉक्टरों की निगरानी में उन्हें कोटा लाया गया। महंत सनातनपुरी महाराज राणा रामपुरी के शिष्य थे और थेकड़ा स्थित शिवपुरी धाम के संरक्षक के रूप में सेवा कर रहे थे। शिवपुरी धाम में 525 शिवलिंग स्थापित हैं, जो कोटा क्षेत्र के प्रमुख आस्था केंद्रों में से एक माना जाता है। वर्ष 2022 में उनके लिवर में गांठ का ऑपरेशन किया गया था। इसके बाद से उनका स्वास्थ्य कमजोर रहने लगा था, फिर भी वे मंदिर की सेवा-पूजा और धार्मिक कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेते रहे। करीब दस दिन पहले उनकी तबीयत ज्यादा खराब होने पर पहले कोटा और फिर जयपुर ले जाया गया था। उल्लेखनीय है कि जनवरी 2026 के अंत में धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री कोटा आए थे और उन्होंने सनातनपुरी महाराज से भेंट की थी। इस दौरान दोनों के बीच सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार को लेकर चर्चा हुई थी और धीरेंद्र शास्त्री ने उनका आशीर्वाद लिया था।

नहीं सुधर रही जिला अस्पताल की व्यवस्थाए शिवसेना ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

लोकतंत्र की शान

सीधी। जिला अस्पताल की अव्यवस्था एवं डॉक्टरों की लापरवाही को लेकर शिवसेना ने कड़ा विरोध जताया है। शिवसेना के प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पांडे एवं जिलाध्यक्ष बेनाम सिंह के नेतृत्व में अपर कलेक्टर को मुख्यमंत्री व जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर अस्पताल की स्थिति सुधारने और लापरवाह डॉक्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई। ज्ञापन में बताया गया कि जिला अस्पताल में कई डॉक्टर अपने कर्तव्यों का सही ढंग से पालन नहीं कर रहे हैं और मरीजों को सरकारी अस्पताल में उचित उपचार देने के बजाय अपने निजी क्लिनिक में आने के लिए मजबूर कर रहे हैं। इससे गरीब और असहाय मरीजों को भारी परेशानियों के साथ आर्थिक शोषण का भी सामना करना पड़ रहा है। शिवसेना पदाधिकारियों ने कहा कि सरकारी अस्पताल में तैनात डॉक्टरों का दायित्व है कि वे अस्पताल में आने वाले मरीजों का ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ उपचार करें, लेकिन कुछ डॉक्टर अस्पताल की ड्यूटी से अधिक अपने निजी क्लिनिक में व्यस्त रहते हैं, जो शासन की व्यवस्था और जनता के अधिकारों के खिलाफ है। शिवसेना ने जिला प्रशासन से मांग की है कि जिला अस्पताल की व्यवस्था की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा जो डॉक्टर अस्पताल की ड्यूटी में लापरवाही कर निजी क्लिनिक में मरीजों का इलाज कर रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त प्रशासनिक कार्रवाई की जाए। शिवसेना प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पांडे और जिलाध्यक्ष बेनाम सिंह ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो शिवसेना जिला इकाई जनहित में संबंधित निजी क्लिनिकों का घेराव कर जोरदार विरोध प्रदर्शन करेगी, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस बीच प्रमुख रूप से शिवसेना प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पांडे, संभाग उपाध्यक्ष प्रदीप विश्वकर्मा, जिला अध्यक्ष बेनाम सिंह बघेल उर्फ भोले, जिला मंत्री आशीष मिश्रा, जिला महामंत्री सुनील रावत, विधानसभा संपर्क प्रमुख सागर सिंह चौहान, नगर अध्यक्ष जैनेन्द्र सिंह चौहान उर्फ मुन्ना, सोनम सिंह चौहान, आदर्श सिंह चौहान, जय राम सिंह चौहान जैकी, राहुल सिंह चौहान, राजकुमार सिंह चौहान लाल बाबू,आशीष सिंह चौहान, रामाधार गोस्वामी सहित कई शिव सैनिक मौजूद रहे।

सिरसा: विवाह समारोह में भाग लेने आए व्यक्ति ने की आत्महत्या

लोकतंत्र की शान

सिरसा। सिरसा जिले के ऐलनाबाद क्षेत्र में एक व्यक्ति ने पेड़ पर फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया है। सूचना मिलने पर सोमवार सुबह पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिरसा के नागरिक अस्पताल भिजवाया। मृतक की पहचान राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले निवासी गुरविंद्र सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि गुरविंद्र सिंह ऐलनाबाद में अपनी रिश्तेदारी में विवाह समारोह में भाग लेने आया था। गुरविंद्र सिंह रविवार दोपहर को घर से अचानक गायब हो गया था। उसकी तलाश की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। सोमवार सुबह ग्रामीणों ने नहर किनारे पेड़ पर फंदे से लटकता हुआ एक व्यक्ति देखा और सूचना परिजनों व पुलिस को दी गई। परिजनों ने मृतक की पहचान गुरविंद्र के रूप में की। मृतक के परिजनों ने बताया कि बुआ निर्मल कौर के बेटे की शादी है, जिसमें परिवार के साथ गुरविंद्र भी आया हुआ था। पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज कर शव को सिरसा के नागरिक अस्पताल भिजवाया दिया है।

अमरोला पंचायत में जमकर भ्रष्टाचार, जांच की मांग

- मनरेगा में मजदूरों को 103 रुपये प्रतिदिन मजदूरी

लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के कुसमी जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत अमरोला के अमराडंडी गांव में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत स्वीकृत कपिलधारा कूप निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासनिक लापरवाही और पंचायत स्तर की अनदेखी के कारण मजदूरों के अधिकारों पर डाका डाला जा रहा है। उन्हें मात्र 103 रुपए के मान से मजदूरी का भुगतान किया जा रहा है जिसे ऊंट के मुंह में जीरा कहा जा सकता है। जानकारी के अनुसार हितैसी कपिलधारा कूप निर्माण कार्य रामदासिया पति मणिराज सिंह के नाम से स्वीकृत हुआ है। इस कूप निर्माण की कुल स्वीकृत लागत करीब 3.16 लाख रुपये बताई जा रही है, जिसमें से अब तक लगभग 1.25 लाख रुपये की राशि आहरित भी कर ली गई है। मस्टर रोल के अनुसार मजदूरों को बेहद कम मजदूरी मिलने का मामला सामने आया है। मस्टर रोल संख्या 8651 में 10 मजदूरों को प्रतिदिन 103 रुपये के हिसाब से कुल 722 रुपये मजदूरी दी गई है, जबकि मस्टर रोल संख्या 8652 में 5 मजदूरों को भी इसी दर से भुगतान किया गया है। 7 फरवरी को जब मजदूरी का भुगतान मजदूरों के खातों में पहुंचा तो उनमें भारी असंतोष फैल गया। मजदूरों का कहना है कि इतनी कम मजदूरी में उनका गुजारा संभव नहीं है, जिसके कारण कई लोग अब पलायन की तैयारी कर रहे हैं।

क्या कहा रोजगार सहायक ने

इस मामले में जब रोजगार सहायक गंगा यादव से बात की गई तो उन्होंने कहा कि यह हितैसी कूप है और लाभार्थी अपने हिसाब से काम कराते हैं। जिन मजदूरों के नाम दिए जाते हैं, उसी आधार पर मांग लगाई जाती है और जितना काम किया जाता है उसी के अनुसार मजदूरी का भुगतान होता है। अब अगर इन की मानें तो सरकारी पैसा है तो इनकी जवाबदेही नहीं है।काम सही हो रहा है या नहीं यह भी इनकी जवाबदेही नहीं है। हालांकि ग्रामीणों का आरोप है कि सचिव और रोजगार सहायक की लापरवाही और गैर जिम्मेदाराना रवैये के कारण योजना का लाभ गरीब मजदूरों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पा रहा है। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है, ताकि मजदूरों को उनका हक मिल सके और सरकारी योजनाओं में हो रही गड़बड़ियों पर रोक लगाई जा सके।

मजदूरी में भी कमीशन की मांग

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि कई ऐसे मजदूरों के नाम मस्टर रोल में दर्ज कर दिए गए हैं जिन्होंने काम ही नहीं किया, जबकि वास्तविक मजदूरों से पंचायत कर्मियों द्वारा बैंक से पैसा निकलवाकर हिस्सा लेने की बात भी सामने आ रही है।ग्रामीणों का यह भी कहना है कि निर्माण कार्य का मूल्यांकन करने वाले इंजीनियर कभी मौके पर नहीं आते और घर बैठे ही मूल्यांकन कर दिया जाता है। इससे कार्य की गुणवत्ता और मजदूरों की वास्तविक मजदूरी दोनों प्रभावित हो रही हैं। बता दें कि अमरोला पंचायत में सरकारी योजनाओं को लेकर जमकर मनमानी की जा रही है, ग्रामीणों की शिकायत पर भी जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, ऐसे में अब ग्रामीण कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी का इस ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए कार्यवाही की मांग उठाई है।

संक्षिप्त समाचार

ईरान की मदद क्यों नहीं कर रहे हूती विद्रोही

नई दिल्ली। इजराइल और अमेरिका के ईरान पर हमले के बाद पूरे मिडिल ईस्ट में तनाव फैल गया है। इस जंग में ईरान, इजराइल,सऊदी, लेबनान, UAE जैसे मिडिल ईस्ट के कुल 12 देश शामिल हो चुके हैं। हालांकि जंग के 9 दिन बीत जाने के बाद भी अब तक यमन इससे दूर है। यमन में हूती विद्रोही रहते हैं जो कि ईरान के सहयोगी माने जाते हैं। अक्टूबर 2023 में गाजा जंग शुरू होने के बाद कई बार इजराइल और हूती विद्रोही एक-दूसरे पर हमला कर चुके हैं। पिछले साल जून में इजराइल और ईरान के बीच 12 दिन जंग चली थी, तब भी हूती विद्रोही इस जंग में शामिल थे। हालांकि इस बार 28 फरवरी से जब अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हमले शुरू किए, तब से अब तक हूती विद्रोहियों ने ईरान का समर्थन केवल बयानों के जरिए ही किया है। हालांकि यह साफ नहीं है कि वे आगे भी इस जंग से दूर रहेंगे या नहीं। अल जजीरा के मुताबिक एक्सपर्ट्स का यह मानना है कि हूती जंग में हिस्सा लेंगे। फिलहाल उनका इससे दूर रहना किसी रणनीति से जुड़ा हो सकता है। मिडिल ईस्ट मामलों पर नजर रखने वाले लुका नेवोला ने अल जजीरा से कहा कि हूती विद्रोहियों की सबसे बड़ी प्राथमिकता यह है कि अमेरिका और इजराइल की सीधी जवाबी कार्रवाई से बचा जाए। पिछले साल अगस्त में इजराइल ने यमन में हवाई हमले किए थे, जिनमें हूती सरकार के कम से कम 12 सीनियर मेंबर मारे गए थे। इनमें प्रधानमंत्री अहमद अल-रहावी और आर्मी चीफ मोहम्मद अल-घुमारी भी शामिल थे। यह हूती विद्रोहियों के लिए बहुत बड़ा नुकसान था। अमेरिका तथा इजराइल के साथ टकराव में उनकी सबसे बड़े नुकसान में से एक माना गया था।

नेपाल की संघीय संसद के नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई गई

काठमांडू। नेपाल की संघीय संसद के नवनिर्वाचित सदस्यों को सिंहदरबार में सोमवार को राष्ट्रीय सभा के अध्यक्ष नारायण प्रसाद दाहाल ने नेपाल के संविधान के अनुच्छेद 86 की धारा 2 के अनुसार पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के बाद अध्यक्ष दाहाल ने संसद का आधिकारिक प्रतीक चिन्ह प्रदान करके उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामना दी। राष्ट्रीय सभा में कुल 59 सदस्य होते हैं। संवैधानिक प्रावधान के अनुसार हर दो साल में इसके एक-तिहाई सदस्यों का चुनाव कराया जाता है। राष्ट्रीय सभा की 18 सीटों के लिए चुनाव 25 जनवरी को आयोजित किए गए थे। इन चुनावों में विभिन्न प्रांतों से नए सदस्य निर्वाचित हुए हैं। कोशी प्रदेश से रोशनी मेचे, सोमनाथ पोर्टेल और सुनील बहादुर थापा निर्वाचित हुए। मधेश प्रदेश से रेखा कुमारी झा, धर्मेंद्र पासवान, रंजीत कर्ण और महन्थ ठाकुर चुने गए। इसी तरह बागमती प्रदेश से गीता देवकोटा और प्रेम प्रसाद डंगाल निर्वाचित हुए। गंडकी प्रदेश से जगत तिमिल्सिना और सम्झना देवकोटा ने जीत दर्ज की। लुम्बिनी प्रदेश से राम कुमारी झांकी, चंद्रबहादुर केसी और वासुदेव घिमिरे निर्वाचित हुए। कर्णाली प्रदेश से मीना सिंह रखाल और ललित जंग शाही चुने गए, जबकि सुदूरपश्चिम प्रदेश से लीला कुमारी भंडारी और खम्ब बहादुर खाती राष्ट्रीय सभा के सदस्य बने हैं।

स्कॉटलैंड में ग्लासगो रेलवे स्टेशन पास की इमारत में लगी आग के कारण बंद किया गया

एडिनबर्ग (स्कॉटलैंड)। स्कॉटलैंड के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में स्थित देश के दूसरे सबसे बड़े शहर ग्लासगो में रेलवे स्टेशन के पास एक ऐतिहासिक इमारत में लगी आग के बाद ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई है। आग बुझाने के प्रयास जारी हैं। 1851 में बनी चार मंजिला इस इमारत का कुछ हिस्सा ढह गया है। आग की विभीषिका को देखते हुए ग्लासगो रेलवे स्टेशन को बंद कर दिया गया है। उत्तरी आयरलैंड के प्रमुख अखबार बेलफास्ट टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार आग पर फिलहाल नियंत्रण नहीं पाया जा सका है। यह इमारत व्यावसायिक है। यूनियन स्ट्रीट पर निर्मित इस इमारत में महंगे शोरूम हैं। दमकल विभाग का कहना है कि सूचना मिलते ही रविवार शाम चार बजे जवान मशीनरी के साथ आग बुझाने पहुंचे। आग निचली मंजिल पर लगी है। कोशिश की जा रही है कि यह ऊपर न फैले। बताया गया है कि सारी रात क्रेन से पानी का छिड़काव किया गया, मगर आग अभी पूरी तरह बुझ नहीं सकी है। नेशनल रेल ने कहा कि फिलहाल ग्लासको स्टेशन बंद रहेगा। आग पर नियंत्रण पा लिया गया, तो इसे आज देररात तक खोला जा सकता है। ग्लास्को स्कॉटलैंड के सबसे बिजी स्टेशनों में से एक है। स्कॉटरेल ने अपनी सेवा में बड़ी रुकावट को स्वीकार किया है। रेलवे स्टेशन से गुजरने वाली ट्रेनों के ठहराव अर्गिल स्ट्रीट और एंडरसन में बनाए गए हैं। स्कॉट रेल सर्विस के अधिकारी मार्क इल्डर्टन ने असुविधा के लिए यात्रियों से माफी मांगी है।

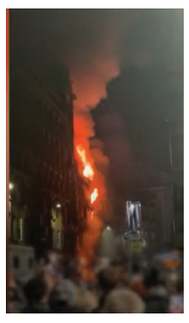

काठमांडू की हवा प्रदूषित,एक्यूआई 200 के पास

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू इस समय गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में है। शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 200 के करीब पहुंच गया है। इस सूचकांक को "बहुत अस्वस्थ" की श्रेणी कहा जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार हवा में मौजूद बेहद सूक्ष्म कण पीएण2.5 प्रदूषण का मुख्य कारण हैं। ये कण स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक होते हैं और खासतौर पर बच्चों, बुजुर्गों तथा पहले से बीमार लोगों के लिए गंभीर जोखिम पैदा करते हैं। वातावरण विभाग के महानिदेशक ज्ञान राज सुवेदी ने बताया कि काठमांडू में खराब वायु गुणवत्ता के पीछे शहरी उत्सर्जन और प्रतिकूल मौसम की स्थिति दोनों जिम्मेदार हैं। शांत हवाएं और बारिश की कमी के कारण धुआं, धूल और अन्य प्रदूषक वातावरण में फैल नहीं पाते और घाटी में ही जमा हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि वाहनों से निकलने वाला धुआं, विशेष रूप से डीजल चालित वाहन जो तय मानकों से अधिक धुआं छोड़ते हैं, प्रदूषण का बड़ा स्रोत बन गए हैं। इसके अलावा औद्योगिक गतिविधियां, निर्माण कार्य से उठने वाली धूल, बायोमास जलाना और घरेलू ईंधन का उपयोग भी हवा को खराब कर रहे हैं। वातावरण विभाग का मानना है कि काठमांडू के आसपास के क्षेत्रों से आने वाला प्रदूषण और मौसमी जंगल की आग भी स्थिति को और गंभीर बना रहे हैं। इसके अलावा तेजी से बढ़ते शहरीकरण के कारण ऊर्जा खपत, परिवहन की मांग और औद्योगिक गतिविधियां बढ़ी हैं, जिससे पीएण2.5, कार्बन मोनोऑक्साइड और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड जैसे प्रदूषकों की मात्रा में वृद्धि हो रही है। आंकड़ों के अनुसार काठमांडू में प्रदूषण कोई नई समस्या नहीं है। वर्ष 2025 के आखिरी में शहर में पीएम2.5 का औसत स्तर 45.1 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया था, जो लगभग एक्यूआई 128 के बराबर है। यह स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा तय वार्षिक सुरक्षित सीमा 5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से लगभग नौ गुना अधिक है। वर्तमान में काठमांडू दुनिया के सबसे अधिक प्रदूषित प्रमुख शहरों में तीसरे स्थान पर है। पिछले 30 दिनों से काठमांडू की वायु गुणवत्ता लगातार "अस्वस्थ" श्रेणी में बनी हुई है।

राजस्थान, गुजरात और हिमाचल में हीटवेव की चेतावनी

नई दिल्ली/शिमला/जयपुर/भोपाल। मार्च के दूसरे हफ्ते में ही तेज गर्मी होने लगी है। मौसम विभाग ने सोमवार को राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और हिमाचल में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। महाराष्ट्र के अकोला और राजस्थान के पिलानी-बाड़मेर में पारा 40°C का आंकड़ा पार कर गया है। विभाग ने जम्मू-कश्मीर, झारखंड, ओडिशा, बंगाल, बिहार, सिक्किम, केरल और आंध्र प्रदेश में बारिश की संभावना जताई है। IMD का कहना है कि एक नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में बारिश करवाएगा। मध्य प्रदेश के रतलाम का तापमान 38.6 डिग्री रहा। नई दिल्ली में भी दिन का टेंपरेचर 35.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। कश्मीर में टेम्परेचर 9.4 से 10.7 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। 10-12 मार्च तक कुपवाड़ा, बांदीपोरा, गंदेरबल और अनंतनाग के कुछ ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार इन दिनों राजस्थान के रेगिस्तानी इलाकों से गर्म हवाएं आ रही हैं। जिसका असर मैदानी राज्यों में देखने को मिल रहा है। हवा की दिशा उत्तर-पूर्व से अब पश्चिम और उत्तर-पश्चिम हो गई है। वहीं, हवा में नमी बहुत कम है। इससे आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ेगा। इससे धूप का तीखापन भी बढ़ सकता है।

चुनावी हिंसा पर 'शून्य सहनशीलता' की नीति अपनाएगा आयोग

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राजनीतिक दलों को आश्वस्त किया है कि पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए आयोग सभी आवश्यक कदम उठाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि चुनावी हिंसा के मामले में आयोग की नीति "शून्य सहनशीलता" की होगी। कोलकाता में सोमवार को आयोजित बैठक के दौरान ज्ञानेश कुमार ने कहा कि भारत में चुनाव पूरी तरह कानून के अनुसार कराए जाते हैं और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए आयोग कोई कसर नहीं छोड़ेगा। इस बैठक में चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के साथ पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और आयोग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

सूत्रों के अनुसार, बैठक का उद्देश्य विभिन्न राजनीतिक दलों की चिंताओं और सुझावों को सुनना तथा चुनाव प्रक्रिया को और मजबूत बनाने में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना था। बैठक को व्यवस्थित तरीके से संचालित किया गया, जिसमें प्रत्येक राजनीतिक दल को अपनी बात रखने के लिए लगभग 15 मिनट का समय दिया गया। बैठक में कई राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय दलों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इनमें आम आदमी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और नेशनल पीपुल्स पार्टी के प्रतिनिधि मौजूद थे। राज्य स्तरीय दलों में ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक और ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

बैठक के दौरान कुछ दलों ने पश्चिम बंगाल में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की सराहना भी की। आयोग के अधिकारियों के अनुसार, कुछ प्रतिनिधियों ने भरोसा जताया कि यह प्रक्रिया मतदाता सूची को अधिक सटीक बनाने में मदद करेगी। इसके साथ ही कई दलों ने चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर चिंता भी जताई। उन्होंने मतदाताओं को डराने-धमकाने की संभावनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की। कुछ प्रतिनिधियों ने चुनाव के दौरान कच्चे बम, अवैध हथियारों के इस्तेमाल तथा धनबल और बाहुबल के प्रभाव की आशंका भी जताई।

राजनीतिक दलों ने शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए बड़ी संख्या में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती की मांग भी उठाई। साथ ही कई दलों ने सुझाव दिया कि मतदान एक या दो चरणों में कराया जाए ताकि हिंसा की संभावना कम हो और प्रक्रिया सुचारू रूप से पूरी हो सके। इन चिंताओं के जवाब में मुख्य चुनाव आयुक्त ने दोहराया कि आयोग पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पूरी पारदर्शिता के साथ किया गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने यह भी बताया कि मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने, नाम हटाने या विवरण में सुधार के लिए प्रपत्र 6, 7 और 8 अभी भी जमा किए जा सकते हैं। बैठक के अंत में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने आगामी चुनाव शांतिपूर्ण और बिना हिंसा के संपन्न कराने में आयोग को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

ईरान बोला- मजबूरी में जंग लड़ रहे

एजेंसी, तेल अवीव/तेहरान

- तुर्किये-साइप्रस और अजरबैजान पर हमले से इनकार किया
- इजराइली हमले में ईरान के नए सुप्रीम लीडर घायल

ईरान ने कहा है कि वह मजबूरी में जंग लड़ रहा है, यह उसकी पसंद नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने सोमवार को एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा कि जंग देश पर जबरन थोपी गई है। जब उनसे सीजफायर के लिए मध्यस्थता की संभावना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि फिलहाल इस तरह की बात करना गलत होगा। बघाई ने कहा कि इस समय सैन्य टकराव जारी है और ऐसे में देश की रक्षा के अलावा किसी दूसरे विषय पर चर्चा करना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि ईरान ने इस जंग की शुरुआत नहीं की थी। उनके अनुसार देश को अपनी रक्षा के लिए लड़ना पड़ रहा है। इसके अलावा उन्होंने तुर्किये, साइप्रस और अजरबैजान पर हमले से भी इनकार किया है। उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह इन देशों की दिशा में ईरान की जमीन से कोई हमला शुरू नहीं किया गया। इस बीच टाइम्स ऑफ इजराइल ने बताया कि ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई घायल हो गए हैं। उन्हें बीती रात ईरान का नया सुप्रीम लीडर घोषित किया गया था।

35 साल से ईरान की सर्वोच्च सत्ता पर काबिज थे अली खामेनेई: ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की 28 फरवरी को US-इजराइल के हमले में मौत हो गई थी। अयातुल्ला 1989 में रुहोल्लाह खुमैनी के निधन के बाद से ईरान के सर्वोच्च नेता के पद पर काबिज थे। ईरान में 1979 की इस्लामिक क्रांति के दौरान, जब शाह मोहम्मद रजा पहलवी को हटाया गया तो खामेनेई ने क्रांति में बड़ी भूमिका निभाई थी। इस्लामिक क्रांति के बाद खामेनेई को 1981 में राष्ट्रपति बनाया गया था। वह 8 साल तक इस पद पर रहे। 1989 में ईरान के सुप्रीम लीडर खुमैनी की मौत के बाद उन्हें उत्तराधिकारी बनाया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक अयातुल्ला धर्मगुरु की एक पदवी है।

जींद : फैक्टरी में लगी आग में झुलसी एक और महिला ने तोड़ा दम, मरने वालों की संख्या हुई सात

एजेंसी, जींद

सफीदों की गीता कालोनी में रंग फैक्टरी में लगी आग में झुलसी एक और महिला मजदूर की पानीपत के निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। इसके साथ ही मरने वाली महिला मजदूरों की संख्या सात हो गई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपित फैक्टरी मालिक को अदालत में पेश कर दो दिन के रिमांड पर लिया है।

सफीदों के गीता कालोनी में अवैध रूप से चल रही रंग गुलाल की फैक्टरी में सात मार्च को लगी आग में झुलसी न्यू गीता कालोनी निवासी ममता (35) की पानीपत के निजी अस्पताल में बीती रात उपचार के दौरान मौत हो गई। जिसके साथ मरने वाली महिला मजदूरों की संख्या सात हो चुकी है। सफीदों निवासी महिला मजदूर पूजा, पिंकी, गुड्डी, ऊषा की आग में झुलसने से मौके पर मौत हो गई थी। जबकि महिला मजदूर सरिता तथा धनपति की पीजीआई रोहतक में उपचार के दौरान रविवार को मौत हो गई थी। घटना के दौरान फैक्टरी में 21 मजदूर थे। जिसमें चार महिला मजदूर छत से कूद कर बच निकली थी। जबकि 17 मजदूर अंदर थे जो झुलस गए थे। इसमें 13 महिलाएं थी जिनमें से सात महिलाओं की अब तक मौत हो चुकी है। एसपी कुलदीप सिंह ने सोमवार को बताया कि सफीदों में अवैध फैक्टरी मे लगी आग की जांच अब एएसपी सोनाक्षी के नेतृत्व में गठित एसआईटी करेगी। जिसमें डीएसपी सफीदों, शहर थाना प्रभारी, सफीदों सीआईए प्रभारी के महिला पुलिसकर्मियों को शामिल किया गया है। गठित एसआइटी 15 दिन मे जांच पूरी कर अपनी रिपोर्ट एसपी कुलदीप सिंह सौपेंगी।

ममता बनर्जी के धरने का चौथा दिन, रवींद्र संगीत सुनाया, बोलीं धरना स्थल पर भाजपा पर्चे बांट रही

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का धरना सोमवार को चौथे दिन भी जारी है। आज धरना स्थल पर ममता ने रवींद्र संगीत दल के साथ गाना गाया। ममता ने आरोप लगाया कि उनके धरना स्थल पर भाजपा और उसकी एजेंसियों पर्चे बांट रहे हैं। ममता ने TMC कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे पर्चे बांट रहे लोगों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दें। पर्चों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 14 मार्च को कोलकाता में होने वाली रैली का प्रचार किया जा रहा है। ममता ने अपने समर्थकों से कहा, किसी अन्य राजनीतिक दल के कार्यक्रमों में ऐसे पर्चे बांटने का उन्हें कोई अधिकार नहीं है। उन्हें पकड़ो और पुलिस के हवाले कर दो। बनर्जी ने राज्य मंत्री शशि पांजा को भी इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी दावा किया कि पर्चे बांटने में शामिल लोग पूछताछ के बाद भाग गए। ममता ने राज्य में स्पेशल इंटेसिव रिविजिन (SIR) में वोटर लिस्ट से नाम हटाने के विरोध में 6 मार्च दोपहर 2 बजे से कोलकाता के एस्प्लेनेड मेट्रो चैनल पर धरना शुरू किया है। ममता ने आरोप लगाया कि भाजपा चुनावी प्रक्रिया में हेरफेर करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया, "उनके पास जनता का समर्थन नहीं है। वे वोट चोर हैं। वे एजेंसियों का इस्तेमाल करते हैं।"

मुख्य चुनाव आयुक्त को TMC ने काले झंडे दिखाए: पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले सियासी माहौल गर्म होता दिख रहा है। इसी बीच मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को कोलकाता पहुंचते ही विरोध का सामना करना पड़ा। रविवार रात विमान से कोलकाता एयरपोर्ट पर उतरने के बाद उनका न्यूटाउन के एक होटल में ठहरने का कार्यक्रम था। लेकिन उनके पहुंचने से पहले ही होटल के बाहर राजरहाट-न्यूटाउन इलाके के कई लोग इकट्ठा हो गए। प्रदर्शनकारियों के हाथों में काले झंडे और बैनर थे और वे "गो बैक" के नारे लगा रहे थे।

विरोध करने वालों में अधिकतर लोग सत्ताधारी दल TMC के कार्यकर्ता और समर्थक बताए जा रहे हैं। उनका आरोप है कि SIR प्रक्रिया के दौरान कई मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। इसी के विरोध में लोग सड़क पर उतरे हैं। मौके पर पहुंचे राजरहाट-न्यूटाउन विधायक तपस चटर्जी ने कहा- इस इलाके के कई लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं। चुनाव आयुक्त यहां ठहरने आ रहे हैं, इसलिए आम लोग अपनी नाराजगी जताने के लिए इकट्ठा हुए हैं। हम एक भी मतदाता का नाम सूची से हटने नहीं देंगे।

सऊदी अरब ने दक्षिण-पूर्व में ऑयलफील्ड को निशाना बना रहे ड्रोन को किया नष्ट

एजेंसी, इस्तांबुल

पश्चिम एशिया में पिछले 10 दिनों से जारी सैन्य संघर्ष के कारण पूरे खाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा और ऊर्जा आपूर्ति को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। सऊदी अरब ने अपने दक्षिण-पूर्वी हिस्से में स्थित एक प्रमुख ऑयलफील्ड को निशाना बना रहे ड्रोन को मार गिराया। सऊदी एयर डिफेंस ने रियाद के पास भेजे गए दो अन्य ड्रोन और एक बैलिस्टिक मिसाइल को भी रास्ते में ही नष्ट कर दिया। उधर ईरानी हमलों के बाद बहरीन की बाप्को एनर्जीज ने इसे अप्रत्याशित घटना बताते हुए आपात योजना लागू कर दी है, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा और ऊर्जा आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ गई है।

तुर्किये की सरकारी समाचार एजेंसी अनादोलु एजेंसी के मुताबिक सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने रविवार देर रात बताया कि देश की वायु रक्षा प्रणाली ने दक्षिण-पूर्व में स्थित शायबा ऑयलफील्ड को निशाना बना रहे एक ड्रोन को मार गिराया। यह ऑयलफील्ड रब-अल-खली रेगिस्तान में स्थित है। मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार, राजधानी रियाद के उत्तर में लक्ष्य बनाकर भेजे गए दो अन्य ड्रोन को भी सऊदी एयर डिफेंस ने रास्ते में ही नष्ट कर दिया। इसके अलावा प्रिंस सुल्तान एयर बेस की ओर दागी गई एक बैलिस्टिक मिसाइल को भी इंटरसेप्ट कर गिरा दिया गया। वहीं, रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी वीडियो में हाल के दिनों में लॉन्च किए गए कई ड्रोन को सऊदी वायु रक्षा प्रणाली के द्वारा नष्ट करते हुए दिखाया गया है।

इससे पहले सऊदी सिविल डिफेंस ने जानकारी दी थी कि सेंट्रल सऊदी अरब के अल-खार्ज गवर्नरेट में एक मेंटेनेंस और क्लीनिंग कंपनी के रिहायशी इलाके पर किए गए हमले में एक भारतीय और एक बांग्लादेशी नागरिक की मौत हो गई, जबकि 12 बांग्लादेशी घायल हो गए थे। विगत 28 फरवरी को अमेरिका एवं इजराइल द्वारा ईरान पर संयुक्त रूप से हमला किए जाने के बाद से ही पश्चिम एशिया अशांत है। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक इस हमले में सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई समेत 1,200 से अधिक लोग मारे गए और 10,000 से अधिक घायल हुए। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल, इराक, जॉर्डन और खाड़ी देशों की ओर मिसाइल और ड्रोन हमले किए, जहां अमेरिकी सैन्य ठिकाने मौजूद हैं। बहरीन न्यूज एजेंसी के अनुसार कंपनी ने सोमवार को कहा कि स्थानीय बाजार की सभी जरूरतें पहले से तय इमरजेंसी प्लान के तहत पूरी की जा रही हैं, ताकि ईंधन की आपूर्ति जारी रहे और घरेलू मांग पर कोई असर न पड़े। कंपनी ने कहा कि वह अपने सहयोगियों और संबंधित संस्थाओं को हालात से जुड़े ताजा सूचना देती रहेगी।

महाराष्ट्र में नए ऑटो रिक्शा परमिट पर लगी रोक

एजेंसी, मुंबई

महाराष्ट्र में नए ऑटो रिक्शा परमिट जारी करने पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। प्रदेश के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने सोमवार को बताया कि सूबे में आज से नए ऑटो रिक्शा परमिट जारी नहीं किए जाएंगे। सरनाईक ने कहा कि नए ऑटो रिक्शा परमिट के लिए नई पॉलिसी बनाई जाएगी। इसके बाद फिर से नए ऑटो रिक्शा परमिट जारी करने का निर्णय लिया जाएगा।

परिवहन मंत्री ने मुंबई में मीडिया से बातचीत में कहा कि राज्य के बड़े शहरों में ऑटो रिक्शा की संख्या काफी बढ़ गई है, जिससे ट्रैफिक जाम की समस्या गंभीर होती जा रही है। खासकर मुंबई और उसके आस-पास के इलाकों में रिक्शा की बढ़ती संख्या से ट्रैफिक पर काफी दबाव पड़ रहा है। इसे देखते हुए राज्य में ऑटो रिक्शा का परमिट जारी नहीं करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि ऑटो रिक्शा के परमिट का हस्तांतरण पूर्ववत किया जा सकता है। प्रताप सरनाईक ने कहा कि इस संबंध में महाराष्ट्र सरकार ने केंद्र सरकार से बातचीत की थी।

उन्होंने कहा कि राज्य में करीब 14 लाख ऑटो रिक्शा परमिट बांटे गए हैं। कुछ जगहों पर ऐसी शिकायतें हैं कि एक ही परिवार के कई सदस्यों को परमिट दिए गए हैं। साथ ही, कुछ मामलों में सरकार को ऐसी शिकायतें मिली हैं कि बांग्लादेशी नागरिकों ने भी गैर-कानूनी तरीके से परमिट हासिल किए हैं। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए परमिट सिस्टम को ज्यादा पारदर्शी और नियंत्रणीय बनाने के लिए यह फैसला लिया गया है। उन्होंने यह भी साफ किया कि राज्य में 5 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों में ऑटो रिक्शा परमिट के बारे में फैसला लेने का अधिकार राज्य सरकार के पास है इसलिए, लोकल हालात, ट्रांसपोर्ट की जरूरतों और नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जल्द ही नई पॉलिसी तैयार की जाएगी।

खाड़ी देशों से 50 हजार नेपाली नागरिकों ने लौटने के लिए आवेदन दिया

एजेंसी, काठमांडू

अमेरिका–ईरान युद्ध के कारण खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच वहां काम कर रहे 50 हजार से अधिक नेपाली श्रमिकों ने अपनी वापसी के बारे में सरकार को आवेदन दिया है। तनाव बढ़ने के बाद सरकार ने खाड़ी देशों में कार्यरत नेपाली श्रमिकों का विवरण एकत्र करने के लिए विदेश मंत्रालय को निर्देश दिया था। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि खाड़ी क्षेत्र में तेजी से बदलती स्थिति पर सरकार लगातार नजर बनाए हुए है। इसके बाद कांसुलर विभाग ने ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली 3 मार्च से शुरू की, जिसमें कुल 51,405 नेपाली श्रमिकों ने अपनी जानकारी दर्ज कराई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लोक बहादुर पौडेल के अनुसार पंजीकरण में दी गई जानकारी के आधार पर श्रमिकों की सुरक्षा स्थिति का आकलन किया जा रहा है और उसी के अनुसार प्राथमिकता तय कर बचाव प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन दर्ज जानकारी के आधार पर हमने यह पहचान की है कि कौन नेपाली सुरक्षित है और कौन असुरक्षित। जिन्होंने खुद को असुरक्षित बताया है, उनके बारे में दूतावास के माध्यम से जानकारी ली जाएगी। यदि किसी को अत्यधिक जोखिम में पाया गया तो उसे प्राथमिकता के आधार पर निकालने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।"

प्रवक्ता के अनुसार समस्याओं में फंसे नेपाली श्रमिकों के लिए उनके नियोक्ताओं के साथ भी समन्वय किया जाएगा। सरकार ने खाड़ी क्षेत्र में रह रहे सभी नेपाली नागरिकों से अपनी स्थिति बताने के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरने का अनुरोध किया है। हालांकि अब तक कितने लोगों ने खुद को सुरक्षित या असुरक्षित बताया है, इसकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।

युद्ध के कारण हवाई सेवा प्रभावित: 28 फरवरी से शुरू हुए ईरान इजरायल और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध के कारण काठमांडू और खाड़ी देशों के बीच हवाई सेवा लगभग 10 दिनों तक बंद रही। फिलहाल Emirates और अन्य कुछ एयरलाइनों के माध्यम से यूएई से आंशिक उड़ानें शुरू हो चुकी हैं, लेकिन दोहा–काठमांडू उड़ान अभी तक शुरू नहीं हुई है। उड़ानें बाधित होने के कारण नेपाली नागरिकों सहित सैकड़ों यात्री खाड़ी के विभिन्न शहरों में फंसे हुए हैं और कई श्रमिक अभी तक स्वदेश नहीं लौट पाए हैं।

ईरान के मिसाइल हमले से एक नेपाली नागरिक की मौत भी हो चुकी है। 18 फागुन को अबूधाबी स्थित जायद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ईरानी ड्रोन को निष्क्रिय करने के दौरान गोरखा जिला के निवासी 29 वर्षीय दिवस श्रेष्ठ की मौत हो गई थी। वे एक मिडिल ईस्ट कंपनी में सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत थे। यूएई सरकार के अनुसार इस हमले में नेपाल, बांग्लादेश और पाकिस्तान के एक-एक नागरिक की मृत्यु हुई थी।

अबूधाबी स्थित नेपाली दूतावास की प्रवक्ता रंजिता दहाल के अनुसार शुरुआत में श्रमिकों में काफी डर था, लेकिन अब स्थिति को लेकर जागरूकता बढ़ने के साथ भय कुछ कम हुआ है। उन्होंने बताया कि दूतावास 24 घंटे हेल्पलाइन सेवा दे रहा है और जो नेपाली आपात स्थिति में तुरंत स्वदेश लौटना चाहते हैं, उनके लिए एयरलाइंस के साथ समन्वय किया जा रहा है। इस बीच कुवैत में ट्रांजिट के दौरान फंसे 50 नेपाली नागरिकों के लिए नेपाली दूतावास और नॉन रेजिडेंट नेपाल एसोशिएशन ने मिलकर भोजन और आवास की व्यवस्था की है।

बौद्धिक प्रदूषण और नशे के विरुद्ध सामाजिक उत्तरदायित्व -21वीं सदी की दो अदृश्य वैश्विक चुनौतियाँ

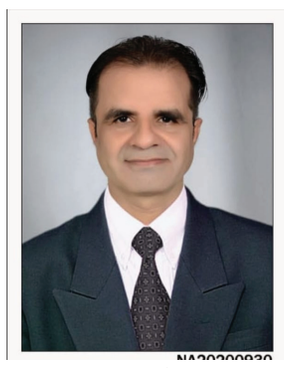

लोकतंत्र की शान

» बौद्धिक प्रदूषण और नशे के खिलाफ लड़ाई, केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं,एक सामाजिक युद्ध

» बौद्धिक प्रदूषण और नशे के खिलाफ़ लड़ाई वास्तव में समाज, परिवार,शिक्षा तंत्र, स्वास्थ्य संस्थान,मीडिया, धार्मिक -सांस्कृतिक समुदायों और शासन प्रणाली, इन सभी का संयुक्त युद्ध है-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

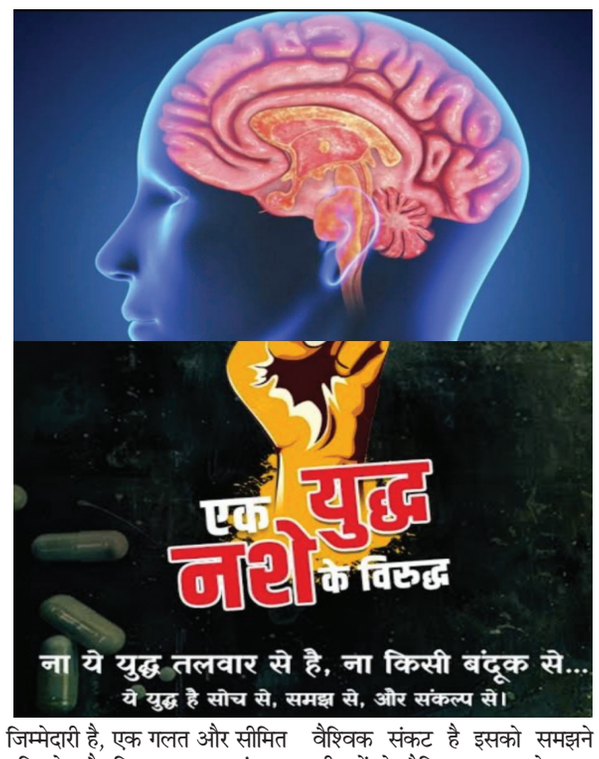

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर 21वीं सदी मानव सभ्यता को तकनीक, विज्ञान, स्वास्थ्य, पर्यावरण और शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व ऊँचाइयों तक ले जा रही है, लेकिन इसी प्रगति के समानांतर दुनियाँ दो ऐसी अदृश्य और बढ़ती चुनौतियों से जूझ रही है, जिनका प्रभाव कहीं अधिक व्यापक, गहरा और दीर्घकालिक स्तरपर भविष्य के निर्माता युवाओं पर पड़ रहा है है, वो है बौद्धिक प्रदूषण और नशा जिसके खिलाफ़ समाज की सामूहिक जिम्मेदारी बन गई है।पर्यावरणीय प्रदूषण के समाधान की दिशा में वैश्विक तंत्र,कानून, विज्ञान और तकनीक सतत सुधार के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हवा, पानी, प्लास्टिक, कचरा, औद्योगिक उत्सर्जन और कार्बन फुटप्रिंट को नियंत्रित करने के लिए नीतियाँ, शोध, संस्थान और संसाधन मौजूद हैं, लेकिन बौद्धिक प्रदूषण और नशे के विरुद्ध सामाजिक उत्तरदायित्व उतनी तेजी और सटीकता से नहीं बन पा रहा है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि जब प्रश्न मानव चेतना, विचार, मूल्य और मानसिकता के प्रदूषण का हो,तो समाधान पारंपरिक नहीं रह जाता, बल्कि वह नैतिक, बौद्धिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक हस्तक्षेपों पर आधारित हो जाता है। यही कारण है कि बौद्धिक प्रदूषण किसी भी सभ्यता को भीतर से कमजोर करने वाला सबसे खतरनाक ''अदृश्य स्मॉग'' बन चुका है, जिसकी तुलना किसी भी भौतिक प्रदूषण से नहीं की जा सकती।इसी प्रकार नशा आज केवल स्वास्थ्य का संकट नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, सुरक्षा, जनसंख्या, परिवार, शिक्षा, अपराध, मानव संसाधन और राष्ट्रीय विकास से जुड़ेबहुआयामी संकट का रूप ले चुका है। यह सोचना कि नशाखोरी रोकना केवल पुलिस, कानून या दंड व्यवस्था की जिम्मेदारी है, एक गलत और सीमित दृष्टिकोण है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार नशे के बढ़ते मामलों में 70 प्रतिशत जड़ें सामाजिक व्यवहार, वातावरण,परिवार, सांस्कृतिक प्रभाव और मानसिक तनाव से जुड़ी होती हैं, जबकि कानून केवल अंतिम चरण में हस्तक्षेप करता है। इसलिए नशे के खिलाफ लड़ाई वास्तव में समाज,परिवार शिक्षा तंत्र, स्वास्थ्य संस्थान, मीडिया, धार्मिक-सांस्कृतिक समुदायों और शासन प्रणाली इन सभी का संयुक्त युद्ध है। साथियों बात अगर हम बौद्धिक प्रदूषण एक अदृश्य खतरा और वैश्विक संकट है इसको समझने की करें तो बौद्धिक प्रदूषण को सरल शब्दों में परिभाषित किया जाए तो यह वह स्थिति है जब मनुष्य की सोच, समझ, विवेक, निर्णय-क्षमता और नैतिक चेतना गलत,भ्रमित, पक्षपातपूर्ण उग्र, हिंसक, असत्य या दुष्प्रभावित विचारों से प्रभावित हो जाती है। यह प्रदूषण किसी फैक्ट्री के धुएँ या वाहन के धुएँ की तरह दिखाई नहीं देता, लेकिन इसका नुकसान किसी भी वायु प्रदूषण से बड़ा हो सकता है, क्योंकि यह व्यक्ति को विचारों, धारणाओं और सूचनाओं के भ्रमजाल में फँसा कर उसकी तार्किक क्षमता और सामाजिक चेतना को नष्ट कर देता है। फेक न्यूज, नफरत आधारित प्रचार, कट्टर राष्ट्रवाद, उग्रवाद, नस्लीय विभाजन, षड्यंत्र,धार्मिक उन्माद, डिजिटल हेरफेर, गलत सूचना, दुष्प्रचार, हेट स्पीच और सोशल मीडिया एल्गोरिद्म के माध्यम से फैलने वाला भ्रम,आज दुनियाँ भर के देशों में बौद्धिक प्रदूषण के मुख्य स्रोत बन चुके हैं।तकनीक और ज्ञान की उपलब्धता जितनी तेज़ी से बढ़ी है, उतनी ही तेजी से मानव मन की ग्रहणशीलता पर अनियंत्रित सूचनाओं का बोझ बढ़ा है। इंटरनेट ने सूचना को लोकतांत्रिक बनाया, लेकिन उसी ने अज्ञान को भी संस्थागत रूप दे दिया। अब सत्य और असत्य में फर्क करना एक आम नागरिक के लिए पहले से कहीं अधिक कठिन हो गया है। यह बौद्धिक धुंध न केवल व्यक्ति के विवेक को प्रभावित करती है, बल्कि लोकतंत्र, सामाजिक सद्भाव, शिक्षा, वैज्ञानिक सोच और मानवीय मूल्यों को भी कमजोर करती है। इतिहास गवाह है कि सभ्यताएँ बाहरी हमलों से कम, आंतरिक भ्रम, विभाजन, गलत विचारधारा और मानसिकप्रदूषण से अधिक टूटती हैं। इसी कारण बौद्धिक प्रदूषण मानवता के लिए एक ''साइलेंट ग्लोबल पैंडेमिक'' बनकर उभरा है। साथियों बात अगर हम क्या बौद्धिक प्रदूषण का समाधान संभव है? इसको समझने की करें तो, भौतिक प्रदूषण के समाधान स्पष्ट हैं, फिल्टर, रिसाइक्लिंग प्रतिबंध, तकनीक, कानून और स्वच्छ ऊर्जा। लेकिन बौद्धिक प्रदूषण का समाधान विज्ञान नहीं, बल्कि चेतना, शिक्षा, नैतिकता, संवाद, मीडिया जिम्मेदारी और सामाजिक संरचना के सुधार में निहित है। यह प्रदूषण तब पनपता है जब समाज तर्क की जगह अंधानुकरण को अपनाता है,जब शिक्षा ज्ञान की जगह अंकों पर आधारित हो जाती है, जब मीडिया सूचना की जगह सनसनी को बेचने लगता है,और जब तकनीक सत्य की जगह भ्रम को अधिक प्रोत्साहित करती है। इसलिए समाधान बहुस्तरीय होना चाहिए,समालोचनात्मक सोच पर आधारित शिक्षा, डिजिटल साक्षरता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तथ्य-आधारित संवाद, मीडिया पारदर्शिता, सामाजिक संवाद, युवा नेतृत्व और बहु सांस्कृतिक सम्मान की संस्कृति। बौद्धिक प्रदूषण को किसी एक संस्था, कानून या सरकार द्वारा नियंत्रित नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह एक मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक चुनौती है। यह समाधान तभी संभव है जब वैश्विक समाज सत्य को मूल्य के रूप में स्वीकार करे, संवाद को संघर्ष से ऊपर रखे और शिक्षा को नौकरी नहीं बल्कि चेतना- निर्माण का माध्यम समझे। हर परिवार,हर स्कूल,हर विश्वविद्यालय और हर राष्ट्र को यह स्वीकार करना होगा कि विचारों की शुद्धता सभ्यता के अस्तित्व के लिए अनिवार्य है। यदि मन प्रदूषित है तो प्रगति विनाश बन जाती है, और यदि विचार निर्मल हैं तो मानवता हर संकट का समाधान ढूँढ सकती है। साथियों बात अगर हम नशे के खिलाफ़ लड़ाई,केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं,एक सामाजिक युद्ध है इसको समझने की करें तो, नशा किसी एक देश, समाज, धर्म, वर्ग या उम्र की समस्या नहीं, बल्कि वैश्विक महामारी है। ड्रग्स, शराब, तंबाकू, सिंथेटिक नशीले पदार्थ, प्रिस्क्रिप्शन ड्रग्सका दुरुपयोग, गेमिंग और डिजिटल एडिक्शन ये सभी आधुनिक नशे के विस्तृत रूप हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार दुनियाँ में हर वर्ष 3 करोड़ से अधिक लोग नशे से सीधे प्रभावित होते हैं और लाखों की मौतें इससे जुड़ी बीमारियों और अपराधों के माध्यम से होती हैं। नशा केवल एक स्वास्थ्य समस्या नहीं,बल्कि अपराध, सीमा पार तस्करी, आतंकवाद, मानव तस्करी,घरेलू हिंसा, सड़क दुर्घटनाएँ,आत्महत्या, स्कूल ड्रॉप -आउट, बेरोजगारी और आर्थिक क्षति जैसे व्यापक संकटों को जन्म देता है।यह मान लेना कि इस समस्या को पुलिस, कानून और दंडात्मक व्यवस्था अकेले समाप्त कर देगी, एक बड़ी भूल है। पुलिस केवल अपराध को रोक सकती है, आदत को नहीं; कानून केवल सजा दे सकता है, मानसिकता को नहीं; और दंड केवल भय पैदा कर सकता है, समाधान नहीं। नशे की जड़ें मानसिक तनाव, सामाजिक दबाव, परिवारिक टूटन, बेरोजगारी, अकेलापन, हिंसा, निराशा, असमानता और गलत संगत में छिपी होती हैं। इसलिए नशा एक मनोवैज्ञानिक सामाजिक और सांस्कृतिक संकट है, जिसका समाधान केवल दंड नहीं बल्कि पुनर्वास, संवाद,शिक्षा,सामुदायिक सहयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व में है। परिवारों को प्रारंभिक पहचान सीखनी होगी, स्कूलों को निवारक शिक्षा देनी होगी,मीडिया को नैतिक जिम्मेदारी निभानी होगी, स्वास्थ्य संस्थानों को उपचार और परामर्श को केंद्र में रखना होगा, और समाज को नशाखोर को अपराधी नहीं बल्कि रोगी के रूप में समझकर उसके पुनर्निर्माण का प्रयास करना होगा। यह संघर्ष तभी जीता जा सकता है जब समाज नशे को शर्म नहीं, समस्या माने; अपराध नहीं, बीमारी समझे; और दंड नहीं, उपचार को प्राथमिकता दे। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि बौद्धिक प्रदूषण और नशा दोनों अदृश्य संकट हैं, लेकिन इनके प्रभाव दृश्यमान,गहरे और विनाशकारी हैं। पहला मानव की सोच को विकृत करता है, दूसरा शरीर और जीवन को नष्ट करता है। एक सभ्यता को भीतर से गिराता है, दूसरा समाज की ऊर्जा और युवा शक्ति को खोखला करता है। और सबसे महत्वपूर्ण,इन दोनों से लड़ाई केवल कानून या सरकार नहीं जीत सकती। यह मानवता का संघर्ष है, समाज का दायित्व है, शिक्षा का मिशन है और प्रत्येक नागरिक की जागरूक भूमिका का विषय है। यदि विचार शुद्ध हों और समाज जिम्मेदार हो, तो मानवता इन दोनों संकटों पर विजय पा सकती है। लेकिन यदि हम मौन रहे, उदासीन रहे या जिम्मेदारी टालते रहे,तो प्रगति के बावजूद सभ्यता का भविष्य सुरक्षित नहीं रहेगा।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र
9226229318

राजनीतिक घृणा की अति और देश की प्रतिष्ठा

लेखिका- डॉ. प्रियंका सौरभ

लोकतंत्र में असहमति और आलोचना को एक स्वस्थ परंपरा माना जाता है। सत्ता में बैठी सरकार, उसके निर्णयों और उसके नेतृत्व पर सवाल उठाना नागरिकों का अधिकार भी है और लोकतंत्र की मजबूती का प्रमाण भी। लेकिन जब आलोचना की सीमाएँ टूटकर व्यक्तिगत कटाक्ष, उपहास और अपमान तक पहुँच जाती हैं, तब यह केवल राजनीतिक असहमति नहीं रह जाती, बल्कि एक ऐसी मानसिकता का रूप ले लेती है जो लोकतांत्रिक संवाद को कमजोर करती है। हाल के वर्षों में भारतीय राजनीति में वैचारिक मतभेदों की जगह कटुता और घृणा ने तेजी से स्थान बना लिया है। किसी भी घटना, उपलब्धि या राष्ट्रीय आयोजन को देखने से पहले उसे राजनीतिक चश्मे से परखने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। यही कारण है कि कई बार देश से जुड़ी उपलब्धियों या आयोजनों को भी कुछ लोग केवल इसलिए तिरस्कार की दृष्टि से देखने लगते हैं क्योंकि उनका संबंध उस नेतृत्व या सरकार से जोड़ दिया जाता है जिससे वे वैचारिक रूप से असहमत होते हैं। खेल के मैदान को सामान्यतः राजनीति से अलग माना जाता है। खेल में प्रतिस्पर्धा होती है, हार-जीत होती है, लेकिन अंततः खेल भावना ही सर्वोपरि रहती है। किंतु जब खेल के मंच को भी राजनीतिक कटाक्ष और व्यक्तिगत टिप्पणियों का माध्यम बना दिया जाए, तो यह खेल की गरिमा और राष्ट्रीय भावना दोनों को आहत करता है। क्रिकेट जैसे खेल, जो भारत में करोड़ों लोगों की भावनाओं से जुड़ा है, उसे भी जब राजनीतिक तंज का विषय बना दिया जाता है तो यह प्रवृत्ति चिंताजनक प्रतीत होती है। विडंबना यह है कि जिस स्टेडियम के नाम को लेकर कुछ लोगों ने व्यंग्य और कटाक्ष का सहारा लिया, उसी मैदान पर भारत ने विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया। यह घटना केवल खेल की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि प्रतीकात्मक रूप से भी बहुत कुछ कहती है। इससे यह स्पष्ट होता है कि क्षणिक राजनीतिक टिप्पणियाँ और नकारात्मक बयानबाजी अंततः वास्तविक उपलब्धियों के सामने टिक नहीं पातीं। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र में यह स्वाभाविक है कि सभी लोग एक ही राजनीतिक विचारधारा से सहमत नहीं होंगे। कोई भी नेता या सरकार आलोचना से परे नहीं हो सकती। लेकिन यह भी उतना ही आवश्यक है कि आलोचना तथ्यों, तर्कों और मर्यादा के आधार पर हो। जब आलोचना का स्वरूप गिरकर केवल व्यंग्य, अपमान और उपहास तक सीमित हो जाता है, तब वह लोकतांत्रिक संवाद की गरिमा को कम कर देता है। सोशल मीडिया के विस्तार ने इस समस्या को और भी जटिल बना दिया है। आज हर व्यक्ति के पास अपनी राय व्यक्त करने का मंच है। यह लोकतांत्रिक दृष्टि से सकारात्मक भी है, क्योंकि इससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को नया विस्तार मिला है। लेकिन इसके साथ ही यह भी देखने में आता है कि कई बार बिना तथ्य जाँचे, बिना गंभीरता से सोचे लोग ऐसी टिप्पणियाँ कर देते हैं जो अनावश्यक विवाद और कटुता को जन्म देती हैं। कई बार लोग केवल किसी समूह विशेष को खुश करने या भीड़ का हिस्सा बनने के लिए ऐसी भाषा का प्रयोग करने लगते हैं जो किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कही जा सकती। राजनीतिक संवाद में भाषा की मर्यादा का विशेष महत्व होता है। शब्द केवल विचार व्यक्त नहीं करते, बल्कि समाज के वातावरण को भी प्रभावित करते हैं। जब सार्वजनिक जीवन में प्रयुक्त भाषा लगातार कठोर और अपमानजनक होती जाती है, तो उसका प्रभाव समाज के सामान्य व्यवहार पर भी पड़ता है। धीरे-धीरे असहमति को दुश्मनी और आलोचना को अपमान समझने की प्रवृत्ति बढ़ने लगती है। भारतीय राजनीतिक परंपरा में व्यंग्य और कटाक्ष की अपनी एक जगह रही है, लेकिन इसके साथ एक प्रकार का संतुलन और मर्यादा भी दिखाई देती थी। आज स्थिति कई बार ऐसी दिखाई देती है जहाँ शब्दों की तीव्रता और भाषा की कठोरता संवाद की संभावनाओं को ही समाप्त कर देती है। इससे समाज में अनावश्यक तनाव और विभाजन की स्थिति पैदा होती है। इस संदर्भ में यह समझना भी आवश्यक है कि किसी भी लोकतंत्र में स्वस्थ आलोचना अनिवार्य होती है। यदि सरकार या नेतृत्व से कोई भूल होती है तो उसकी आलोचना होना स्वाभाविक है।

सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले की महिला शिक्षा और सशक्तिकरण में भूमिका

लेखक - संजय गोस्वामी

सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले एक जानी-मानी भारतीय समाज सुधारक, शिक्षाविद और कवि थीं, जिन्होंने उन्नीसवीं सदी में महिलाओं की शिक्षा और उन्हें मज़बूत बनाने में अहम भूमिका निभाई। उस समय की कुछ पढ़ी-लिखी महिलाओं में गिनी जाने वाली सावित्रीबाई को अपने पति ज्योतिराव फुले के साथ पुणे के भिड़े वाडा में पहला लड़कियों का स्कूल खोलने का क्रेडिट दिया जाता है। उन्होंने बाल विधवाओं को पढ़ाने और उनकी आज़ादी के लिए बहुत कोशिश की, बाल विवाह और सती प्रथा के खिलाफ़ कैंपेन चलाया और विधवाओं की दोबारा शादी की वकालत की। महाराष्ट्र के समाज सुधार आंदोलन की एक जानी-मानी हस्ती, उन्हें बी. आर. अंबेडकर और अन्नाभाऊ साठे जैसे लोगों के साथ दलित मांग जाति का आइकॉन माना जाता है। उन्होंने छुआछूत के खिलाफ़ कैंपेन चलाया और जाति और लिंग के आधार पर भेदभाव को खत्म करने में एक्टिव रूप से काम किया। सावित्रीबाई का जन्म 3 जनवरी, 1831 को ब्रिटिश इंडिया के नायगांव (अभी सतारा ज़िले में) में एक किसान परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम खंडोजी नेवेशे पाटिल था और उनकी सबसे बड़ी बेटी लक्ष्मी थीं। उन दिनों लड़कियों की शादी जल्दी कर दी जाती थी, इसलिए आम रीति-रिवाजों के हिसाब से, 9 साल की सावित्रीबाई की शादी 1840 में 12 साल के ज्योतिराव फुले से कर दी गई। ज्योतिराव आगे चलकर एक विचारक, लेखक, सोशल एक्टिविस्ट और जाति-विरोधी समाज सुधारक बने। उन्हें महाराष्ट्र के समाज सुधार आंदोलन के जाने-माने लोगों में गिना जाता है। सावित्रीबाई की पढ़ाई शादी के बाद शुरू हुई। उनके पति ने उन्हें पढ़ना-लिखना सिखाया, जब उन्होंने उनकी सीखने और खुद को शिक्षित करने की इच्छा देखी। उन्होंने एक नॉर्मल स्कूल से तीसरे और चौथे साल की परीक्षा पास की और पढ़ाने का शौक रखने लगीं। उन्होंने अहमदनगर में सुश्री फरार इंस्टीट्यूशन से ट्रेनिंग ली। ज्योतिराव सावित्रीबाई के सभी सामाजिक कामों में मज़बूती से उनके साथ खड़े रहे। पुणे (उस समय पूना) में लड़कियों के लिए पहला स्वदेशी स्कूल ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने 1848 में शुरू किया था, जब सावित्रीबाई अभी टीनएज में थीं। हालाँकि इस कदम के लिए उन्हें परिवार और समाज दोनों से अलग-थलग कर दिया गया था, लेकिन इस पक्के इरादे वाले जोड़े को उनके एक दोस्त उस्मान शेख और उनकी बहन फातिमा शेख ने पनाह दी, जिन्होंने फुले जोड़े को स्कूल शुरू करने के लिए अपनी जगह भी दी। सावित्रीबाई स्कूल की पहली टीचर बनीं। ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने बाद में मांग और महार जातियों के बच्चों के लिए स्कूल शुरू किए, जिन्हें अछूत माना जाता था। 1852 में तीन फुले स्कूल चल रहे थे। उस साल 16 नवंबर को, ब्रिटिश सरकार ने फुले परिवार को शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया, जबकि सावित्रीबाई को बेस्ट टीचर चुना गया। उस साल उन्होंने महिलाओं में उनके अधिकारों, सम्मान और दूसरे सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करने के मकसद से महिला सेवा मंडल भी शुरू किया। वह विधवाओं के सिर मुंडवाने के मौजूदा रिवाज का विरोध करने के लिए मुंबई और पुणे में नाइयों की हड़ताल कराने में सफल रहीं। फुले दंपत्ति द्वारा चलाए जा रहे तीनों स्कूल 1858 तक बंद हो गए। इसके कई कारण थे, जिनमें 1857 के भारतीय विद्रोह के बाद प्राइवेट यूरोपियन डोनेशन का सूख जाना, करिकुलम पर मतभेद के कारण स्कूल मैनेजमेंट कमेटी से ज्योतिराव का इस्तीफा और सरकार से सपोर्ट वापस लेना शामिल था। हालात से हारे बिना ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने फातिमा शेख के साथ मिलकर दबे-कुचले समुदायों के लोगों को भी पढ़ाने का जिम्मा उठाया। इतने सालों में, सावित्रीबाई ने 18 स्कूल खोले और अलग-अलग जातियों के बच्चों को पढ़ाया। सावित्रीबाई और फातिमा शेख ने महिलाओं के साथ-साथ दबी-कुचली जातियों के दूसरे लोगों को भी पढ़ाना शुरू किया। यह बात कई लोगों को अच्छी नहीं लगी, खासकर पुणे की ऊंची जाति के लोगों को, जो दलितों की पढ़ाई के खिलाफ थे। सावित्रीबाई और फातिमा शेख को वहां के लोगों ने धमकाया और उन्हें समाज में परेशान और बेइज्जत भी किया गया। जब सावित्रीबाई स्कूल की तरफ जाती थीं, तो उन पर गोबर, कीचड़ और पत्थर फेंके जाते थे। हालांकि, ऐसे जुल्म भी पक्के इरादे वाली सावित्रीबाई को उनके मकसद से रोक नहीं पाए और वह दो साड़ियां साथ रखती थीं। सावित्रीबाई और फातिमा शेख के साथ बाद में सगुना बाई भी जुड़ गईं, जो आखिरकार एजुकेशन मूवमेंट में एक लीडर बन गईं। इस बीच, 1855 में फुले दंपत्ति ने किसानों और मजदूरों के लिए एक नाइट स्कूल भी खोला ताकि वे दिन में काम कर सकें और रात में स्कूल जा सकें। स्कूल छोड़ने वालों की संख्या को रोकने के लिए, सावित्रीबाई ने बच्चों को स्कूल जाने के लिए स्टाइपेंड देने की प्रैक्टिस शुरू की। वह जिन छोटी लड़कियों को पढ़ाती थीं, उनके लिए वह एक प्रेरणा बनी रहीं। उन्होंने उन्हें लिखने और पेंटिंग जैसी एक्टिविटीज़ करने के लिए हिम्मत दी। सावित्रीबाई की एक स्टूडेंट मुक्ता साल्वे का लिखा एक निबंध उस समय दलित फेमिनिज़्म और लिटरेचर का चेहरा बन गया। उन्होंने पेरेंट्स को शिक्षा के महत्व के बारे में अवेयर करने के लिए रेगुलर इंटरवल पर पेरेंट-टीचर मीटिंग कीं ताकि वे अपने बच्चों को रेगुलर स्कूल भेजें। 1863 में, ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने भी शुरू किया।'बालहत्या रोकथाम गृह' नाम का एक केयर सेंटर, शायद भारत में बना पहला शिशु हत्या रोकथाम गृह था। इसे इसलिए बनाया गया था ताकि गर्भवती ब्राह्मण विधवाएं और रेप पीड़ित अपने बच्चों को सुरक्षित जगह पर जन्म दे सकें, जिससे विधवाओं की हत्या को रोका जा सके और शिशु हत्या की दर भी कम हो सके। 1874 में, ज्योतिराव और सावित्रीबाई, जो वैसे निःसंतान थे, ने काशीबाई नाम की एक ब्राह्मण विधवा से एक बच्चा गोद लिया, जिससे समाज के प्रगतिशील लोगों को एक मज़बूत संदेश मिला। गोद लिया हुआ बेटा, यशवंतराव, बड़ा होकर डॉक्टर बना। ज्योतिराव ने विधवाओं की दोबारा शादी की वकालत की, वहीं सावित्रीबाई ने बाल विवाह और सती प्रथा जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ़ बहुत मेहनत की। ये दो सबसे सेंसिटिव सामाजिक मुद्दे थे जो धीरे-धीरे महिलाओं के वजूद को कमज़ोर कर रहे थे। उन्होंने बाल विधवाओं को पढ़ा-लिखाकर और उन्हें मज़बूत बनाकर मुख्यधारा में लाने की भी कोशिश की और उनकी दोबारा शादी की भी वकालत की। इन कोशिशों का रूढ़ीवादी ऊँची जाति के समाज ने कड़ा विरोध भी किया।उन्होंने अपने पति के साथ मिलकर छुआछूत और जाति व्यवस्था को खत्म करने, निचली जातियों के लोगों के लिए बराबर अधिकार दिलाने और हिंदू पारिवारिक जीवन में सुधार लाने की कोशिशों में साथ दिया। इस जोड़े ने अपने घर में अछूतों के लिए एक कुआँ खोला, उस ज़माने में जब अछूत की परछाई भी अपवित्र मानी जाती थी और लोग प्यासे अछूतों को पानी देने से भी हिचकिचाते थे। वह ज्योतिराव द्वारा 24 सितंबर, 1873 को पुणे में शुरू किए गए 'सत्यशोधक समाज' नाम के एक सोशल रिफॉर्म सोसाइटी से भी जुड़ी थीं।

ज्ञान की जननी सावित्रीबाई फुले:जिन्होंने समाज की बेड़ियाँ काटकर उड़ना सिखाया

लेखक- सुनील कुमार महला

सावित्रीबाई फुले भारत की प्रथम महिला शिक्षिका (महिला शिक्षा की अग्रदूत) ही नहीं, बल्कि एक प्रखर विचारक, महिला सशक्तीकरण की प्रेरणा, सामाजिक न्याय के संघर्ष की प्रतीक और महान समाज सुधारक थीं। प्रत्येक वर्ष 10 मार्च को उनकी पुण्यतिथि मनाई जाती है। यह उल्लेखनीय है कि वर्ष 1848 में उन्होंने अपने पति ज्योतिराव फुले के साथ मिलकर पुणे के भिंडेवाड़ा में लड़कियों के लिए भारत का पहला आधुनिक विद्यालय शुरू किया था। वे भारत की पहली महिला प्रधानाध्यापिका (हेडमिस्ट्रेस) भी बनीं। उस दौर में किसी महिला द्वारा प्रशासनिक पद संभालना अपने आप में एक क्रांतिकारी व बड़ा साहसिक कदम था। साहसिक व बड़ा कदम इसलिए क्योंकि उस समय भारतीय समाज में लड़कियों की शिक्षा को स्वीकार नहीं किया जाता था। जिस समय समाज के एक बड़े वर्ग को वेदों और शिक्षा से दूर रखा जाता था, उस समय सावित्रीबाई फुले ने दलितों, पिछड़ों और महिलाओं को संबोधित करते हुए यह बात कही थी कि- सुनहरे अवसर को हाथ से न जाने दें। उन्होंने शिक्षा को दुखों का अंत करने वाली संजीवनी बताया। वास्तव में, उनका मानना था कि शिक्षा केवल अक्षर-ज्ञान नहीं, बल्कि शिक्षा तो अन्याय और समाज में फैली कुरीतियों, कुप्रथाओं के विरुद्ध खड़े होने का साहस है। कहना ग़लत नहीं होगा कि सावित्रीबाई फुले ने ऐसे समय में महिला शिक्षा की मशाल जलाई, जब लड़कियों को पढ़ाना समाज में पाप समझा जाता था। कहते हैं कि वे जब स्कूल पढ़ाने जाती थीं, तब कई लोग उनका विरोध करते थे और उन पर पत्थर तथा कीचड़ तक फेंकते थे। यही कारण था कि वे अपने साथ एक अतिरिक्त साड़ी लेकर चलती थीं, ताकि स्कूल पहुँचकर कपड़े बदल सकें। उनका जीवन केवल साक्षरता तक सीमित नहीं था, बल्कि वे आर्थिक और वैचारिक स्वतंत्रता की भी मुखर समर्थक थीं। उनका साहस, त्याग और समाज सुधार के कार्य, आज भी भारत के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

भारत की पहली महिला कवयित्रीः- सावित्रीबाई फुले का नाम भारत की पहली महिला कवयित्रियों में भी लिया जाता है। उन्होंने महिलाओं की शिक्षा और समानता पर अनेक कविताएँ लिखीं। उनकी प्रमुख कृतियों में काव्य फुले (1854) और बावनकशी सुबोध रत्नाकर (1892) शामिल हैं। बावनकशी सुबोध रत्नाकर वस्तुतः ज्योतिबा फुले की जीवनी के रूप में लिखी गई काव्य रचना है, जिसमें पेशवा शासन के पतन और ज्योतिबा फुले के संघर्षों का सटीक ऐतिहासिक तथा सामाजिक चित्रण मिलता है। उनकी कविताओं में शिक्षा की महत्ता और जाति प्रथा के विरुद्ध तीखा प्रतिरोध दिखाई देता है, इसलिए उन्हें आधुनिक मराठी कविता का अग्रदूत भी माना जाता है।उनकी प्रसिद्ध कविता जाओ, शिक्षा प्राप्त करो (मराठी : 'जा, शिकवण घ्या') केवल एक कविता नहीं, बल्कि आधुनिक भारत का क्रांतिकारी घोषणापत्र मानी जाती है। यह कविता उनके काव्य संग्रह काव्य फुले का हिस्सा है। इस कविता में वे लिखती हैं-जाओ, शिक्षा प्राप्त करो, स्वावलंबी बनो, काम करो, ज्ञान और धन अर्जित करो।ज्ञान के बिना सब कुछ खो जाता है, ज्ञान के बिना हम पशु समान हो जाते हैं। इसलिए खाली मत बैठो, जाओ और शिक्षा प्राप्त करो। उनकी यह कविता दर्शाती है कि सावित्रीबाई फुले शिक्षा को सबसे अनमोल संपत्ति मानती थीं। उनके अनुसार मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु अज्ञान है। उनका मानना था कि गरीबी या जाति से भी बड़ी बाधा अज्ञान है, क्योंकि विद्या के बिना मनुष्य का विवेक नष्ट हो जाता है और वह शोषण का शिकार बनता है। वे विशेष रूप से महिलाओं के स्वावलंबन पर जोर देती थीं। उनके अनुसार शिक्षा का अंतिम उद्देश्य व्यक्ति को अपने पैरों पर खड़ा करना और आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाना है। उन्होंने समाज को यह स्पष्ट संदेश दिया कि आलस्य मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है और जो समय बीत गया वह वापस नहीं आता, इसलिए आज ही शिक्षा प्राप्त करने का संकल्प लेना चाहिए।

सत्यशोधक समाज की कमानः- वर्ष 1890 में ज्योतिराव फुले के निधन के बाद सावित्रीबाई फुले ने सत्यशोधक समाज की कमान संभाली। उन्होंने इसके सम्मेलनों की अध्यक्षता की और संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाया, जो उस समय के पुरुष प्रधान समाज में एक ऐतिहासिक उदाहरण था। ज्योतिबा फुले की मृत्यु के समय समाज की परंपरा के अनुसार अंतिम संस्कार में मुखाग्नि देने का अधिकार केवल पुरुष उत्तराधिकारी को होता था, लेकिन सावित्रीबाई फुले ने इस परंपरा को तोड़ते हुए स्वयं आगे बढ़कर उनके पार्थिव शरीर को मुखाग्नि दी। उन्नीसवीं सदी के भारत में किसी महिला द्वारा अंतिम संस्कार करना अकल्पनीय साहस का कार्य था। उन्होंने विवाह की एक नई पद्धति भी प्रारंभ की, जिसे सत्यशोधक विवाह कहा गया। इस विवाह पद्धति में ब्राह्मण पुजारियों की आवश्यकता नहीं होती थी और दहेज प्रथा का पूर्णतः विरोध किया जाता था। विवाह के मंत्रों के स्थान पर ऐसे संकल्प लिए जाते थे, जिनमें स्त्री-पुरुष समानता और शिक्षा पर बल दिया जाता था। सावित्रीबाई फुले ने बाल विवाह, सती प्रथा और छुआछूत जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ खुलकर आवाज उठाई तथा विधवाओं और अनाथ बच्चों के लिए आश्रय गृहों की स्थापना की।

गंभीर बोले- जीत द्रविड़ और लक्ष्मण को समर्पित

संजू ने कहा- सचिन की सलाह काम आई, सूर्या ने बुमराह को राष्ट्रीय धरोहर बताया

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराया। टीम तीसरी बार टी-20 में वर्ल्ड चैंपियन बनी। अहमदाबाद में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने चार विकेट झटके और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। टूर्नामेंट के आखिरी तीन मैचों में शानदार प्रदर्शन के कारण सैमसन को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। इसमें इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल और न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल की अहम पारियां शामिल हैं। उन्होंने टूर्नामेंट के 5 मैचों में 321 रन बनाए। संजू सैमसन ने टी-20 वर्ल्ड कप में अपने शानदार प्रदर्शन का श्रेय सचिन तेंदुलकर से हुई बातचीत को दिया। वहीं, कप्तान सूर्या ने जसप्रीत बुमराह को नेशनल धरोहर बताया। गंभीर बोले- जीत द्रविड़ और लक्ष्मण को समर्पित है।

दिव्या को प्राग चैलेंजर शतरंज में तीसरा स्थान, विश्व टॉप 10 में पहुँची

प्राग, चेक गणराज्य (एजेंसी)। वर्तमान महिला विश्व कप विजेता भारत की दिव्या देशमुख नें फ़ीडे कैंडिडेट के पहले प्राग चैलेंजर में 9 राउंड के बाद 5 अंक बनाते हुए तीसरा स्थान हासिल करते हुए ना सिर्फ़ विश्व टॉप 10 महिला खिलाड़ियों में खुद को शामिल कर लिया है बल्कि कैंडिडेट शुरू होने के पहले अपनी मजबूत दावेदारी भी प्रस्तुत कर दी है ।

दिव्या इस 10 खिलाड़ियों के राउंड रॉबिन मजबूत टूर्नामेंट में शामिल दो महिला खिलाड़ियों में से एक थी विश्व नंबर 3 चीन की जू जिनर भी इस मुक़ाबले का हिस्सा थी जो 2.5 अंकों के साथ अंतिम स्थान पर रही । दिव्या देशमुख नें आख़िरी राउंड में मेजबान चेक गणराज्य के स्टीफन हर्बेक को मात देते हुए अपनी दूसरी जीत दर्ज की । चेक गणराज्य के फिनेक वैक्लेव 6.5 अंकों के साथ पहले और स्पेन के यूफ़ा डेनियल 6 अंक बनाकर दूसरे स्थान पर रहे । भारत के सूर्य शेखर गांगुली 4 अंक बनाकर आठवें स्थान पर रहे । फ़िलहाल दिव्या 2510 फ़ीडे रेटिंग अंकों के साथ विश्व रैंकिंग में दसवें स्थान पर पहुँच गई है .2535 अंकों के साथ अभी भी कोनेरू हंपी विश्व में नंबर 5 और भारत की शीर्ष खिलाड़ी बनी हुई है ।

भारत ने 3 साल में 3 आईसीसी ट्रॉफी जीतीं

- एक टी-20 वर्ल्डकप में 100+ सिक्स लगाए, संजू ने कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा
- लगातार 2 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम, पहली बार होम टीम ने टाइटल जीता

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारत ने तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया। अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 5 विकेट पर 255 रन बनाए, न्यूजीलैंड की टीम 159 रन पर ऑलआउट हो गई।

इस जीत के साथ भारत ने तीन साल में तीसरी आईसीसी ट्रॉफी अपने नाम कर ली। साथ ही टीम इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप के एक एडिशन में 100 से ज्यादा छक्के लगाने वाली पहली टीम बनी, जबकि संजू सैमसन ने टूर्नामेंट में एक एडिशन में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाकर विराट कोहली का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

2024 का कारनामा 2026 में दोहराया- रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने 29 जून 2024 को टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था। टीम ने बारबाडोस में साउथ अफ्रीका को 7 रन के अंतर से हराया। आज टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्ड कप जीतने का कारनामा 2026 में भी दोहरा दिया।

3 इतिहास बदले

- **पहला-** पहली बार किसी होम टीम ने टी-20 वर्ल्ड कप जीता। इससे पहले कोई मेजबान टीम इस टूर्नामेंट में चैंपियन नहीं बनी।
- **दूसरा-** पहली बार किसी टीम ने लगातार दो टी-20 वर्ल्ड कप जीते। इससे पहले कोई भी टीम अपना टाइटल डिफेंड नहीं कर सकी थी।
- **तीसरा-** पहली बार किसी टीम ने तीन बार टी-20 वर्ल्ड कप जीते। किसी अन्य टीम ने इस टूर्नामेंट के 3 टाइटल नहीं जीते हैं।

फाइनल के टॉप रिकॉर्ड्स

भारत ने 3 साल में 2 टी-20 वर्ल्ड कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी जीती- भारत ने सिर्फ तीन साल के भीतर तीन आईसीसी ट्रॉफियां अपने नाम कर लीं। टीम ने 2024 में टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर 17 साल बाद यह खिताब हासिल किया। इसके बाद 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम कर जीत की लय बरकरार रखी और अब 2026 में टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर भारत ने तीन साल में तीसरी आईसीसी ट्रॉफी हासिल कर ली। टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल में दो-दो बार हारने वाली टीमों में पाकिस्तान, श्रीलंका और न्यूजीलैंड शामिल हैं। पाकिस्तान 2007 और 2022 में, श्रीलंका 2009 और 2012 में, जबकि न्यूजीलैंड 2021 और 2026 में फाइनल हार चुका है।

भारत 3 टी-20 वर्ल्डकप जीतने वाली पहला देश

भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में नया अध्याय लिख दिया। टीम इंडिया 2024 के बाद 2026 में भी चैंपियन बनी और टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब डिफेंड करने वाली पहली टीम बन गई। इसके साथ ही इंडिया तीन टी-20 वर्ल्ड कप (2007, 2024 और 2026) जीतने वाली दुनिया की पहली टीम भी बन गया। अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में जीत के साथ भारत ने पहली बार अपने घरेलू मैदान पर टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी भी जीती। इससे पहले टीम ने 2007 में साउथ अफ्रीका और 2024 में वेस्टइंडीज में खिताब जीता था। अब भारत के नाम तीन टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी हो गई हैं, जबकि वेस्टइंडीज और इंग्लैंड दो-दो बार ही यह खिताब जीत सके हैं।

भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा बार 200+ का स्कोर बनाया

इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा बार 200+ का स्कोर बनाने वाली टीम बन गई। टीम इंडिया ने अब तक सात बार 200+ रन बनाए हैं। इस रिकॉर्ड में साउथ अफ्रीका 6 बार 200+ स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि वेस्टइंडीज, श्रीलंका और इंग्लैंड 4-4 बार यह आंकड़ा पार कर चुके हैं। टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा 250+ स्कोर बनाने के मामले में भी भारत टॉप पर है। टीम इंडिया अब तक सात बार 250 से ज्यादा का स्कोर बना चुकी है। इस रिकॉर्ड में आईपीएल टीम सनराइजर्स हैदराबाद 5 बार 250+ स्कोर के साथ दूसरे नंबर पर है। भारत ने 2026 में चार बार 250+ स्कोर बनाया, जो किसी भी टीम से एक साल में सबसे ज्यादा है।

भारत को टी-20 वर्ल्ड कप जिताने वाले 5 हीरो

सैमसन ने लगातार 3 फिफ्टी लगाईं, बुमराह टूर्नामेंट के टॉप विकेट टेकर बने

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप जीत लिया है। टीम ने रविवार रात न्यूजीलैंड को 96 रन से हराया। वैसे तो इस ट्रॉफी के लिए सभी प्लेयर्स ने योगदान दिया, लेकिन कुछ प्लेयर्स ऐसे रहे, जिन्होंने कठिन परिस्थियों में प्रदर्शन कर खुद को साबित किया।

- **बड़े मैचों में सैमसन ने फिफ्टी लगाई-** भारत के विकेटकीपर बैटर संजू सैमसन भारत के लिए ट्रंप कार्ड साबित हुए। उन्होंने टीम के लिए लगातार 3 मैचों में फिफ्टी लगाई। लीग स्टेज में प्लेइंग-11 के लिए स्ट्रगल कर रहे संजू को वेस्टइंडीज के खिलाफ कोलकाता में मौका मिला। यहां टीम को जीत चाहिए थी। सैमसन ने बैटिंग के लिए चैलेंजिंग पिच पर नाबाद 97 रनों की पारी खेलकर भारत को फाइटिंग टोटल तक पहुंचाया। इतना ही नहीं, सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ और फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 89-89 रनों की पारी खेली। वे इस टूर्नामेंट में भारत के टॉप स्कोरर रहे। उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया।

- **बुमराह इस टूर्नामेंट के टॉप विकेट टेकर-** जसप्रीत बुमराह प्लेयर ऑफ द फाइनल रहे। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने कोटे के चार ओवर में 15 रन देकर 4 विकेट झटके। इतना ही नहीं, वे इस टूर्नामेंट के टॉप विकेट टेकर भी बने। उन्होंने 8 मैचों में 14 विकेट झटके। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ बुमराह की सटीक गेंदबाजी ने भारत को जीत दिला दी। गुरुवार को 254 रन का टारगेट चेज कर रही इंग्लैंड ने 15 ओवर में 5 विकेट पर 185 रन बना लिए थे। मैच इंग्लैंड के पाले में जाता दिख रहा था, तभी कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जसप्रीत बुमराह को गेंद थमाई। उन्होंने मिडिल ओवर्स में 2 ओवर फेंके और मात्र 14 रन देकर इंग्लैंड पर दबाव बना दिया। यहां से भारत ने 7 रन से मैच जीत लिया।

- **ईशान किशन के नाम 3 फिफ्टी-** टी-20 वर्ल्ड कप से पहले आखिरी समय में टीम में चुने गए ओपनर ईशान किशन ने टूर्नामेंट में 3 फिफ्टी लगा दीं। उन्होंने फाइनल में 21 बॉल में 247.61 के स्ट्राइक रेट से 52 रन बनाए। किशन ने संजू सैमसन के साथ 48 बॉल पर 105 रन की साझेदारी की। इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ ईशान ओपनिंग करने उतरे, लेकिन उनके सामने अभिषेक शर्मा शून्य पर आउट हो गए।

- **हार्दिक के नाम 217 रन के साथ 9 विकेट-** हार्दिक पंड्या ने बैट और बॉल दोनों से योगदान दिया। उन्होंने 9 मैचों में एक फिफ्टी के सहारे 217 रन बनाए। 160.74 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। इतना ही नहीं, पंड्या ने 9 विकेट भी निकाले। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में हार्दिक पंड्या ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने 12 गेंदों पर 225 के स्ट्राइक रेट से 27 रन बनाए और टीम इंडिया का स्कोर 250 के पार पहुंचा दिया। बॉलिंग करते हुए पहली ही गेंद पर फिल सॉल्ट का विकेट निकाल दिया। उन्होंने 19वें ओवर में 9 ही रन दिए और जीत दिला दी।

- **शिवम दुबे ने फाइनल में 225 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए-** भारत ने फाइनल में 15 ओवर में 203 रन बना दिए थे। तब जिमी नीशम ने 16वें ओवर में संजू सैमसन (89 रन), ईशान किशन (52 रन) और सूर्यकुमार यादव (जीरो) को पवेलियन भेज दिया। उसके बाद अगली 24 गेंद में 28 रन बने। ऐसे में टीम इंडिया का 250 भी पहुंचना मुश्किल लग रहा था। शिवम दुबे ने पारी के 20वें ओवर में जिमी नीशम के खिलाफ दो छक्के और 3 चौके लगाए। उनकी 8 बॉल पर 26 रन की पारी की बदौलत टीम इंडिया ने फाइनल में 255 रन का स्कोर बनाया। उन्होंने सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 25 बॉल पर 43 रन की पारी खेली थी।

कप्तान सूर्या वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद हनुमान मंदिर पहुंचे

- देशभर में जश्न, आतिशबाजी के साथ लोग नाचे, तिरंगा लेकर सड़कों पर उतरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रविवार को खेले गए टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीत लिया है। इस ऐतिहासिक जीत के बाद पूरे देश में दिवाली जैसा माहौल है। प्रशंसक सड़कों पर नाच रहे हैं, आतिशबाजी कर रहे हैं और तिरंगा फहराकर खुशी मना रहे हैं। इधर कप्तान सूर्यकुमार यादव देर रात वर्ल्ड कप ट्रॉफी लेकर अहमदाबाद के हनुमान मंदिर पहुंचे और पूजा की। इस दौरान आईसीसी चेयरमैन जय शाह और टीम के हेड कोच गौतम गंभीर भी उनके साथ थे।

व्यापार

घरेलू गैस के दामों में तुरंत फिर से बढ़ोतरी की संभावना नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी। रसोई गैस यानी की कीमतों को लेकर आम लोगों के लिए बढ़ोतरी थोड़ी राहत भरी खबर है। सरकारी सूत्रों के अनुसार हाल ही में बढ़ोतरी के बाद घरेलू गैस के दामों में तुरंत फिर से बढ़ोतरी की संभावना नहीं है। सरकार बकाया मूल्य निर्धारण प्रणाली को ही जारी रखने के पक्ष में है, ताकि आम उपभोक्ता पर ज्यादा बोझ न पड़े। खासकर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के उपभोक्ताओं को अभी भी प्रति सिलेंडर 300 की सब्सिडी मिलती रहेगी, जिससे करीब 10.33 करोड़ परिवारों को राहत मिल रही है। क्या है डिटेल दरअसल, हाल ही में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम में 60 की बढ़ोतरी की गई है। इसके बाद दिल्ली में 14.2 किलो वाला घरेलू सिलेंडर अब 913 का हो गया है, जो पहले 853 का था। यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊर्जा की कीमतें बढ़ी हुई हैं। इसके बावजूद सरकार का कहना है कि बढ़ोतरी और बढ़ोतरी की जरूरत नहीं है।

सरकारी सूत्रों ने क्या कहा

सीएनबीसी टीवी 18 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सरकारी सूत्रों का यह भी कहना है कि तेल विपणन कंपनियां यानी ओएमसी अभी घरेलू की बिक्री पर पूरी तरह लागत नहीं निकाल पा रही हैं, यानी उन्हें कुछ नुकसान हो रहा है। लेकिन पहले हुई अच्छी कमाई के कारण कंपनियां बढ़ोतरी इस दबाव को संभाल सकती हैं। इसी वजह से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी अभी कोई बदलाव करने की योजना नहीं है।

अब रजिस्ट्री के लिए नहीं काटने होंगे चक्कर

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आप बिहार में जमीन या मकान खरीदने की सोच रहे हैं तो यह खबर आपके लिए सबसे जरूरी है। राज्य सरकार आगामी 1 अप्रैल से रजिस्ट्री की प्रक्रिया में एक ऐतिहासिक बदलाव करने जा रही है। अब आपको रजिस्ट्री के बाद नहीं बल्कि रजिस्ट्री से पहले ही यह पता चल जाएगा कि जमीन का असली मालिक कौन है और उस पर कोई विवाद तो नहीं है। मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग और राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने मिलकर इस 'प्री-रजिस्ट्री वेरिफिकेशन' सिस्टम को तैयार किया है। अब तक लोग जमीन की रजिस्ट्री करा लेते थे और

बाद में दाखिल-खारिज (म्यूटेशन) के समय उन्हें पता चलता था कि रजिस्ट्री में गड़बड़ी है। अब इस सिरदर्द को खत्म करने के लिए ई-निबंधन पोर्टल पर एक नया विकल्प दिया जा रहा है। खरीदार और विक्रेता को सबसे पहले पोर्टल पर अपना अकाउंट बनाकर लॉगिन करना होगा। आवेदन के दौरान जमीन का खाता, खेसरा, जमाबंदी संख्या, रकबा (एरिया), थाना नंबर और चौहद्दी जैसी जानकारियां भरनी होंगी। जैसे ही आप भूमि की जानकारी का विकल्प चुनेंगे यह आवेदन सीधे आपके अंचल कार्यालय (को आफिक्स) तक पहुंच जाएगा। राजस्व अधिकारियों को 10 दिनों के भीतर जमीन की जांच कर अपनी रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड करनी होगी। बिहार में जमीन से जुड़े विवाद अदालतों में सबसे ज्यादा हैं। सरकार का कामकाज है कि इस कदम से: कोई भी व्यक्ति किसी दूसरे की जमीन या सरकारी जमीन को अपना बताकर नहीं बेच खड़ी।

खुल गया है राजपूताना स्टेनलेस आईपीओ, ग्रे मार्केट से मिले ग्रीन सिग्नल

नईदिल्ली, एजेंसी। राजपूताना स्टेनलेस आईपीओ (राजपूताना स्टेनलेस आईपीओ) खुल गया है। कंपनी का आईपीओ 9 मार्च यानी आज से 12 मार्च तक खुला रहेगा। इस कंपनी के आईपीओ का साइज 254.98 करोड़ रुपये का है। राजपूताना स्टेनलेस आईपीओ (राजपूताना स्टेनलेस आईपीओ) आज से खुल गया है। कंपनी का आईपीओ 9 मार्च यानी आज से 12 मार्च तक खुला रहेगा। इस कंपनी के आईपीओ का साइज 254.98 करोड़ रुपये का है। आईपीओ के जरिए कंपनी 1.47 करोड़ फ्रेश शेयर जारी करेगी। वहीं, ऑफर फार सेल के जरिए कंपनी 63 लाख शेयर जारी करेगी। राजपूताना स्टेनलेस आईपीओ का प्राइस बैंड 116 रुपये से 122 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। कंपनी ने 110 यूनिट का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से रिटेल निवेशकों को कम से कम 13420 रुपये का इन्वेस्टमेंट करना होगा। क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए सबसे ज़्यादा 50 परसेंट हिस्सा सुरक्षित रहेगा। रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए आईपीओ का कम से कम 35 परसेंट हिस्सा और एनआईआई के लिए कम से कम 15 परसेंट हिस्सा सुरक्षित रहेगा।

जीएमपी कितना है

इन्वेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार कल ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ दो रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा था। यह आईपीओ की ग्रे मार्केट में सबसे मज़बूत स्थिति है। कंपनी आईपीओ से 18.57 करोड़ रुपये मैन्युफैक्चरिंग सेंटर बनाने के लिए जाएगी। 98 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कंपनी की तरफ से कर्ज चुकाने के लिए किया जाना है। बाकी बचे पैसे सामान्य इन्वेस्टमेंट टास्क के लिए किया जाएगा। राजपूताना स्टेनलेस की शुरुआत 1991 में हुई थी। कंपनी स्टेनलेस स्टील प्रोडक्ट्स का प्रोडक्शन करती है।

एटीएम से बिना कॉर्ड के कैश निकालें

नईदिल्ली, एजेंसी। एटीएम से नकदी निकालने के लिए अब डेबिट कार्ड साथ रखना जरूरी नहीं है। दरअसल, कई बैंकों ने अपने एटीएम में यूपीआई आधारित कैश निकासी की सुविधा शुरू कर दी है। इसके तहत एटीएम मशीन पर एक क्यूआर कोड दिखाई देता है, जिसे फोन में मौजूद यूपीआई ऐप से स्कैन कर रसीद निकाली जा सकती हैं। एटीएम से नकदी निकालने के लिए अब डेबिट कार्ड साथ रखना जरूरी नहीं है। दरअसल, कई बैंकों ने अपने एटीएम में यूपीआई आधारित कैश निकासी की सुविधा शुरू कर दी है। इसके तहत एटीएम मशीन पर एक क्यूआर कोड दिखाई देता है, जिसे फोन में मौजूद यूपीआई ऐप से स्कैन कर रसीद निकाली जा सकती हैं। यह प्रक्रिया काफी सरल और सुरक्षित मानी जाती है, क्योंकि इसमें किसी भौतिक कार्ड का इस्तेमाल नहीं करना पड़ता।

यूपीआई से कितना और कैसे निकाल सकते हैं पैसे

इसलिए लाभ

इस सुविधा का सबसे बड़ा लाभ यह है कि लोगों को हर समय अपने साथ एटीएम कार्ड रखने की आवश्यकता नहीं रहती। यदि कार्ड खो जाए या चोरी हो जाए, तब भी पैसे निकालने में कोई परेशानी नहीं होती। साथ ही यह तरीका ठगी से भी काफी हद तक सुरक्षा प्रदान करता है। इसके अलावा बार-बार कार्ड डालने और पिन छिपाकर दर्ज करने की झंझट भी खत्म हो जाता है। सबसे पहले उस एटीएम पर जाएं, जहां यूपीआई कैश निकासी का विकल्प उपलब्ध हो। एटीएम मशीन की स्क्रीन पर दिख रहे दिख रहे यूपीआई कैश निकासी विकल्प को चुनें। जिनकी राशि निकालना चाहते हैं, उन्हें दर्ज करें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)